गुरुवार
18 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



नीति आयोग का हुआ पुनर्गठन, ललन, मांझी व चिराग को मिली बड़ी जिम्मेवारी

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

छपरा : रेप करने में विफल प्रेमी ने प्रेमिका समेत तीन की धारदार हथियार से की हत्या

- प्रेमिका की मां ने भाग कर बचायी अपनी जान
- छपरा के एकमा में चल रहा है जख्मी का इलाज

केटी न्यूज/छपरा

गहरे नींद में सो रहे परिवार पर अचानक अपराधियों ने हमला बोला। जिसमें बाप व दो बेटी को धारदार हथियार से काट कर मौत का घाट उतार दिया। जबकि पत्नी ने भागकर जान बचाई। उसका एकमा उपस्वास्थ्य केन्द्र में इलाज चल रह है। तिहरे हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को लेकर छपरा जिला सदर अस्पताल भेज पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या के बाद में दहशत का आलम इस कदर है कि गांव वाले या पड़ोसी कुछ भी पुलिस से बोलने के लिए तैयार नहीं है। तीनों मृतकों को देखने पोस्टमार्टम हाउस तक नहीं गये। घटना मंगलवार की छपरा जिले के सारण जिले के रसूलपुर थाना अंतर्गत धनाडीह गांव में हुई। मृतकों की पहचान तारकेश्वर सिंह 50, उनकी पुत्री पुत्री चांदनी कुमारी 17 एवं आभा कुमारी 15 के रूप में की हुई। पुलिस ने तिहरे हत्याकांड के एकलौता चश्मदीद गवाह मृतक के पत्नी की मौखिक बयान पर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पकड़े गये दोनों युवकों के द्वारा जुर्म स्वीकार भी कर ली है।



रात में बेटी का रेप करने घुसा था, जब उसने हल्ला किया तो चाकू से हमला कर दिया : पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी बेटी से रेप करना चाहता था। जिस पर उसने चिल्लाना शुरू किया दिया। जिसके बाद से रौशन धमकी दी थी कि जब मेरी नहीं होगी तो किसी नहीं होने देंगें। मंगलवार की रात भी रौशन अपने एक दोस्त के साथ मेरी बेटी का रेप करने आया था। जब उसने हल्ला किया तो सब को मालूम हुआ। जब इसका विरोध किए तो पहले हम चारों लोगों को पीटा। उसके बाद रौशन ने चाकू निकाल कर हमला कर दिया। इस संबंध में छपरा एसपी कुमार आशीष ने प्रेस रिलीज के माध्यम से घटना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रेम-प्रसंग में रसूलपुर थाना क्षेत्र के धनाडीह में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या की घटना सामने आया है। जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने तो चाकू से हमला कर दिया। उसने बताया कि उसकी बेटी से गांव के ही रौशन कुमार फोन पर बात करता था। जब घर वालों को पता चला तो डांट फटकार लगाई गयी। जिसके बाद बेटी उसने फोन पर बात करने से मना मृतक तारकेश्वर सिंह की पत्नी चश्मदीद गवाह के बयान पर दो आरोपी सुधांशु कुमार उर्फ रौशन पिता संतोष राम, व अंकित कुमार पिता सुनील राम को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने हत्या की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। वहीं आरोपी के हाथ पर किसी धारदार हथियार से बने जख्म मिले हैं और खून लगा कपड़े भी मिले है। जिसे जब्त कर एफएसएल में जांच के लिए भेजा जायेगा। हत्या मे इस्तेमाल की गई चाकू को भी बरामद हो गई। सुधांशु कुमार उर्फ.रौशन का मृतक की बड़ी बेटी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। जिसमें आरोपी ने घटना को अंजाम दिया गया है।

हवाई दुर्घटना से बाल बाल बचे महाराष्ट्र के दोनों डिप्टी सीएम



एजेंसी/रांची

महाराष्ट्र के दोनों डिप्टी सीएम डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार तथा उद्योग मंत्री उदय सामंत का हेलिकॉप्टर नागपुर से गढ़चिरौली जाते समय खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण रास्ता भटक गया पर गनीमत ये रही यह सभी बाल बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, दोनों डिप्टी सीएम और एक मंत्री गढ़चिरौली जिले के अहेरी तहसील में 10 हजार करोड़ रुपये के सूरजगढ़ इस्पात परियोजना के शिलान्यास के लिए जा रहे थे। पर इसी दौरान इनका हेलिकॉप्टर खराब मौसम के कारण रास्ता भटक गया और ये हादसा हो गया। लेकिन हेलिकॉप्टर के पायलट के सूझ-बूझ और कुशलता ने स्थिति को संभाला और न केवल हेलीकॉप्टर को वापस रास्ते पर लाया बल्कि गढ़चिरौली में सुरक्षित लैंडिंग भी कराई। सुरक्षित लैंडिंग होने के बाद इस घटना का जिक्र खुद एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कार्यक्रम के दौरान किया और घटना का जिक्र करते हुए हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग कराने वाले पायलट की तारीफ की।

पैसों के लेनदेन में हुआ पूर्व मंत्री मुकेश साहनी के पिता का मर्डर

- मामले में कासिम अंसारी गिरफ्तार, उसने दिए थे 1.5 लाख रुपये
- सीसीटीवी में दिखे लोगों ने दी कई जानकारियां

केटी/पटना

बिहार के पूर्व मंत्री और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी (70) की हत्या मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरभंगा एएसपी ने बुधवार को बताया कि इस मामले में कासिम अंसारी को गिरफ्तार किया है। उसने जीतन सहनी से 2022 में एक लाख और 2023 में 50 हजार रुपए सूद पर लिया था। इस पैसे को लेकर ही जीतन की हत्या की गई है।

इससे पहले, डीआईजी बाबू राम ने कहा कि कुछ लोगों को कस्टडी में भी लिया है। सीसीटीवी में जो लोग दिखे थे, उन्होंने कई जानकारियां दी है। हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद नहीं हुआ है। लाल रंग का जो अलमीरा मिला है, उसमें लेनदेन के पैसे और कागजात मिले हैं। लेनदेन के एग्रीमेंट के कागजात भी उसमें थे। इस मामले की पटना पुलिस मुख्यालय से लेकर मिथिला प्रक्षेत्र के डीआईजी खुद मॉनिटरिंग कर रहे थे। अब पुलिस ने हत्या करने वाले मुख्य आरोपी काजीम अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है।



जघन्य हत्या की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए कुल 4 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। बता दें कि पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी के 70 वर्षीय पिता की 16 जुलाई को दरभंगा जिले में उनके पैतृक आवास में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। बयान के अनुसार जांचकर्ता हिरासत में लिए गए चारों लोगों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारी और सोमवार रात को पीड़ित के घर जाने का उद्देश्य के बारे में भी पता लगा रहे हैं। उनके बारे में अन्य जानकारी भी ग्रामीणों से जुटाई जा रही है। इसमें कहा गया है कि हिरासत में लिए गए लोगों की प्रारंभिक जांच और पूछताछ से पता चला है कि इनमें से दो ने सहनी से ब्याज पर पैसे उधार लिए थे। बयान के अनुसार सहनी की हत्या से दो दिन पहले उनके साथ तीखी बहस हुई थी और बहस के बाद पीड़ित को सबक सिखाने की धमकी दी थी।

कंमाडों सी-60 ने गुप्त सूचना के आधार चलाया ऑपरेशन, घने जंगलों में चल रह सर्च अभियान

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में छह घंटे चली मुठभेड़ में 12 माओवादी ढेर, एक सब इंस्पेक्टर जख्मी

- डिप्टी सीएम ने राज्य सरकार की ओर से गढ़चिरौली पुलिस को 51 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की
- सी 60 कंमाडों ने तीन एके 47, दो इंसास, एक कार्बाइन, एक एसएलआर समेत 7 ऑटोमोटिव हथियार बरामद किया है

केटी न्यूज/गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। करीब छह घंटे तक चली मुठभेड़ में 12 माओवादियों को मार गिराए जाने की खबर है। गढ़चिरौली के एसपी नीलोत्पल ने बताया कि दोपहर में भारी गोलीबारी शुरू हुई और देर शाम तक रुक-रुक कर 6 घंटे से ज्यादा समय तक जारी रही। इलाके की तलाशी में अब तक 12 माओवादियों के शव बरामद हुए हैं। इस बीच महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं राज्य सरकार की ओर से गढ़चिरौली पुलिस को 51 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा करता हूं। उन्होंने बताया कि अब तक तीन एके 47, दो इंसास, एक कार्बाइन, एक एसएलआर समेत 7 ऑटोमोटिव हथियार बरामद किए गए हैं। मरने वाले माओवादियों में टिपागड़ दलम के इंचार्ज डीवीसीएम लक्ष्मण आत्राम उर्फ विशाल आत्राम की पहचान की गई है। माओवादियों की पहचान और इलाके की तलाशी जारी है। सी 60 के एक सब इंस्पेक्टर और एक जवान को गोली लगी है। वे खतरे से बाहर हैं, उन्हें निकाल लिया गया है और नागपुर भेज दिया गया है। इससे पहले बताया गया था कि गढ़चिरौली के पुलिस स्टेशन झारवंडी अंतर्गत छिंदभट्टी और पीवी 82 (जिला कांकेर पुलिस स्टेशन बांदे का सीमा क्षेत्र) के बीच जंगल में दोपहर 1:30 से 2:00 बजे के बीच सी-60 महाराष्ट्र पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में महाराष्ट्र पुलिस सी-60 पार्टी के सब इंस्पेक्टर सतीश पाटिल के बाएं कंधे में गोली लगी। घायल सब इंस्पेक्टर को हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि हमें खुफिया सूचना मिली थी कि नक्सलियों की एक बड़ी टुकड़ी पुलिस बलों ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में सीएम विष्णुदेव साय की शपथ से पहले नक्सली हमला हुआ था। नक्सलियों ने नारायणपुर में ईआईडी ब्लास्ट किया था। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया था, जबकि एक अन्य जख्मी हुआ है। नक्सलियों ने नारायणपुर के आमदई खदान में ये हमला किया। यहां नक्सलियों ने ईआईडी प्लांट किया था। इसकी चपेट में सीआरपीएफ 9वीं बीएन बटालियन के जवान आ गए। इस हमले में सीआरपीएफ कांस्टेबल कमलेश साहू शहीद हो गए थे। जबकि आरक्षक विनय कुमार साहू घायल हुए हैं। एसपी पुष्कर शर्मा ने हमले की पुष्टि की थी। वहीं दूसरी ओर महराष्ट्र सरकार माओवादियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस बल का प्रयोग कर रही है। ताकि जहां पर भी वह छुपे हो उन्हें खोज निकाला जाए।





राम मंदिर : एनएसजी पहुंची अयोध्या, राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को जांचा



केटी न्यूज/लखनऊ

एनएसजी की टीम बुधवार की दोपहर अयोध्या पहुंच गई है। टीम ने राममंदिर परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली है। एनएसजी की टीम 20 जुलाई तक अयोध्या में रहकर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी हासिल करेगी। 19-20 जुलाई को एनएसजी सुरक्षा को लेकर रिहर्सल भी कर सकती है। एनएनसी की टीम बुधवार को राममंदिर परिसर में करीब दो घंटे रही। बताया कि एनएसजी के कुछ जवान ही अभी अयोध्या पहुंचे हैं। शेष टुकड़ी 19 जुलाई को आएगी और अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था की मॉनीटरिंग करेंगे। इससे पहले बुधवार को पहुंची टीम ने पूरे परिसर का भ्रमण किया। राममंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी ली। टीम ने पुलिस प्रशासन, सीआरपीएफ, एसएसएफ के अधिकारियों के साथ बैठक भी की है। इसमें खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों की भी मौजूदगी रही। टीम ने हनुमानगढ़ी व कनकभवन का भी निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली है।बातातें चलें कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही अयोध्या में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी होता रहा है। 22 जुलाई से सावन मेला भी शुरू हो रहा है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इसके अलावा बड़ी संख्या में कावड़ियां भक्त भी अयोध्या आते हैं।

ऑयल टैंकर समुद्र में डूबा, प्रैस्टीज फाल्कन के 16 क्रू मेंबर्स लापता, 13 भारतीय शामिल

केटी न्यूज/बेंगलूरू

ऑयल टैंकर जहाज समुद्र में डूब गया है। ऑयल टैंकर जहाज प्रैस्टीज फाल्कन यमन की तरफ बढ़ रहा था। जहाज पर 16 क्रू मेंबर्स सवार थे। जहाज के डूबने के बाद सभी 16 लोग लापता हो गए हैं। 16 में से 13 क्रू मेंबर्स भारतीय थे जबकि तीन श्रीलंकाई नागरिक बताए जा रहे हैं। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र की मानें तो तेज के इस जहाज पर पूर्वी अफ्रीकी देश कोमोरोज का झंडा लगा हुआ था। जानकारी दी गई है कि मंगलवार को तेल टैंकर जहाज ओमान के दुक्म बंदरगाह के पास डूब गया। जहाज के डूबने के बाद से उसपर सवार सभी 16 क्रू मेंबर्स लापता हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद लापता क्रू मेंबर्स की समुद्र में तलाश तेज कर दी गई है। राहत और बचाव कार्य जारी है हालांकि अभी तक लापता लोगों का कोई सुराग नहीं मिला है। समुद्र में डूबा जहाज 117 मीटर लंबा था। समुद्री सुरक्षा केंद्र ने एक्स पर हादसे की जानकारी दी है और कहा है कि राहत-बचाव कार्य चलाया जा रहा है और लापता क्रू मेंबर्स को तलाश किया जा रहा है। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय नेवी की टीम ने राहत व बचाव कार्य के साथ-साथ गायब हुए 13 सदस्यों की खोजबीन में जुट गई है। प्रयास किया जा रहा है कि जल्द से जल्द उन्हें खोजा जा सके।

महाराष्ट्र सरकार: लाडला भाई योजना की घोषणा, ग्रेजुएट को मिलेगा सहायता राशि

केटी न्यूज/मुंबई

लाडली बहन स्कीम के तर्ज पर अब लाडला भाई योजना की घोषणा की गयी है। इस स्कीम के तहत जो छात्र इंटर पास होंगे उनको हर महीने 6 हजार रुपए उनके अकाउंट में ट्रांसफर किया जाएगा। वही यदि किसी छात्र के पास डिप्लोमा की डिग्री है उसे 8 हजार रूपया महीना दिया जाएगा। जबकि ग्रेजुएट छात्रों को 10 हजार रूपया हर महीने दिया जाएगा। इस बात की घोषणा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कहना है कि उनकी नजर में लड़का और लड़की में कोई फर्क नहीं है। लड़कियों के लिए लाडली बहन योजना की शुरुआत की गयी थी जिसके बाद अब लड़कों के लिए लाडला भाई योजना की घोषणा की गयी है। लाडला भाई योजना से बेरोजगारी का समाधान तो होगा ही साथ ही युवाओं को फैक्ट्रियों में अप्रेंटिसशिप और सरकार की ओर से छात्रवृति मिलेगी। बता दें कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाया था।



1700 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा यूपी का सबसे लंबा सोलर पार्क, बोले सीएम योगी...

बिजली भी पैदा करेगा, पर्यावरण भी बचाएगा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

केटी न्यूज/लखनऊ

दशकों तक उपेक्षा का दंश झेलने वाले बुंदेलखंड में सुनियोजित और सस्टेनेबल डेवलपमेंट लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा जग-जाहिर है। एक तरफ यहां करीब 36 हजार एकड़ भू-क्षेत्र में नया औद्योगिक शहर बसाने के लिए शासन की कवायद जारी है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के सबसे लंबे सोलर पार्क को भी बुंदेलखंड से होकर गुजरने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर विकसित किया जाना है। करीब 1700 हेक्टेयर में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे इस सोलर पार्क को विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की देखरेख में इसे बी.ओ.ओ. यानी बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट मॉडल पर विकसित किया जाएगा। बता दें कि बीते साल अगस्त में यूपीडा की ओर से इसके प्री-फिजिबिलिटी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया गया था, जिसमें 9 संस्थाओं की ओर से प्रेजेंटेशन दिया गया था। इनमें से मेसर्स ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट ने इसी साल फरवरी में अपनी विस्तृत रिपोर्ट यूपीडा के अधिकारियों के सामने पेश की थी, जिसे हाल ही में मुख्यमंत्री के समक्ष यूपीडा के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस पूरे क्षेत्र को सोलर फार्म के रूप में स्थापित करके इसे सोलर एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित करना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार यूपीडा की ओर से इस सोलर पार्क के लिए 17 सौ हैक्टेयर भूमि उपलब्ध है। ये भूमि इटावा से चित्रकूट तक 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के मुख्य कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच की है। मुख्य कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच उपलब्ध भूमि की औसत चौड़ाई 15-20 मीटर है। यहीं पर सोलर पार्क को निर्मित किया जाएगा। इस पूरे क्षेत्र में सोलर रेडिएशन दर 5 से 5.5 केडब्ल्यूएच प्रति स्क्वायर मीटर, प्रतिदिन है। रिपोर्ट के मुताबिक यहां सोलर पार्क को विकसित करने में तकरीबन ढाई हजार करोड़ से अधिक की लागत आएगी। इसके लिए कंपनियों को 25 साल के लीज पर भूमि आवंटन की व्यवस्था होगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर विकसित होने वाले सोलर पार्क से 450 किलोगवाट ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा।

लुधियाना की युवती से पटना के गेस्ट हाउस में गैंगरेप, दो गिरफ्तार

- पीड़िता ने आधा दर्जन युवकों पर दर्ज करायी प्राथमिकी
- बचने के लिए युवती ने शोर मचाया, इस पर युवकों ने जमकर पिटायी कर दी

केटी न्यूज/पटना

पटना के एक गेस्ट हाउस में लुधियाना की आर्केस्ट्रा डांसर के साथ आधा दर्जन युवकों ने गैंगरेप किया। हल्ला करने पर युवकों ने डांसर की जमकर पिटाई भी की। किसी तरह जान बचाकर भागी डांसर ने पटना के बाईपास थाने में आधा दर्जन युवकों के खिलाफ जबरन दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला प्रकाश में आने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। शेष अन्य युवकों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने पीड़िता के मेडिकल जांच के बाद घटनास्थल से एसएफएल टीम को बुलाकर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से कई सामान जब्त किये हैं।



कार्यक्रम के नाम पर लुधियाना से बुलाकर किया गैंगरेप : घटना के संबंध में पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पीड़िता लुधियाना की रहने वाली है। उसे एक कार्यक्रम में डांस करने की बात कह कर कुछ युवकों ने पटना बुलाया। उसे पटना के एक गेस्ट हाउस में ठहराने की बात कही गई। लुधियान ने आने के बाद युवती को बाईपास स्थित गेस्ट हाउस में ठहराया गया। इसके बाद जब युवती ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी लेनी चाही तब युवकों ने उससे बूरा बर्ताव करने लगे। इसके बाद आधा दर्जन युवकों ने बारी-बारी से उसके साथ गैंगरेप किया। जब युवती अपने बचने के लिए शोर मचाने का प्रयास किया। इस पर युवक गुस्सा में हो गये और युवती की जमकर उसकी पिटाई भी की गई। घटना के बाद सभी युवक मौके से फरार हो गए। किसी तरह युवती वहां से जान बचाकर भागी और इसकी शिकायत बाईपास थाने में की है। उन्होंने अपने लिखित शिकायत में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ जबरन शराब पिलाने, मारपीट करने और दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए पटना सिटी के डीएसपी 2 डॉक्टर गौरव कुमार ने बताया कि एक महिला के द्वारा सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी गौरव कुमार ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। न्यायालय में उसका 164 का बयान भी दर्ज कराया जाएगा। पुलिस युवती को सुरक्षित स्थान पर रखें हुए है। पुलिस आगे की छानबीन कर रही है। पुलिस को दावा है कि जल्द ही शेष आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस किसी भी कीमत पर आरोपियों को छोड़ेगी नहीं। इसके लिए लगातार छापेमारी चल रही है। जल्द ही सभी सलाखों के पीछे होंगे।

समस्तीपुर में जहरीली शराब का तांडव, एक की मौत, पांच इलाजरत

केटी न्यूज/समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में जहरीली शराब के सेवन से एक युवक की मौत हो गई। जबकि उसके पांच अन्य मित्र बीमार हो गये हैं। सभी लोगों का उपचार पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मृतक की पहचान स्वर्गीय सुरेंद्र राय के पुत्र विक्की कुमार (25) के रूप में की गई है। बुधवार तीसरे पहर विक्की का शव पटना से गांव आते ही पारिवारिक लोगों के बीच कोलाहल मच गया। हालांकि इस मुद्दे पर परिवार के लोग उतना खुलकर नहीं बोल रहे हैं लेकिन लोगों का कहना है कि सोमवार को मुर्गी फॉर्म पर मीत और शराब की पार्टी हुई थी। जिसमें विक्की सहित गांव के ही 5 अन्य युवक शामिल हुए थे। उधर, एसपी विनय तिवारी ने बताया कि जलालपुर गांव में एक युवक के मौत और कुछ लोगों के बीमार होने की सूचना है। पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मौत की वजह क्या है। अभी परिवार के लोगों का भी बयान लिया जा रहा है। उसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेश पर नीति आयोग का गठन, केंद्र में बिहार का कद बढ़ा

नीति आयोग का हुआ पुनर्गठन : ललन, मांझी व चिराग को मिली बड़ी जिम्मेवारी

- नीति आयोग के अध्यक्ष होंगे पीएम नरेंद्र मोदी व उपाध्यक्ष होंगे सुमन के बेरी
- बिहार के लिए विशेष दर्जा या स्पेशल पैकेज को लेकर उम्मीदें बढ़ी

केटी न्यूज/पटना

केंद्र सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन कर दिया है। पीएम मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष होंगे। जबकि सुमन के बेरी को आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। आयोग में सहयोगी दलों के मंत्रियों को भी जगह मिली। बिहार के तीन मंत्रियों ललन सिंह, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान को सदस्य बनाया गया है। जिससे बिहार का केंद्र में कद बढ़ गया है और माना जा रहा है कि अगर आने वाले समय में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलता है तो इनकी अहम भूमिका होगी। दरअसल, केंद्र में नई सरकार के गठन के बाद एक बार फिर से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग तेज हो गई है। सत्ताधारी एनडीए में शामिल तमाम दल नीति आयोग के प्रावधानों ने संशोधन करने की मांग कर रहे हैं। नीति आयोग की सिफारिश पर किसी भी राज्य को स्पेशल स्टेट या फिर स्पेशल पैकेज केंद्र सरकार की तरफ से दिया जाता है।



पीएम मोदी ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है, जिसमें बिहार के तीन मंत्रियों को जगह मिली है। नीति आयोग में बिहार के तीन मंत्रियों को जगह मिलने के बाद विशेष दर्जा या स्पेशल पैकेज को लेकर उम्मीद बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष होंगे जबकि सुमन के बेरी उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके साथ ही पदेन सदस्यों की बात करें तो इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का नाम शामिल है। इनके अलावा सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, ललन सिंह, सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार, राममोहन नायडू, जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, चिराग पासवान और राव इंद्रजीत सिंह को विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक की तारीख बदली, लिये जा सकते है बड़े फैसले

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 18 जुलाई को कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। लेकिन अब मीटिंग की तारीख बदल गई है। अब कैबिनेट की बैठक 19 जुलाई को होगी। सीएम सचिवालय के कैबिनेट हॉल में सुबह साढ़े 11 बजे से बैठक शुरू होगी। बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर सरकार की मुहर लगने की संभावना है। दरअसल, बिहार कैबिनेट की बैठक के लिए पहले मंगलवार का दिन निर्धारित था लेकिन अलग-अलग कारणों से मंगलवार की जगह कैबिनेट की बैठक किसी भी दिन बुलाई जाने लगी है। मंगलवार की जगह अब कैबिनेट की बैठक किसी भी दिन हो जाती है। आगामी 19 जुलाई यानी शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक बुलाई है। विधानसभा चुनाव से पहले राज्यभर में 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्धारित कर रखा है। किसी भी हाल में नीतीश अपने वादे को चुनाव से पहले पूरा कर लेना चाहते हैं। सीएम नीतीश जनता से किए अपने वादों को पूरा करने के बाद ही चुनावी मैदान में लोगों के सामने जाकर वोट मांगने के पक्ष में हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि शुक्रवार को होने वाली बैठक में बिहार में नौकरी पर सरकार बड़ा फैसला ले सकती है। इससे पहले 12 जुलाई को कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी। जिसमें कुल 48 एजेंडों पर सरकार ने अपनी मुहर लगाई थी। इसमें युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। साथ ही अन्य कई बड़े फैसले इस कैबिनेट की बैठक में लिये जा सकते है।

जनसुराज से करीबी दिखे राजद के पांच कार्यकर्ता पार्टी से निष्काषित

केटी न्यूज/ पटना

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जनसुराज से संपर्क रखने वाले नेताओं पर राष्ट्रीय जनता दल ने कार्रवाई की है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने अपने पांच नेताओं पर कार्रवाई की है। इन सभी पर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है। राजद ने इन्हें छह साल के लिए निष्कासित किया है। इनमें कहलगांव के पवन भारती, गोराडीह के मो. आफताब आलम, सन्हौला के शिव कुमार साह, सुलतानगंज के अजीत कुमार एवं सुलतानगंज की ही आशा जायसवाल शामिल हैं। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह स्तर से हुई है।वहीं राजद में इतने बड़े पैमान में नेताओं के निष्कासन का कार्यालय आदेश जारी होने के साथ राजद कार्यकताओं में हड़कंप मच गया है। राजद कार्यालय की ओर से जारी आदेश में लिखा गया है कि अनुशासन के विपरीत जन सुराज संगठन से जुड़ कर दल विरोधी कार्य कर रहे हैं, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। राजद जिलाध्यक्ष सीपी यादव ने बताया कि राजद पार्टी में रहते हुए उक्त लोगों ने जनसुराज पार्टी की सदस्यता ली है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार

गीता प्रेस

पुस्तक की दुकान

सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता

सहयोगी प्रतिष्ठान

डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)

: 6299941536

लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर, एक की मौत व दूसरा रेफर

- गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बामपाली गांव के समीप बुधवार की सुबह घटी घटना
- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा



आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बामपाली गांव के समीप बुधवार की सुबह अज्ञात वाहन ने पटना निवासी बाइक सवार दो दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक दोस्त मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं जख्मी दूसरा का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंतायनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार मृतक पटना जिला के बिहटा थाना क्षेत्र के छितरौली गांव निवासी लोरीक मांझी का 43 वर्षीय पुत्र कद्दू मांझी है एवं वह पेशे से मजदूर था। जबकि जख्मी उसका दोस्त उसी जिले के फूलवाड़ी शरीफ थाना क्षेत्र के फूलवाड़ी शरीफ गांव निवासी भुवनेश्वर मांझी का 24 वर्षीय पुत्र विनोद मांझी है। इधर मृतक का छोटा भाई जितेंद्र कुमार ने बताया कि मंगलवार की रात वह अपने भतीजे व मृतक के बेटे अजय कुमार का बारात लेकर पटना जिला के पाली थाना क्षेत्र के पाली गांव स्थित मुसहर टोली बारात लेकर आए थे। सभी लोग वापस लौट गए थे। लेकिन वे लोग बिहिया थाना क्षेत्र के खरौनी गांव अपने रिश्तेदार के घर उनसे मुलाकात करने गए थे। मुलाकात करने के बाद जब वह दोनों बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। उसी बीच यह घटना घट गई। इसके बाद सदर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मौत होने की जानकारी दी गई। सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। जिसके गजराजगंज ओपी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। जहां एक तरफ घर में बेटे की शादी होने और उसके सिर पर सेहरा सर सज रहा था। वही दूसरी तरफ घर से पिता ही अर्थी उठ गई। लोग शादी में नाच-गाना और ढोल ताशा से बज रहे थे। वहीं मौत की खबर मिलते हैं शादी का माहौल मातम में तब्दील हो गया। देखते ही देखते जिस घर में खुशियों की लहर दौड़ रही थी। मौत की खबर मिलते ही घर में चीखने-चिल्लाने की चितकारियां गूंजने लगी।

पटना में गंगा स्नान करने के दौरान दो लड़कियां डूबीं

पटना। पटना जिले के बाढ़ के उमानाथ गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के दौरान एक बच्ची और एक किशोरी डूब गईं। इस घटना से मौके पर सनसनी का माहौल व्याप्त हो गया है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। इसी सिलसिले में शेखपुरा जिले के बंगाली टोला से लोग बाढ़ के उमानाथ घाट पर श्राद्ध कर्म के बाद शुद्धिकरण के लिए गंगा स्नान करने आए थे। इसी दौरान तेज धार में दो लड़कियां बह गईं।गंगा स्नान करने के दौरान तेज धार में बही दोनों लड़कियों के चाचा विजय कुमार ने बताया कि शुद्धिकरण के लिए परिवार के साथ आए थे। गंगा स्नान करने के दौरान गंगा के तेज धार में बहने लगे। उसके बाद एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में तीन लोग गंगा की तेज धार में बहने लगे। लेकिन चौदह वर्षीय अनु कुमारी और आठ वर्षीय माही गंगा की गोद में समा गईं।

S2 Mall

SCPL

RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018





ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING



FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.

For Booking Contact : 9431019808, 9693777038

Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001

E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

मामला मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट थाना क्षेत्र का, मौके पर पहुंची पुलिस

दुल्हन को मनपंसद लहंगा नहीं मिला तो किया शादी से इंकार, छोटी बहन पहुंची वरमाला स्टेज पर

- बदली दुल्हन देखकर दुल्हे ने मचाया हंगामा

केटी न्यूज/पटना



वरमाला स्टेज पर दुल्हन की बहन शादी के लिए पहुंच गई। उसे असल दुल्हन ने इस तरह तैयार कर भिजवा दिया था। दुल्हन की जिद के हिसाब का लहंगा नहीं मिलने पर उसने ऐन वरमाला से पहले यह फैसला किया। इसके बाद जब दूल्हे की नजर वरमाला स्टेज पर सामने खड़ी लड़की पर पड़ी तो वह चौंक गया। दूल्हे ने शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन बदले जाने की सूचना से हड़कंप मच गया।

बवाल बढ़ा तो पता चला कि पसंद का लहंगा नहीं मिलने के गुस्से में यह सब हुआ है। फिर बड़ी मुश्किल से बात बनी और सबकुछ सुलझ सका। मामला बिहार के मुजफ्फरपुर का है। पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के एक गांव का है, जहां गायघाट थाना क्षेत्र से बारात भी पहुची थीं। जयमाला का कार्यक्रम शुरू हुआ, तभी लड़का की नजर लड़की पर पड़ी। लडकी को देखते ही लड़का ने शादी करने से इंकार कर दिया। लड़के ने लड़की पक्ष वालों पर यह आरोप लगाया कि जिस लड़की को शादी के लिए दिखाया गया था उस लड़की से शादी नहीं कराई जा रही है। इसके बाद वहां कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल हो गया। बात तुरंत पुलिस तक पहुंच गई और फिर पुलिस ने मामले को संभाला। पुलिस के द्वारा जांच के दौरान यह बातें सामने आई कि उक्त लड़के से जिस लड़की की शादी होनी थी उस लड़की ने अपने परिजनों से महंगे दाम के लहंगे की डिमांड की थी लेकिन परिजनों के द्वारा लहंगा कम दाम का लाया गया था। इस बात से नाराज होकर लड़की ने शादी करने से इंकार कर दिया। शादी से इंकार करते ही लड़की के परिजनों के बीच अब सबसे बड़ी समस्या यह थी कि अब बारात का क्या करें। काफी समझाने के बाद भी एक तरफ जहां लड़की मानने को तैयार नहीं थी तो वहीं दूसरी तरफ बारात भी दरवाजे पर पहुंच चुका था। काफी समझाने के बाद भी जब लड़की शादी के लिए राजी नहीं हुई और बारात दरवाजे पर पहुंच गई तो फिर लड़की के परिजनों ने लड़की की छोटी बहन को ही तैयार कर स्टेज पर शादी के लिए पहुंचा दिया, लेकिन दुर्भाग्य से जयमाला के दौरान लड़के की नजर उस लड़की पर पड़ गई और लड़का ने शादी करने से इंकार कर दिया। लड़का पक्ष ने लड़की पक्ष पर लड़की बदलने का आरोप लगाया। मामला स्थानीय थाना के पास पहुंचा। पुलिस ने किसी तरह मामले को सुलझाया।

शोषण के शिकार हो रहे हैं आवेदक, बिना पैसा दिए डुमरांव अंचल में संभव नहीं दाखिल खारिज कराना

केटी न्यूज/डुमरांव

- अंचल में एक ही वित्तीय वर्ष में अस्वीकृत से स्वीकृत के है दर्जनों मामले

डुमरांव अंचल कार्यालय दाखिल खारिज के मामले में भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा बन गया है। अंचल कार्यालय के रिकॉर्ड इस बात की गवाही दे रहे हैं कि डुमरांव अंचल में बगैर पैसा दिए दाखिल खारिज कराना मुश्किल नहीं बल्कि असंभव है। दाखिल खारिज के मास्टरमाइंड के रूप में पहचान रखने वाले राजस्व कर्मचारी रामबदन तिवारी ने कुशलपुर मौजा में सोनामती देवी पति वीरेंद्र गोंड़ का दाखिल खारिज वाद संख्या 5128/23-24 को जांचोंपरांत अस्वीकृत कर दिया। फिर यही जमीन वाद संख्या 5564/23-24 में पैसा देने के बाद स्वीकृत कर लिया गया। रामबदन तिवारी द्वारा ही कुशलपुर मौजा में नंदकुमार सिंह पिता बालेश्वर सिंह हरनही का वाद संख्या 5597/23-24 को पहले अस्वीकृत किया गया। फिर इसी जमीन के वाद संख्या 2844/23-24 को स्वीकृति प्रदान की गई।

राजस्व कर्मचारी मिलन कुमार ने हकीमपुर मौजा में गिरधर गुप्ता पिता बंसीधर गुप्ता ग्राम अरियांव के दाखिल खारिज वाद संख्या 5346/23-24 को अस्वीकृत किया। चंद दिनों बाद ही इसी जमीन



पर वाद संख्या 5427/23-24 को स्वीकृत कर लिया गया। मिलन कुमार ने हकीमपुर मौजा में ही कुमारी पूनम यादव पति संतोष यादव चक्की रंगी डेरा का दाखिल खारिज वाद संख्या 2803/23-24 को अस्वीकृत किया था। फिर इसी जमीन को वाद संख्या 3157/23-24 पर अपनी स्वीकृति की मोहर लगा दी। मिलन कुमार ने हकीमपुर मौजा में ही आवेदक प्रेमशंकर दुबे पिता जगनारायण दुबे ग्राम देवकुली के दाखिल खारिज वाद संख्या 3188/23-24 को अस्वीकृत कर दिया। फिर इसी जमीन को उसी आवेदक के वाद संख्या 3916/23-24 को स्वीकृत कर लिया गया। लाखनडिहरा में राजस्व कर्मचारी राजू कुमार ने शीला देवी पति श्रीकांत दुबे ग्राम लाखनडिहरा दाखिल खारिज वाद संख्या 3205/23-24 को अस्वीकृत कर दिया। फिर उसी आवेदक के दूसरे वाद संख्या 3853/23-24 को स्वीकृत कर लिया। बेलामोहन मौजा में राजस्व कर्मचारी सुजीत ठाकुर ने आवेदक निर्मला देवी पति विजय शंकर सिंह ग्राम नावाडेरा का वाद संख्या 1519/23-24 को पहले अस्वीकृत किया, फिर उसी आवेदक के इस जमीन को वाद संख्या 2104/23-24 पर स्वीकृति की मोहर लगाकर यह तय कर दिया कि दाखिल खारिज में पारदर्शिता तनिक नहीं है। मठिला मौजा के राजस्व कर्मचारी मनोहर राय ने आवेदक संतोष कुमार यादव पिता शिवनारायण यादव ग्राम मठिला के वाद संख्या 54/23-24 को अस्वीकृत कर दिया। फिर उसी आवेदक के उसी जमीन का वाद संख्या 1508/23-24 को स्वीकृत कर लिया। मठिला मौजा में ही राजस्व कर्मचारी मनोहर राय ने आवेदक चंदन सिंह पिता अवधेश सिंह ग्राम मठिला के दाखिल खारिज वाद संख्या 1412/23-24 को पहले अस्वीकृत किया। फिर उसी जमीन पर उसी आवेदक को वाद संख्या 1973/23-24 में स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

बिना मुलाकात के यहां नहीं बनती है बात...

अंचल कार्यालय के जानकार सूत्रों का कहना है कि दाखिल खारिज का आवेदन ऑनलाइन करने के बाद जो लोग घर बैठे रहते हैं, उनका आवेदन अस्वीकृत होना तय है। राजस्व कर्मचारी प्रत्येक मौजा में सक्रिय अपने दलाल के माध्यम से दूसरा पक्ष से आपत्ति डलवा कर दाखिल खारिज के आवेदन को अस्वीकृत करते हैं। फिर जब प्रथम पक्ष अंचल कार्यालय का दौड़ लगाता है तब फिर दूसरा आवेदन लेकर दूसरे वाद संख्या पर दाखिल खारिज स्वीकृत कर लिया जाता है। सूत्रों का कहना है कि जब से अंचल अधिकारी के पद पर समन प्रकाश ने योगदान किया है, ऐसी शिकायतें खूब बढ़ी है। सूत्रों का दावा है कि अगर दाखिल खारिज के पूरे मामले की जांच कर दी जाए तो अंचल कार्यालय के आधा से अधिक राजस्व कर्मचारियों की जेल यात्रा तय है।

ऐसा मामला हमारे संज्ञान में नहीं है

“ दाखिल खारिज का ऐसा मामला हमारे संज्ञान में नहीं है। शिकायत मिलने पर मामले की जांच कराई जाएगी। राजस्व कर्मचारी से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए यह जानने का प्रयास होगा कि किस परिस्थिति में दाखिल खारिज का अस्वीकृत आवेदन स्वीकृत कर लिया गया।

- समन प्रकाश, सीओ, डुमरांव।

खबरें फटाफट

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

डुमरांव। स्थानीय रेलवे स्टेशन के पूर्वी रेलवे क्रासिंग के पास ट्रेन की चपेट में आने से 80 वर्षीय एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना बुधवार शाम करीब छह बजे अप लाईन की है। मृतक राजेन्द्र पाठक मूलरूप से मुरार थाना क्षेत्र के अमसारी गांव के रहने वाले है तथा वे पिछले कुछ वर्षों से डुमरांव के टेक्सटाईल कॉलोनी में घर बनाकर अपने परिवार के साथ रहते थे। मिली जानकारी के अनुसार वे प्रत्येक दिन की तरह शाम में टहलने जा रहे थे। रेलवे क्रासिंग पार करने के दौरान अप लाईन से आ रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही तत्काल जीआरपी मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लिया। इधर सूचना मिलते ही परिजन भी दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे तथा शव देख विलाप करने लगे।

सदस्यता कार्यशाला का आयोजन

बक्सर। बुधवार को अभाविप ने महर्षि महाविद्यालय के मानस भवन में एकदिवसीय जिला सदस्यता कार्यशाला आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ परिषद गीत गाकर अंशिका सिंह और अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर उपस्थित अभाविप दक्षिण बिहार के प्रांत संगठन मंत्री रौशन कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद पूरे प्रांत के द्वारा 22 जुलाई से 20 अगस्त तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। स्वाधीनता के पश्चात अपने भारत देश के हजारों सालो का गौरवशाली, वैभव संपन्न परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए उसे पुनः आधुनिक विकसित एवं परिस्थितिक दोषों से मुक्त करने हेतु ही विद्यार्थी परिषद की स्थापना की गई। जिला संयोजक अविनाश पाण्डेय नें कहा कि इस बार पूरे बक्सर में दस हजार छात्र और शिक्षकों को सदस्य बनाना है। धन्यवाद ज्ञापन विराज सिंह ने किया। कार्यशाला में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनिष कुमार सिंह, कला मंच संयोजक राहुल कुमार, ब्रह्मपुर नगर के नगर मंत्री सदानंद पाण्डेय, आदित्य सिंह, अभिषेक गुप्ता, विशाल कुमार, बंटी पटेल, हिमांशु कश्यप, आदित्य गुप्ता, अमरेंद्र मिश्र, राज मिश्र, विक्की पाण्डेय, राहुल पाण्डेय व अन्य मौजूद रहे।

एकौनी रजडीहा पथ पर लूटेरों ने ठेकेदार के मुंशी से लूट लिए थे 28 हजार रूपए

पांच घंटे में लूटकांड का उद्भेदन, चार गिरफ्तार; नगदी व मोबाइल भी बरामद

- डुमरांव पुलिस की सक्रियता से मामले में जल्द पकड़े गए सभी अपराधी, मिली सफलता
- बक्सर एसपी ने मामले का किया खुलासा

केटी न्यूज/बक्सर



डुमरांव पुलिस ने मंगलवार की शाम एकौनी डुमरांव पथ पर हुए एक लूटकांड का उद्भेदन मात्र पांच घंटे के अंदर करते हुए वारदात में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से नगदी तथा एक मोबाईल भी बरामद हुआ है। बुधवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इटाढ़ी थाना क्षेत्र के हरपुर गांव निवासी हरेन्द्र यादव एक ठेकेदार के यहां मुंशी का काम करता है तथा उसका ससुराल डुमरांव थाना क्षेत्र के रजडीहा गांव में है।

मंगलवार की शाम वह मजदूरों की मजदूरी की भुगतान करने के लिए एकौनी के रास्ते रजडीहा आ रहा था। इसी दौरान एकौनी गांव के आगे एक सुनसान जगह पर पूर्व से घात लगाकार बैठे चार की संख्या में लूटेरों ने उसे घेर लिया तथा मारपीट कर उसके पास से 28 हजार रूपए लूट लिए। पीड़ित ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। जिसके बाद डुमरांव एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए जल्द कार्रवाई शुरू कर दी।

एसपी ने बताया कि डुमरांव थानाध्यक्ष से जानकारी मिलने के बाद इस लूटकांड के उद्भेदन के लिए डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया। जिसमें डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत के साथ ही अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। टीम ने मात्र पांच घंटे के अंदर लूटकांड में शामिल कोरानसराय थाना क्षेत्र के चुआड़ गांव निवासी विमलेश तिवारी के पुत्र जितेन्द्र तिवारी, डुमरांव थाना क्षेत्र के अटांव गांव निवासी सहादूर यादव पिता स्व. काशी यादव, सुधीर कुमार पिता सुरेन्द्र यादव तथा सुनील कुमार यादव पिता सूर्यमुखी यादव को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूट के रूपयों में से दो हजार रूपए तथा एक मोबाईल फोन बरामद किया गया। एसपी ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है।

बुधवार को हुई घटना के पहले राजपुर थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड का पुलिस ने एक घंटे के अंदर ही चार लूटेरों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की इस त्वरित ऐक्शन से जहां अपराधी लूटेरों में दहशत कायम हो गया है, वहीं आम आवाम में खुशी व्याप्त है। लोग पुलिस की सक्रियता की सराहना कर रहे हैं।

नशे में युवक पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

बक्सर। मुरार पुलिस ने थाना क्षेत्र के वैदा गांव से एक युवक को पिस्टल तथा जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। वह शराब के नशे में धूत था। उस पर गांव के ही राहुल कुमार नामक युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराया है। मंगलवार की रात पुलिस को राहुल ने बताया था कि उसके गांव का मुन्ना कमकर अपने साथियों के साथ शराब के नशे में धूत हो पिस्टल लहरा रहा है तथा गांव में हो हल्ला मचा रहा है। मना करने पर उसने मुझपर पिस्टल से जानलेवा हमले का प्रयास भी किया है। इस सूचना पर एसपी मनीष कुमार ने डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी व मुरार थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय के नेतृत्व में एक टीम गठित कर उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। उक्त टीम जब उसे खोजते गांव के तरफ जा रही थी तो वह गांव से बाहर लोहरा के महुआ के पास शराब के नशे में धूत मिला। उसके पास से एक पिस्टल तथा एक कारतूस भी बरामद हुआ। एसपी ने बताया कि उसके खिलाफ राहुल पर जानलेवा हमले के अलावे आर्म्स ऐक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

सख्ती : डीएसपी ने उतारी हेकड़ी, बीच सड़क पर वाहन रोक उतरवाया हूटर व लाईट



डुमरांव। अपने कर्तव्यनिष्ठा व न्यायप्रियता के लिए विख्यात डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बुधवार को एक वाहन चालक की हेकड़ी बीच सड़क पर ही उतार दी। उसे डीएसपी के सामने ही वाहन में लगे हूटर व लाईट को खोलना पड़ा। मामला पुराना भोजपुर चौक का है। मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी मोहर्रम पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए पुराना भोजपुर में गश्त अभियान का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान डुमरांव की तरफ से एक स्कार्पियो चालक तेज आवाज में हूटर बजाते पुराना भोजपुर से सिमरी की तरफ निकल रहा था। उसके हूटर की आवाज को सुन लोग इधर उधर भाग रास्ता छोड़ने लगे। लोगों को लगा कि कोई बड़ा अधिकारी इस रास्ते से गुजर रहा है। लेकिन मौके पर मौजूद डीएसपी की पारखी नजर से वह बच नहीं सका। डीएसपी ने तत्काल गाड़ी रूकवा चालक से पूछा कि यह किस अधिकारी की गाड़ी है तथा हूटर व लाईट क्यों लगाया है। इस पर चालक बगले झांकने लगा। उसने डीएसपी के सामने स्वीकार किया कि इसमें कोई अधिकारी या ऐसा व्यक्ति नहीं बैठा है, जिसके लिए हूटर व लाईट एलाउ किया गया है। हालांकि, गाड़ी में महिलाओं को बैठा देख डीएसपी ने उसे चेतवानी देते हुए अपने सामने लाईट व हूटर खोलवा आगे जाने दिए। डीएसपी के इस त्वरित कार्रवाई का लोगों ने सराहना की। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस प्रशासन इसी तरह से मुश्तैद रहा तो अपराधियों तथा समाज में हेकड़ी दिखा लोगों को धमकाने व डराने वालों की खैर नहीं होगी। जबकि डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि किसी को भी नियम विरूद्ध कुछ करने की छूट नहीं दी जाएगी।

कार्रवाई : कचईनिया में जमीन विवाद में मारपीट करने वाले तीन गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के कचईनिया गांव में मंगलवार को जमीन विवाद में हुई हिंसक झड़प के तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपितों में ब्यास साहू तथा उनके दो पुत्र संजय कुमार साहू व राजकुमार साहू शामिल है। जिन्हें बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि ब्यास साहू तथा उमाशंकर पांडेय के बीच एक जमीन पर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मंगलवार को रामब्यास के पक्ष के लोग उक्त जमीन की जबरन जुताई कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही दूसरे पक्ष के लोग उसे रोकने गए, इसी दौरान पहले तू-तू, मैं-मैं हुई और बाद में पहले पक्ष ने लाठी-डंडे से पहले पक्ष की पिटाई शुरू कर दी। जिसमें पहले पक्ष के चार-पांच लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से जख्मियों में उमाशंकर पांडेय के पुत्र सोनू पांडेय, दिलीप पांडेय तथा रामलखन पांडेय के पुत्र रोहित पांडेय शामिल है। ग्रामीण सूत्रों की मानें तो पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद तत्कालीन थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने दोनों पक्षों को फैसला होने तक उक्त जमीन पर नहीं जाने का निर्देश दे शांत कराया था। इसी बीच उनके लाइन हाजिर होने के बाद पहला पक्ष जमीन की जुताई करने लगा। इस संबंध में कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

नैनीजोर में मक्के के खेत में छिपाकर रखी गई अंग्रेजी शराब की खेप बरामद, तस्कर चिन्हित



ब्रह्मपुर। नैनीजोर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बड़की नैनीजोर पोखरा ढाला के पास स्थित मक्के के खेतों से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने इस दौरान अलग अलग खेतों से विभिन्न ब्रांड के 187 लीटर शराब बरामद किया है। मक्के के खेत में छिपाकर रखी गई शराब की पेटियों को देख पुलिस भी दंग रह गई। हालांकि, पुलिस के पहुंचने पर खेत की रखवाली का स्वांग करने वाले शराब तस्कर खेतों में लगे मक्के तथा अन्य फसलों की ओट में छिपते हुए भागने में सफल रहे। लेकिन पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है तथा उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर छापेमारी कर रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मो. फिरोज आलम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शराब तस्कर यूपी से शराब की बड़ी खेप मंगवाए है, जिसे पोखरा ढाला के पास मक्के के खेत में छिपाकर रखा गया है तथा अंधेरा होने पर तस्कर इसे ठिकाना लगाने वाले है। इस सूचना पर तत्काल एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई, इस दौरान खेत से विभिन्न ब्रांड की 187 लीटर शराब बरामद किया गया। उन्होंने बताया तस्करी के आरोप में पोखरा ढाला के सुरेन्द्र यादव व लीला डेरा के हृदया यादव व मुखलाल यादव को चिन्हित कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। गौरतलब हो कि गंगा के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। तस्कर बाढ़ आने से पहले अधिक से अधिक शराब की खेप स्टोर करने की फिराक में लग गए है। इधर पुलिस उनके मंसूबे पर पानी फेरने के लिए तैयार है।

सावन माह में भारत गौरव ट्रेन कराएगी ज्योतिर्लिंगों के दर्शन

- 24 अगस्त को ट्रेन बेतिया से खुलेगी यह ट्रेन

केटी न्यूज/बक्सर



इस सावन भगवान शिव के भक्तों के लिए अच्छी खबर है। ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के इच्छुक भगवान शिव के भक्तों की मुराद रेलवे पूरी करने वाली है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन यानि आईआरसीटीसी टूर पैकेज के तहत भारत गौरव पर्यटन ट्रेन से तीर्थ कराएगा। इसके तहत उज्जैन स्थित ओंकारेश्वर व महाकालेश्वर, सोमनाथ, द्वारका स्थित द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिरडी स्थित साईं मंदिर, शनि शिंगणापुर मंदिर और नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का सौभाग्य मिलेगा।

भारत गौरव योजना के तहत भारतीय रेलवे किराए में तकरीबन 33 प्रतिशत रियायत के साथ सफर कराएगी। मंगलवार को इसकी जानकारी आईआरसीटीसी के मुख्य पर्यटन पर्यवेक्षक मनीष कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि 24 अगस्त को ट्रेन बेतिया से खुलेगी और उसी दिन शाम 7 बजे बक्सर स्टेशन पर पहुंचेगी। सभी तीर्थों के दर्शन कराने के बाद ट्रेन 3 सितंबर को वापस लौट जाएगी। उन्होंने बताया कि पैकेज के तहत बजट यानि स्लीपर क्लास का किराया 20,899 रुपये तथा स्टैंडर्ड यानि एसी श्री क्लास का किराया 35,795 रुपये है। जिसमें यात्रियों के लिए होटल का किराया एवं भोजन आदि का शुल्क भी शामिल है। इसके लिए सीट की बुकिंग शुरू हो गई है। बक्सर के एरिया अफसर श्रीकांत कुमार के मोबाइल नंबर 8595937728 पर संपर्क कर टिकट बुक कराया जा सकता है।

सूबे के किसानों के अनाज का सही भंडारण कराना सरकार का लक्ष्य: डॉ. प्रेम कुमार

केटी न्यूज/बक्सर



बुधवार को राज्य के सहकारिता विभाग सह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रेम कुमार ने जिले में दो गोदामों की आधारशीला रखी। जिसमें इटाढ़ी प्रखंड के बड़का गांव पैक्स का गोदाम एवं छुटावी व्यापार मंडल का गोदाम। इन गोदामों का निर्माण कृषि रोड मैप 2017-2022 के राज्य योजनान्तर्गत हो रहा है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि किसानों का अनाज रख रखाव के बिना बर्बाद न हो। इसी उदेश्य से सभी पंचायतों, पैक्सो तथा व्यापार मंडल में गोदाम का निर्माण कराया जा रहा है, ताकी अनाज का सुरक्षित भंडारण किया जा सके।

जिला सहकारिता पदाधिकारी ने मंत्री प्रेम कुमार को बताया कि पिछले खरीफ वर्ष में जिला में 126 समितियों द्वारा 6330 किसानों से 60163.644 मिट्रक टन धान की खरीद की है। अधिप्राप्ति किये गये धान के बराबर 40911.278 मिट्रिक टन सीएम० आर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम को किया जाना है। जिसमें 35720. 687 मि. टन (87.31 प्रतिशत) सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम को किया जा चुका है। जबकि इस बार रबी मौसम में जिला में 32 समितियों द्वारा 47 किसानों से 150.30 मि. टन गेहूं की खरीद की गई। जिसका शत प्रतिशत आपूर्ति राज्य खाद्य निगम को किया जा चुका है। डीसीओ ने बताया कि जिला में कुल 87 पैक्स व व्यापारमंडलों में 200 से 500 एमटी क्षमता के गोदाम निर्माण की स्वीकृति विभाग द्वारा वर्ष 2012-13 से अबतक प्रदान की गई है। जिसमें 85 पैक्स व व्यापारमंडलों में निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष दो पैक्सों में गोदाम निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। सहकारिता मंत्री को बताया गया कि मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना के तहत 64 समितियों का चयन किया गया है। जिसमें कुल 300 यंत्रों का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। अभीतक कुल 232 यंत्रों का आपूर्ति चयनित पैक्सों को आपूर्तिकर्ता एजेंसी द्वारा की गई है जिसमें से 231 यंत्रों का भुगतान संबंधित पैक्सों द्वारा 51742882 रुपये कर दिया गया है।

ब्रह्मपुर में स्वयंसेवकों ने पौधरोपण कर एवं पौधा वितरण कर लोगों को किया जागरूक

धरती पर हरियाली आएगी तभी जीवन में खुशहाली आएगी: शैलेश

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर



स्थानीय प्रखंड अंतर्गत बड़का पुरवा गांव में धरती के आंचल को हरा भरा बनाने और आने वाली पीढ़ी को प्राणवायु का संतुलन प्रदान करने के लिए स्वयं सेवकों द्वारा हर घर पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत ग्रामीणों के बीच विभिन्न किस्म के 100 पौधों का वितरण किया गया। उसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 922 के समीप एवं पुरवा टोला काली मंदिर सहित दो स्थानों पर पंचवटी (बड़, पीपल, पाकड़, आंवला, अशोक) का रोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में पेड़ लगाने की जरूरत पर बल देते हुए वक्ताओं ने कहा कि पेड़ लगाना बेहतर जीवन की आशा पैदा करना है। पेड़ ऑक्सीजन पैदा करते हैं, हवा को शुद्ध करते हैं, उपजाऊ मिट्टी बनाते हैं, कटाव को रोकते हैं, नदियों को साफ रखते हैं, जलभृतों के लिए पानी इकट्ठा करते हैं, वन्यजीव आश्रय के रूप में काम करते हैं, मिट्टी के तापमान को कम करते हैं, अन्य प्रजातियों की स्थापना को बढ़ावा देते हैं, मिट्टी के पोषक तत्वों को पुनर्जीवित करते हैं और परिदृश्य में सुधार करते हैं। धरती पर हरियाली आएगी तभी जीवन में खुशहाली आएगी।

पौधरोपण कार्यक्रम में स्वयंसेवक शशि शेखर सिंह, भाजपा नेता शम्भू चंद्रवंशी, पर्यावरणविद् एवं दक्षिण बिहार प्रांत प्रमुख रमेश पांडेय सुदामा, सह प्रमुख नित्यानंद ओझा, जिला सह प्रमुख शैलेश कुमार ओझा, नीतीश कुमार, टिंकू कुमार, संजीव कुमार, कृष्णा कुमार, डागा यादव आदि लोग मौजूद थे।

महिलाओं ने शांति नगर में किया पौधरोपण

बक्सर। नगर के स्थानीय शांति नगर सेवा बस्ती में महर्षि विश्वामित्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे के आह्वान पर महिला विंग द्वारा पौधरोपण किया गया। महिला विंग की सदस्यों ने काफी उत्साह के माहौल में पौधरोपण कर बस्ती वालों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। सदस्यों ने उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि पौधों की कमी के कारण ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या का आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में लोगों को शुद्ध वातावरण के साथ ही ऑक्सीजन के लिए भी भटकना पड़ेगा। मौके पर फाउंडेशन के शाहाबाद संयोजक रवि राज, रूबी तिवारी, श्री देवी, कुंती देवी, गुड़िया देवी ,रामानती देवी, आरती देवी, आशुतोष तिवारी, रामजी यादव, अजय आदि ने पौधरोपण किया तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

बक्सर व डुमरांव में निकाली गई विशाल ताजिया जुलूस, परंपरागत हथियारों से युवाओं ने दिखाएं करतब

त्याग व बलिदान का पर्व मोहर्रम गम-ए-अश्क के साथ संपन्न

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

बुधवार को मुस्लिमों का पर्व मोहर्रम गम-ए-अश्क के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर बक्सर व डुमरांव के अलावे जिलेभर में अखाड़ो द्वारा ताजिया जुलूस निकाला गया। जिसमें युवाओं ने कई तरह के करतब दिखाए। बक्सर व डुमरांव में देर रात तक ताजिया जुलूस जारी था। बता दें कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा अपने 72 साथियों के साथ इंसानियत की रक्षा के लिए इराक के कर्बला में शहादत दी गई थी, जिसकी याद में मुस्लिम भाईयों द्वारा यह पर्व मनाया जाता है। जहा मुहर्रम के दसवें दिन ताजिया जुलूस निकाले गए। देर रात ताजियों को सुपुर्देआब कर दिया गया। या दौरान या अली-या हुसैन की सदाएं गूंजती रही।

उक्त मातमी पर्व पर नगर समेत प्रखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में मुहर्रम के दसवें दिन ताजिया जुलुस निकले गए। यौमे आशूरा पर शहर के विभिन्न इलाकों से निकाले गए ताजियों के जुलूस में या अली- या हुसैन की सदाएं गूंजतीं रहीं। शहर में निकाले गए जुलूस में विभिन्न ताजियेदारो द्वारा विभिन्न अखाड़ों पर युवाओं द्वारा बन्ना- बनेठी इत्यादि खेलों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मातम के साथ नोहे पढ़े गए। वही, देर रात जुलूस के साथ कर्बला पहुंचे। जहां ताजियों को सुपुर्देआब कर दिया गया। ताजिया जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रही। जगह-जगह पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी तैनात किए गए थे। ताकि किसी प्रकार की कोई अनहोनी न हो। इस मौके पर मुस्लिम अनुवायियों ने मुहर्रम के नौंवी व दसवी को रोजा रखा। यह पर्व प्रत्येक वर्ष पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है। मुसलमानों के हिजरी वर्ष का यह पहला महीना है जिसे शहादत का महीना भी कहा जाता है। मुहर्रम के नौवें और दसवें दिन को मुसलमान रोजा रखते हैं ।

बता दें कि कर्बला की जंग इंसानियत की रक्षा के लिए लड़ी गई थी। एक तरफ बुराई का साथ देने वाला यजीद पूरे लाव-लश्कर के साथ कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन को घेरे हुए था। परिवार के सदस्यों व 72 साथियों के साथ इमाम हुसैन इंसानियत की रक्षा के लिए लड़ रहे थे। दसवें दिन असुरा में पूरे साथियों के साथ शहीद कर दिए गए। इसी की याद में मुहर्रम का पर्व मनाया जाता रहा है। दसवीं पर नगर के विभिन्न ताजियेदार कमिटी द्वारा ताजिये व सिपर के साथ ताजिया जुलूस निकाला गया, जहा सरिमपुर से लगायत नई बाजार, सोहनीपट्टी, थाना रोड, मुसफिरगंज आदि जगहों से अखाड़े निकाले गए। जहा यमुना चौक पर ताजियों का मिलन किया गया। वही युवाओं द्वारा लाठी-डंडे, बन्ना-बनेठी, तलवारबाजी का करतब दिखाया गया। वहा देर रात तक अखाड़े जमे रहे। वही ताजियों को कर्बला ले जाया गया। जहा सुपुर्देआब कर दिया गया। इस दौरान प्रशासनिक व्यवस्था दुरूस्त रही। जगह जगह दंडधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किए गए थे।

या अली-या हुसैन की गूंजती रही सदाएं...



डुमरांव स्टेशन रोड में ताजिया जुलूस के दौरान करतब दिखाते मुस्लिम समाज के लोग।

@नावानगर: सौहार्द के साथ मनाया गया मुहर्रम का पर्व, आपसी प्रेम का दिया संदेश

नावानगर। बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के सभी इलाकों में आपसी सौहार्द के साथ मुहर्रम का पर्व मनाया गया। इस दौरान सोनवर्षा, चनवथ, रामनगर, नावानगर के अलावा कई ग्रामीण इलाके में विशाल ताजिया जुलूस निकाले गए। इस दौरान जुलूस में दोनों समुदाय के लोग बढ़ चढ हिस्सा लेकर यादगार बनाने में जुटे थे। साथ ही तजिया जूलूस में लोगों द्वारा धार्मिक झंडों के साथ तिरंगा भी फहराते दिखे। इस मौके पर मजहबी नारो के साथ हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे भी लगे। तजिया जूलूस में शामिल हिन्दू समुदाय के लोगों ने शामिल होकर आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। साथ ही दोनों समुदाय के लोगों ने देश में अमन



चौन की दुआ मांगी। इधर प्रखंड क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों के अनुसार सभी जगहों पर शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। जो देर शाम संपन्न हो गया है।

@केसठ: नम आंखों से मनाया गया त्याग व बलिदान का पर्व मोहर्रम

केसठ। त्याग और बलिदान के पर्व मोहर्रम को लेकर केसठ के विभिन्न समितियों द्वारा बुधवार को मातमी जुलूस निकाला गया।स्थानीय नया बाजार ताजिया चौक से होते हुए जुलूस पुराना बाजार ताजिया चौक पहुंचा। जुलूस के दौरान या अली या हुसैन के नारों इलाका गूंज उठा। मुहर्रम जुलूस में इस्लाम धर्मावलंबियों के साथ साथ विभिन्न धर्म के लोग भी शामिल हुए। गड़ासा, लाठी सहित कई करतब दिखाए। कहा जाता है कि हजरत इमाम हुसैन अपने परिवार के साथ कर्बला के मैदान में शहीद हो गए थे। लेकिन बातील के आगे अपने सिर नहीं झुकाया। इस्लाम को मानने वाले लोग हजरत हुसैन के याद में जुलूस के साथ मैदान-ए-जंग का दृश्य बड़े ही आकर्षक और अनोखे अंदाज में पेश किया। सभी अखाड़ा कमेटियों का मिलन नया बाजार ताजिया चौक पर हुआ।जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक इंतजाम किए गए थे। नावानगर पुलिस और मजिस्ट्रेट वकील कुमार सहित अन्य पदाधिकारी शांति व्यवस्था बनाने में लगे थे। विधि व्यवस्था को लेकर नावानगर थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार ने केसठ,किरनी सहित सभी जगहों का जायजा लिया। बता दें की केसठ में दो इमामबाड़ा है। एक नया बाजार एवं एक पुराना बाजार में पुराना बाजार ताजिया का नेतृत्व रियाजुदिन्न खान द्वारा तथा नया बाजार के ताजिया का नेतृत्व जिलानी खा द्वारा किया गया। इस पर्व में हिंदू-मुसलमान दोनों समुदाय के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।वही इस दौरान कमिटी के द्वारा हर चौक चौराहों पर पानी और शरबत की व्यवस्था की गई थी।

सोशल मीडिया पर पुलिस की रही पैनी नजर

केसठ। शांति पूर्ण और सौहार्द पूर्ण वातावरण में त्याग और बलिदान के महा पर्व मोहर्रम को ले नावानगर पुलिस क्षेत्र में भ्रमण करते नजर आई। इस दौरान थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार के द्वारा सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि बक्सर एसपी मनीष कुमार के निर्देशन में सभी प्रखंडों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखने के लिए टीम का गठन किया गया है। जो विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप्स, फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नजर बनाए हुए हैं। जिसमें पुलिस टीम के सदस्य असामाजिक तत्वों पर और उपरद्रवी पोस्ट नजर बनाए हुए है। ताकि, किसी भी प्रकार की अफवाह व भड़काऊ पोस्ट पर कार्रवाई की जा सके। वहीं नियुक्त मजिस्ट्रेट वकील कुमार ने बताया कि शांति पूर्ण तरीके ये पर्व मनाने को ले हर संभव प्रयास की गई है।

मुहर्रम के अवसर पर ताजिया जुलूस एक नजर...



डुमरांव के गोला रोड पर ताजिया जुलूस के साथ मुस्तैद पुलिस अधिकारी व जवान।



डुमरांव के शहीद गेट के समीप ताजिया जुलूस के दौरान मौजूद कमिटी के सदस्य व पुलिस जवान।



केसठ में जुलूस के दौरान करतब दिखाते लोग।



केसठ में जुलूस के दौरान करतब दिखाते लोग।

भोजपुर डीएम व एसनपी ने जुलूस का किया निरीक्षण





केटी न्यूज/आरा

- डीएम व एसपी ने कमिटी के सदस्यों से की वार्ता, ड्यूटी पर तैनात जवानों को दिया निर्देश

जिले के सभी प्रखंडों में बुधवार को मुहर्रम पर्व के अवसर पर ताजिया जुलूस निकाली गई। जिसको लेकर सुबह से ही प्रशासनिक और पुलिस महकमा मुस्तैद रहा। इस क्रम में मुहर्रम को लेकर विधि व्यवस्था की पुख्ता तैयारी का जायजा लेने के लिए जिला पदाधिकारी राजकुमार व पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने अपने दल बल के साथ जिले के विभिन्न इलाकों में भ्रमण किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अन्य वरीय पदाधिकारी एवं पुलिस जवानों ने पीरो प्रखंड के प्रमुख स्थलों का व्यापक निरीक्षण किया। जिसमें जिला पदाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कमिटी के सदस्यों को शांतिपूर्ण व सौहार्द पुर्वक पर्व मनाने की अपील की। साथ ही, उन्होंने कमिटी के सदस्यों को आश्वस्त किया कि पर्व व जुलूस को लेकर इलाके में पर्याप्त मात्रा में मजिस्ट्रेट व पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। ताकि, जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार का व्यावधान न उत्पन्न हो सके।

साथ ही, पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से पर्व संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने जुलूस के दौरान संदिग्ध हरकत करने वाले उपद्रवियों पर नजर रखने को कहा। साथ ही, जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके व निर्धारित अवधि में संपन्न कराने के लिए तय रुट चार्ट के अनुसार जुलूस निकलवाने का निर्देश दिया। जिससे उक्त चौक-चौराहों पर जुलूस के दौरान पुलिस की नजर बनी रहे। साथ ही, इस दौरान एसपी ने बताया कि जिले में साइबर टीम के द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी नजर रखी गई है।

शांतिपूर्ण माहौल में मना त्याग का पर्व मुहर्रम

बिक्रमगंज। बुधवार को अनुमंडल अंतर्गत सभी प्रखंडों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में त्याग एवं बलिदान का पर्व मोहर्रम शांतिपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो गया। इस अवसर पर जगह- जगह ताजिए के साथ जुलूस निकाली गई। वहीं जुलूस निकाल कर लाठी, डंडा, तलवार आदि शस्त्रों का प्रदर्शन किया गया। जुलूस के दौरान हैरत -अंगेज करतब भी देखने को मिले। अनुमंडल भर में कई स्थानों से जुलूस निकली। कलात्मक ताजिए जुलूस के आकर्षण के केंद्र बने रहे। मोहर्रम के अवसर पर निकली जुलूस लंबे समय के बाद गांवों से मिट रहे परंपरागत लाठी-डंडे के खेल का मंजर दिखा। लोगों ने लाठी डंडा के एक से बढ़कर एक खेल का प्रदर्शन किया। वहीं तलवार भांज कर तलवारबाजी का खूबसूरत दृश्य पेश किया।



प्रखंड में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ पर्व मुहर्रम, प्रशासन मुस्तैद

काराकाट प्रखंड में देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आए ताजिया के जुलूस





केटी न्यूज/काराकाट

जिले के काराकाट प्रखंड क्षेत्र में त्याग व बलिदान का पर्व मुहर्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। हजरत इमाम हुसैन के शहादत मुस्लिम भाइयों ने इनकी याद में मुहर्रम का पर्व धूमधाम से मनाया। पर्व पर ताजिए का जुलूस निकाला गया। कई गांवों में चौकी जुलूस निकाली गई। जुलूस के दौरान या हुसैन या हुसैन या अली या अली के नारे लगाये गये। जुलूस में लाठी, तलवार ,भाला, फरसा का प्रदर्शन किया गया। जुलूस में हैरतअंगेज करतब दिखाये गये। ताजिया को काफी कलात्मक ढंग से बनाया गया था जो आकर्षण का केंद्र बना रहा।

वहीं, कई मुस्लिम धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों की झलक दिखी। ताजिया जुलूस यूं तो हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकाला गया था, लेकिन इस दौरान तमाम जुलूस देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आये। क्षेत्र के सुकहराडिहरी में ताजिया जुलूस में मुहर्रम कमिटी अध्यक्ष सहीमन अंसारी, दुगार्पूजा कमिटी अध्यक्ष अवधेश सिंह के नेतृत्व में ताजिया का जलूस निकाला गया। सुकहराडिहरी बाजार पर पहलाम किया गया। वहीं क्षेत्र के सकला, मोथा, बाराडीह, जयश्री, बेलवाई सिकरियां, चांदीपट्टी सहित कई गांवों में ताजिया का जुलुस पुलिस की मौजूदगी में निकाला गया। पहलाम के पूर्व लाठी, बनैठी, तलवारबाजी, सैफ कई हैरतअंगेज करतब पेश किया गया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा का पुख्ता बंदोबस्त था। मौके पर नसरत अंसारी, कासिम अंसारी, बाराडीह पंचायत मुखिया अफरोज आलम, डिहरी पंचायत मुखिया कृष्ण कुमार सिंह, बीडीसी साजिद अंसारी, मोहिब्बुल हक, सूर्यवंश सिंह, गिरजा पासवान, मनीष सागर, रंजीत कुमार भगत व काराकाट, नासरीगंज थाना की पुलिस मौजूद रही।

गूंजा या हुसैन, जंजीरी मातम के बीच ताजिये ठंडे, हिंदू भाइयों ने भी बढ़चढ़ कर लिया भाग

- शहर से लेकर गांव तक पुलिस की रही चाब चौबंद प्रबंध
- जगह—जगह की गई बैरिकेडिंग

केटी न्यूज / बलिया

इमाम हुसैन तथा उनके कुनबे की शहादत की याद में करबला के मैदान में मनाया जाने वाला मोहर्रम पर्व मुस्लिम भाइयों ने नम आंखों से मनाया। नगर समेत ग्राम्यांचलों में मुस्लिम बंधुओं ने शाम छह बजे तक ताजिए को करबला में दफन कर दिया। इस दौरान हजारों की तादात में उनके साथ-साथ हिंदू भाइयों ने भी गम की शाम में भाग लिया। नगर के बिशुनीपुर में शिया मुसलमानों ने जंजीरी मातम मनाया।

मोहर्रम पर्व पर शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों ने एक साथ करबला के शहीदों की याद में मातम मनाया और एक साथ करबला में दफन किया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न मुहल्लों से ताजिया जुलूस निकाला गया। इस दौरान नम आंखों से मुस्लिमों ने सत्य, न्याय व ईमानदारी के उपासक हुसैन की कुबार्नी की बालाएं लीं। परमंदापुर, उमरगंज, बहेरी, जंगेअली मुहल्ला, काजीपुरा, मिश्रनेउरी, विशुनीपुर के मुस्लिम बंधुओं ने हुसैन की याद में आंसू बहाए। उधर नगर से सटे मिड्ढा गांव में दसवीं के दिन बाजार में तीनों ताजिए एक जगह एकत्र होकर करबला के लिए रवाना हुए। जहां गाजे-बाजे के साथ जुलूस आमडारी स्थित करबला पहुंचा। करबला में मिड्ढा, आमडारी व मलकपुरा के ताजिए का मिलान होता है। उसके बाद सभी ताजिए दफना दिए जाते हैं। इस मौके पर युवकों द्वारा करतब दिखाया जाता है। पंदह संवाददाता के अनुसार क्षेत्र के मासूमपुर, ससना अहलू, ढोड़ाडीह, जनुआन, उसरैला आदि गांवों में जुलूस के भ्रमण के बाद ताजिये दफन किए गए। जुलूस में नौहाख्वानी के अलावा या हुसैन, या हुसैन की आवाज बुलंद की गई। इस दौरान हजारों की संख्या में मुस्लिम करबला की ओर कूच किए। इस दौरान पुलिस व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही। बिल्थरारोड संवाददाता के अनुसार मातमी पर्व मोहर्रम इलाके में परंपरागत ढंग से मनाया गया। नगर क्षेत्र के कुंडैल



नियामत अली, बहोरवां खुर्द, साह कुंडैल, बिठुआं, अवायां, चौकिया सहित तमाम जगह ताजिए निकाले गए। करबला में देर शाम तक दफन का सिलसिला जारी रहा। भरौली संवाददाता के अनुसार क्षेत्र के भरौली, अमांव, उजियार, कोटवा नारायणपुर में इमामबाड़े से ताजिया उठाकर विभिन्न मार्गों से होते हुए जुलूस निकाला गया और करतब दिखाया गया। इसके बाद ताजिए को करबला में दफन किया गया। बैरिया संवाददाता के अनुसार बाजार स्थित त्रिमुहानी पर बैरिया, सोनबरसा, चांदपुर, मिश्र के मठिया आदि गांवों में मुस्लिम बंधुओं ने ताजिया जुलूस निकालकर करबला में दफन किया। सिकंदरपुर संवाददाता के अनुसार तहसील क्षेत्र के दर्जनों गांवों में मुस्लिम बंधुओं ने गमे मोहर्रम का जुलूस निकाला। इस दौरान या हुसैन, या हुसैन की ऊंची आवाज लगाई। इसके साथ ही नम आंखों से हुसैन की शहादत को याद किया। दसवीं के दिन मुस्लिम बंधुओं ने करबला में ताजिया दफन किया।

जुबां पर इमाम हुसैन की सदाओं के साथ दफन किए गए ताजिए

गाजीपुर। मुहर्रम की दसवीं तारीख बुधवार को नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मुहम्मदाबाद में 38 स्थानों से निकलने वाली 67 ताजिए, भांवरकोल थाना क्षेत्र में 25 स्थानों से 35 व करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र में 20 स्थानों से 54 ताजिए देर रात तक अपने – अपने कर्बलाओं में मातम एवं नौहाखानी के बाद दफनाया गया। नगर के जफरपुरा मुहल्ले में दोपहर में ताजीया निकालकर विभिन्न अंजूमनो के युवको ने सिक्कड़ का मातम किया। सदर रोड़ पर सुबह में निकाली गयी। सलेमपुरा, मलिकपुरा, दाउदपुर की ताजिये की जूलुस हाटा रोड़, मशीनरी रोड़ होते हुए बिड्डल चौराहे पर आकर सिक्कड़ का मातम किया । अदिलाबाद , नवापुरा, यूसुफपुर की ताजिया पावर हाउस रोड़ से होते हुए गुढ मंडी तिराहे पर मिलनी के समय ऐतिहासिक लठ लड़ाई हुई। यूसुफपुर फाटक पर विभिन्न अंजूमनो के युवाओ ने जमकर सिक्कड़ का मातम एवं नवापुरा में भी नौहाखानी पढ़कर सिक्कड़ का मातम किया गया जिसे देखने के लिए भारी संख्या में लोग मौजूद थे। मुहम्मदाबाद की कोट, भट्ठी मुहल्ले की ताजिया नौहाखानी पढ़ते हुए शाहनिंदा के पास स्थित कर्बला में मिर्दहा, जफरपुरा आदि मुहल्ले की ताजिया डाक बंगले के पास स्थित कर्बले में देर रात्रि दफन की गयी। जबकि अदिलाबाद, सुरहिया, नवापुरा, यूसुफपुर, सलेमपुर, दाउदपुर आदि गांव की ताजिया नौहाखानी पढ़ते हुए यूसुफपुर स्थित कर्बले में दफन की गयी। फाटक के पास विभिन्न अंजूमनो द्वारा विभिन्न खेलो का प्रदर्शन किया गया। इसी तरह मुहम्मदाबाद क्षेत्र में दौलताबाद में चार, गौसपुर एक, परसा दो, अदिलाबाद चार, फाकराबाद तीन ,पहाडीपुर तीन, चालाकपुर तीन, टोडापुर तीन, गनीचक तीन, बालापुर दो, महरूपुर दो, मुर्की कला दो, मुर्की खुर्द दो, मुर्की आगाद दो, नवापुरा चार, दाउदपुर दो, मलिकपुरा दो, मुहम्मदाबाद नगर 11 व यूसुफपुर आठ ताजिए दफनाई गई।

खबरें फटाफट

अलग-अलग जगहों पर दो बाइक छिनैती का आरोप

गाजीपुर। शादियाबाद थाने के जखनियां- टढ़वा मार्ग के पुलिया के पास बीती रात साढ़े आठ बजे सोभनाथ राम ने बाइक छिनैती के मामले में शादियाबाद थाने में तहरीर दी। इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष श्याम जी ने बताया कि मामला छिनैती का नहीं मारपीट का है। जिसमें जांच कर कार्रवाई की जा रही है। दूसरी घटना 12 जुलाई की रात सादात थाना क्षेत्र के कुंदुसीपुर गांव निवासी राजीव राजभर दो बाइकों पर 6 लोग शादियाबाद थाना क्षेत्र के ईसपुर गाँव में बारात से वापस लौटते वक्त गुरैनीपुर गाँव के पास दो बाइको पर चार लोग पीछे से लाठी डंडे से चलती बाइक में ही वार कर दिया। जिसमें राजीव राजभर के बाइक पर प्रदुम मनीष झाड़ी में गिर गए तथा दूसरी बाइक पर अर्जुन, सूरज,सागर पर गाली गुप्ता देते हुए वार कर दिए। जिसे डर के मारे 6 लोगों ने पैदल भाग खड़ा हुए। फिर बदमाशों के जाने पर घटना स्थल पहुंचे तो राजीव का बाइक लेकर चले गए थे। जिसकी शादियाबाद थाने में अज्ञात में तहरीर दी है। इस सुंदर में थाना अध्यक्ष श्याम जी ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है साथ ही जांच पड़ताल की जा रही है।

विषाक्त पदार्थ खाने से किशोरी की मौत

रसड़ा। कस्बा के दक्षिणी चौकी अंतर्गत बड़की बउली मुहल्ले में मंगलवार की देर रात में विषाक्त पदार्थ खाकर किशोरी ने अपनी ईह्लीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। घटना के पीछे पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। रसड़ा कोतवाली के दक्षिणी चौकी अंतर्गत बड़की बउली मुहल्ला निवासी श्रीप्रसाद के परिवार के सदस्य मंगलवार की रात भोजन करने के बाद सोने चले गए। इसी बीच सोनम 16 वर्ष विषाक्त पदार्थ खा लिया। जिसकी जानकारी होने पर परिजन उसे तत्काल रसड़ा सीएचसी ले गए, जहां हालत बिगड़ते देख चिकित्सकों ने उसे बलिया रेफर कर दिया। जहां बलिया अस्पताल में उपचार के दुरान उसकी मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुहर्रम : संवेदनशील व अतिसंवेदनशील क्षेत्रों रहेगी पैनी नजर

बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, चौपाल के माध्यम से लोगों को करेंगे जागरूक

- जनपद में स्थापित बाढ़ चौकियों रहेगी 24 घंटे क्रियाशील

केटी न्यूज/ गाजीपुर

जनपद में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बचाव व राहत कार्यो के प्रबंधन में जिला प्रशासन अभी से जुट गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार तथो जनपदस्तरीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक रायफल क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें जिलाधिकारी ने जनपद में बाढ़ प्रभावित ग्रामों की जानकारी लेते हुए बचाव एवं राहत कार्यो के प्रबंधन की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने जनपद आपदा नियंत्रण कक्ष को 24 x 7 घंटे संचालन का निर्देश दिया। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न एवं अन्य राहत सामग्री के लिए प्री-टेंडरिंग की जानकारी ली। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में नालों आदि की सफाई तथा जलभराव आदि



की दशा में जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक` निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने तटबंधों/बंधों के कटान एवं दरार आदि को रोकने नहर नालों से खरपतवार, मलबों को हटाए जाने संबंधित कार्य, मार्ग में आई दरारों, गड्ढो का भराव, डेनेज , सीवरेज से मलबे की निकासी, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वा0 केंद्रों में पर्याप्त वांछित दवाईयों की उपलब्धता, सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने के कारण वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था, पशुओं के लिए चारे-पानी की व्यवस्था। जनपद में स्थापित बाढ़ चौकियों की 24 घंटे क्रियाशीलता, राहत एवं बचाव कार्यो के लिए नावों की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल टीम का गठन करते हुए क्षेत्रों मे भ्रमणशील रहेंगे। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि बाढ़ चौकियों पर पशु चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित करेंगे। बैठक में बताया गया कि जनपद के सात तहसीलों तथा सैदपुर, जमानिया, सेवराई, मुहम्मदाबाद, कासिमाबाद, जखनियां एवं सदर में अतिसंवेदनशील, संवेदनशील एवं सामान्य ग्राम की जिसमे बाढ़ से स्थिति प्रभावित हो सकती है कि जानकारी लेते हुए अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील ग्रामों में राहत चौपाल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए। जनपद में कुल 160 बाढ़ चौकियां बनाई गई हैं। बाढ के दौरान आपदा से निपटने के लिए 145 मझोली एवं 86 बड़ी नावों, 110 इंजन वाली नाव, 27 गोताखोर, 357 नाविकों को लगाया गया है। इसके अतिरिक्त 35 बाढ़ राहत केंद्र, 44 शरणालयों की स्थापना की गई है तथा बचाव राहत कार्य के लिए 517 आपदा मित्रों को तैनात किया गया है। बैठक मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, अपर जिलाधिकारी वि/रा दिनेश कुमार, अपर जिलाधिकारी भू/रा अम्रेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

एक नजर

पुलिस की फर्जी कार्रवाई को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश

गाजीपुर। जनपद पुलिस द्वारा छोटे से लेकर बड़े मामलों में बिना जांच किए फर्जी मुकदमा दर्ज करने पर अधिवक्ताओं ने क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन सौंपा। साथ ही अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की धमकी दी। मुहम्मदाबाद तहसील अंतर्गत सेंट्रल बार एसोसिएशन मुहम्मदाबाद के सदस्यों ने एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रेम शंकर राय के हेड मोहरिर के बेटे को फर्जी मुकदमें में फंसाए जाने पर सदस्यों ने गहरा आक्रोश प्रकट करते हुए पूरे दिन न्यायिक कार्य ठप कर हड़ताल पर चले गए। घटना से आक्रोशित सेंट्रल बार का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सीओ अतर सिंह से मिलकर फर्जी तरीके से मुकदमें में दर्ज नाम हटाए जाने की मांग की। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मांग पर क्षेत्राधिकारी अतर सिंह ने कोतवाल मुहम्मदाबाद को निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि मुहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस ने बगैर जांच पड़ताल के ही मारपीट के झूठे मुकदमे में जीवनदासपुर गांव निवासी हेड मोहरिर के बेटे प्रमोद यादव के नाम एफआईआर दर्ज कर दिया गया। प्रमोद यादव एक प्राइवेट बैंक में कर्मचारी है तथा जिस दिन मारपीट की घटना हुई है उस दिन वह बैंक में ही काम कर रहा था। पुलिस के इस लापरवाही पूर्वक कार्य को लेकर अधिवक्ताओं ने पुलिसिया कार्य प्रणाली पर प्रश्न भी उठाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस बगैर जांच- पड़ताल किए किसी भी शरीफ आदमी के ऊपर कैसे एफआईआर दर्ज कर देती है। वही अधिवक्ताओं का कहना था कि अगर एफआईआर में गलत तरीके से दर्ज नाम को विवेचना करके तत्काल नहीं निकाला जाता तो अधिवक्ताओं का यह एक दिनी हड़ताल अनिश्चितकालीन हड़ताल के रूप में बदल जाएगी पुलिस के कार्यपाली पर अधिवक्ताओं ने प्रश्न चिन्ह उठाते हुए अपने समस्त न्यायिक कार्यों को बंद कर दिया जिससे क्षेत्र से आए हुए तमाम वादकारियों को अपने मुकदमे की पर भी किए बगैर घर वापस जाना पड़ा । प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से पर के संयोजक दयाशंकर दुबे संगठन के पूर्व अध्यक्ष प्रेम शंकर राय आलोक राय अरुण कुमार श्रीवास्तव धनंजय राय मुन्ना यादव सीताराम राजभर गोविंद नारायण सिंह और बिहारी यादव प्रभास पांडे मनीष कुमार राय सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

अवलेश सिंह बने सपा के राष्ट्रीय सचिव

बलिया। फेफना विधानसभा क्षेत्र के गंगहरा गांव निवासी अवलेश सिंह को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा बुधवार को राष्ट्रीय सचिव नामित किया गया है। इसकी जानकारी होने पर परिवार के लोगों ?सहित गांव तथा सपा के तमाम कार्यकताओं में हर्ष है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अवलेश सिंह पहले



भाजपा में थे, विचारों का मेल नहीं खाया तो फिर जदयू में चले गए, यहां भी प्रदेश स्तर पर विभिन्न पदों पर रहने के बाद अभी कुछ महीना पहले सपा में शामिल हुए थे। तभी से कयास लगाया जा रहा था कि अवलेश सिंह सपा में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आखिरकार अखिलेश यादव ने अवलेश सिंह को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल करने के साथ राष्ट्रीय सचिव जैसे अहम पद की जिम्मेदारी सौंपी।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति के बाद जिला कार्य समिति की होगी बैठक, तैयारी शुरू

गाजीपुर। भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक के बाद जिला कार्य समिति के बैठक की तैयारी को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय छावनी



लाइन पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने जिला पदाधिकारियों तथा मंडल अध्यक्षों के साथ अलग -अलग बैठक किया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की सफलता पिछले कार्यक्रमों की गुणवत्ता पूर्ण समीक्षा तथा कार्यकताओं के सुझाव, समस्याओं पर चर्चा के लिए जिला कार्यसमिति बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक -एक व्यक्ति के जीवन में बदलाव हो रहा है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से आह्वान किया की संगठन के आगामी कार्यक्रमों सफलता से सम्पादित हो यह हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। बैठक में जिला महामंत्री ओम प्रकाश राय, प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय, अवधेश राजभर, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, श्यामराज तिवारी, अखिलेश सिंह, लालसा राजभर, विपिन सिंह, सुरेश बिंद, विष्णु प्रताप सिंह सहित सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे।

सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन के लिए खुली बैठक का आयोजन

गाजीपुर। मरदह विकास खंड के गोविंदपुर कीरत ग्राम पंचायत के नागा बाबा मंदिर परिसर में तय कार्यक्रम के अनुसार निलंबित चल रही सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन के लिए खुली बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के चार लोगों ने आवेदन किया। कागजातों के जांच के उपरांत एक आवेदक की प्रक्रिया में कुछ शासनादेश के अनुसार समस्या उत्पन्न हो गई।जिस कारण उच्चाधिकारियों के आदेश पर आवेदन पत्र तो स्वीकार कर लिया गया, लेकिन चयन प्रक्रिया लंबित हो गई। खुली बैठक में सभी लोगों के रजामंदी से बैठक को निरस्त करते हुए कार्रवाई रजिस्टर में दर्ज करते हुए अगली बैठक एक सप्ताह बाद करना तय हुआ।

मोहांव गांवः जलापूर्ति का पाइप फटने से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी होता है बर्बाद

केटी न्यूज / गाजीपुर

जल निगम विभाग की उदासीनता के कारण महाराजगंज मोहांव गांव की गली में कई स्थानों पर पाइप फटने से रोजाना हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। इसके साथ ही जल जमाव का कारण भी बन रहा है इससे लोगों को आने जाने में दुश्वारियां झेलनी पड़ रही है। अगर समय रहते पाइप को दुरुस्त नहीं किया गया तो जलापूर्ति व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी।

नंदगंज क्षेत्र के लोगों ने आरोप लगाया है कि इसकी शिकायत जल निगम के अधिकारियों से कई बार की, लेकिन जल ही जीवन है का नारा देने वाला विभाग मौन धारण किए हुए हैं। जल क्षरण को रोकने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। महाराजगंज मार्केट के आस-पास करीब एक माह से जल निगम की पाइप फटने से लोग परेशान हैं। पाइप लाइन फटने के कारण यहां पर रोजाना हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। लोगों ने इसकी शिकायत जल निगम से की, लेकिन जल ही जीवन है का नारा देने वाला विभाग कार्रवाई के बजाय मौन साधे हुआ है। जिस जगह पाइप लाइन फटी है उस रास्ते पर चार विद्यालय के साथ दर्जनों गांवों के लोग आते



-जाते रहते है। इससे लोगों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पानी लगने से सड़क में टूटकर गढ्ढे बन गए है। जिस गढ्ढे में बाइक सवार साइकिल सवार व स्कूली बच्चे गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं। गंदा पानी के छीटें से बच्चों का स्कूली ड्रेस खराब हो जा रहा है। पाइप टूटने के बाद रोजाना आवागमन भी बाधित हो रहा है। 50 मीटर तक सड़क कीचड़ में तब्दील हो गई है। इस वजह से लोगों को आवागमन करना बड़ी मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान किया जाए, नहीं तो लोग रोड पर उतरने के लिए बाध्य होंगे।

ट्रैक पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से भाई की मौत, बहन गंभीर

केटी न्यूज / बलिया

बुधवार को रेलवे स्टेशन एवं ओवरब्रिज के बीच ट्रैक पार करते वक्त भाई-बहन ट्रेन की चपेट में आ गए। जिसमें भाई की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बहन बाल-बाल बच गई। वह घायल हो गई है। जीआरपी ने बहन को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। वही उसके भाई के शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया। मृतक की पहचान बादल राजभर 20 वर्ष पुत्र भोला प्रसाद निवासी चोरकैंड थाना बांसडीह कोतवाली के रूप में घायल बहन नीतू राजभर 18 वर्ष के द्वारा की गई। मिली जानकारी के अनुसार बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के किसी चोरकैण्ड निवासी बदल राजभर अपनी छोटी बहन नीतू राजभर के साथ फरीदाबाद जाने के लिए ट्रेन पकड़ने रेलवे स्टेशन पर आ रहा था। जैसे ही ओवरब्रिज एवं रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन पकड़ने के लिए ट्रैक पार करने लगा कि इसी बीच कोई एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। जिसकी चपेट में आने से बादल राजभर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि नीतू कुमारी सिर में चोट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद त्वरित पहुंची जीआरपी ने नीतू को तत्काल जिला अस्पताल पहुँचाया, जहां से उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम हाउस है रखवा दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों भाई-बहन गांव पर शादी समारोह में आए हुए थे। उधर जीआरपी द्वारा मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे।

गाजीपुर जनपद के 80 कृषकों को एक्सपोजर विजिट के लिए दिया गया प्रशिक्षण

छह प्रखंडों के 3249 कृषकों के सहयोग से की जा रही जैविक खेती

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के 80 कृषकों को एक्सपोजर विजिट के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, आकुंशपुर में प्रशिक्षण एवं जैविक खेती की नवीनतम तकनीकी की जानकारी के लिए मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैष्य ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि जनपद के छह विकास खंडों में 2000 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर 3249 कृषकों के सहयोग से जैविक खेती की जा रही है। अपितु चयनित कृषकों को यूपीडास्प द्वारा नामित सहयोगी संस्था द्वारा समय -समय पर समूहों में जाकर प्रशिक्षित किया जाता है। लेकिन कृषि विज्ञान केंद्र पर जाकर वहां के वैज्ञानिकों से कृषि संबंधित नवीनतम जानकारी का आदान-प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर यूपीडास्प के जिला परियोजना सामन्वयक डॉ. वीरेंद्र कुमार राव ने बताया कि जनपद में नमामि गंगे योजना अंतर्गत छह विकास खंडों में 100 क्लस्टर बनाकर 3249 कृषकों के





सहयोग से जैविक खेती की जा रही है। जिसमें रबी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम को पूर्ण कर लिया गया है। इसके लिए यूपीडास्प द्वारा नामित प्रमाणीकरण संस्था द्वारा पीजीएस ग्रीन प्रमाण पत्र भी निर्गत कर दिया गया है। वर्तमान में खरीफ प्रथम वर्ष के फसलों की बुआई की जा रही है, इसी क्रम में चयनित कृषकों को समय-समय पर कृषि के नवीनतम तकनीकी ज्ञान से अवगत कराने के लिए एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कृषि विज्ञान केंद्र पर आयोजित तकनीकी प्रशिक्षण में केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रमेशचंद्र वर्मा ने बताया कि गंगा नदी के जल को प्रदूषण मुक्त करने के साथ-साथ पर्यावरण को स्वच्छ बनाने एवं सर्व समाज को रसायन मुक्त शुद्ध भोज्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए जैविक खेती ही मात्र एक विकल्प है। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉ. अविनाश कुमार राय डॉ. शशांक शेखर ने जैविक खेती के विभिन्न घटकों जैसे जैविक बीज प्रबंधन, नाशी जीव प्रबंधन, जैव उर्वरक, वर्मी कंपोस्ट,नाडेप एवं जैव उत्पादों के मूल्य वर्धन एवं विपणन पर आए हुए कृषकों को विस्तार से प्रशिक्षित किया गया तथा प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया। जैविक खेती कार्यक्रम के लिए यूपी डास्प द्वारा नामित सहयोगी संस्था ईश एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह ने बताया कि आज विकासखंड भदौरा एवं भांवरकोल के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी कड़ी में आगे विकासखंड करंडा एवं देवकली तथा सदर एवं रेवतीपुर के किसानों का भी प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अंत में प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह ने फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अधिकारियों, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृषकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ई-रिक्शा पलटने से पांच महिला समेत 8 लोग घायल

बैरिया। सवारी से भरा ई-रिक्शा तेज रफ्तार टेंपो से बचने के प्रयास में असंतुलित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर स्थित चिरैया मोड़ पर पलट गया। हादसे में पांच महिलाएं समेत आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वही टेंपो चालक टेंपो लेकर फरार होने में सफल रहा। जितेंद्र गोड़ निवासी कुंवर टोली बैरिया के घर 16 जुलाई को शादी थी। 17 जुलाई को बारात विदाई होने के बाद परिजन रिश्तेदारों के साथ गंगा पूजन (ककन छोड़ाने) के लिए पचरुखिया गंगा तट गए हुए थे। वहां से विधि संपन्न करने के बाद वापस बैरिया लौट रहे थे, तभी चिरैया मोड़ पर तेज रफ्तार टेंपो से बचने के चक्कर में ई-रिक्शा पलट गया।

सोनभद्र के खंता पिकनिक स्पॉट के मेकओवर की तैयारियां शुरू

- नए टूरिस्ट अट्रैक्शन के तौर पर किया जाएगा विकास
- सीएम योगी के विजन अनुसार म्योरपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खंता पिकनिक स्पॉट के वृहद कायाकल्प के लिए तैयार कार्ययोजना को किया जा रहा है क्रियान्वित

केटी न्यूज / लखनऊ/सोनभद्र



उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश में पर्यटन विकास पर विशेष तौर पर फोकस कर रही है। एक ओर, प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों में पर्यटन विकास की तमाम सुविधाओं को विकसित करने के कारण यहां फुटफॉट बढ़ा है, दूसरी ओर प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य युक्त टूरिस्ट डेस्टिनेशंस को भी विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में, सोनभद्र जिले के म्योरपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खंता पिकनिक स्पॉट भी शामिल है। कुछ महीने पहले ही इस क्षेत्र को पिकनिक स्पॉट के तौर पर डेवलप करने के लिए मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिग (एमओयू) साइन हुआ था। ऐसे में, इस क्षेत्र के विकास के लिए सीएम योगी के विजन अनुसार एक विस्तृत कार्य योजना को क्रियान्वित तैयार की गई थी जिस पर अब कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना के अनुरूप, खंता पिकनिक स्पॉट क्षेत्र को टूरिस्ट अट्रैक्शन के तौर पर विकसित करने के लिए तमाम प्रकार की सुविधाओं से क्षेत्र को युक्त किया जाएगा। इसमें मॉडर्न जिम और चिल्ड्रेन प्लेइंग एरिया जैसी सिविक एमिनिटीज भी शामिल हैं। यहां घूमने आने वाले पर्यटकों को जिम में फन वॉकर, शोल्डर प्रेस, चेस्ट प्रेस, पेंडुलम कम ट्विस्टर, फन साइकल, स्की ट्रेनर, स्टेप ट्रेनर तथा ताई-ची डबल जैसी इक्विप्मेंट्स को इंस्टॉल किया जाएगा जिससे पर्यटक फिजिकल ट्रेनिंग के साथ फन एक्टिविटीज में भी हिस्सा ले सकेंगे। वहीं, चिल्ड्रेन प्लेइंग एरिया में डबल सी-सॉ, प्लेग्राउंड स्लाइड, व्हीलचेयर स्विंग तथा आर्क रबर बेल्ट स्विंग समेत तमाम झूले भी लगाए जाएंगे। यहां पर एक सेल्फी प्वॉइंट का भी विकास किया जाएगा तथा बेंचों का इंस्टॉलेशन भी होगा जहां लोग बैठकर आसपास के अप्रतिम प्राकृतिक सौंदर्य को निहार सकेंगे।

3.65 करोड़ रुपए के व्यय से पूरे होंगे निर्माण व विकास कार्य

योगी सरकार द्वारा खंता पिकनिक स्पॉट क्षेत्र के विकास तथा मुख्य भवन समेत अन्य विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के निर्माण व विकास का जिम्मा उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉपोरेशन को सौंपा है। यूपी प्रोजेक्ट कॉपोरेशन लिमिटेड द्वारा इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए शॉर्ट टर्म टेंडर के जरिए आवेदन मांगे गए हैं। इस प्रक्रिया से निर्माण व विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी का निर्धारण होगा जो कार्यादेश के बाद वर्षा अवधि के अतिरिक्त 27 महीने में 3.65 करोड़ रुपए के व्यय से सभी कार्यों को पूर्ण करेगी। वह चिह्नित क्षेत्र में टूरिस्ट अट्रैक्शन सेंटर के तौर पर विकास के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करेगी। इस दौरान भवन निर्माण समेत कुल 283 प्रकार के कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

एक नजर

जिला कारागार और बंदियों को अन्यत्र स्थानांतरित करने का निर्णय अविवेकपूर्ण एवं अव्यवहारिक: मु रिजवी



बलिया। जिला कारागार और बंदियों को अन्यत्र स्थानांतरित करने का निर्णय अविवेकपूर्ण एवं अव्यवहारिक हैं। यह बाते सिकंदरपुर विधायक मु. जियाउदीन रिजवी ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही। मु. रिजवी ने कहा कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था किए जिला कारागार में निरुद्ध कैदियों को अन्य जनपद में भेजने से कैदियों के परिजनों को परेशानी होगी। मिलने एवं न्यायिक कार्यों हेतु परिजनों को जनपद से बाहर जाने पर उनका आर्थिक एवं शारीरिक ह्रास होगा। शासन में बैठे लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। विधायक ने रोष प्रगट करते हुए कहा कि बलिया की जेल के बागीपन का इतिहास जुड़ा हैं। जब आजादी के दीवानों ने 1942 के आंदोलन में कारागार का फाटक तोड़ कर अपने साथियों को बाहर निकाला था। शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय के नेतृत्व में अपने को आजाद घोषित कर दिया था। जिसकी याद में आज भी प्रत्येक वर्ष बलिया बलिदान दिवस (19 अगस्त) को प्रतीकात्मक रूप से जिला कारागार का गेट खोला जाता हैं। जिसमें जिले के समस्त आला अफसर भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ हिस्सा लेते हैं। स्वयं मुख्यमंत्री भी इस कार्यक्रम में विगत एक वर्ष पूर्व हिस्सा ले चुके है। ऐसे में जिला कारागार और कैदियों को अन्यत्र स्थानांतरित करने की बात बलिया के जनमानस के बगावती तेवर और अंग्रेजो के खिलाफ संघर्ष के प्रतीक को मिटाने के समान हैं। समाजवादी पार्टी जेल में निरुद्ध कैदियों को अन्यत्र भेजने के बजाय बलिया में ही रखने हेतु अपना आवाज सड़क से सदन तक उठाएगी।

शाश्वत राय को मिला डीयू के किरोड़ीमल कालेज में दाखिला, परिजनों में खुशी

जौनपुर। नगर के शास्त्री नगर (कालीकुत्ती) निवासी पत्रकार विद्याधर राय 'विद्यार्थी ' व नीतू राय के सुपुत्र शाश्वत राय का दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल कालेज में राजनीति विज्ञान में परास्नातक करने के लिए दाखिला मिलने पर परिजनों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है । शाश्वत ने प्रारम्भिक शिक्षा नगर के रुहट्टा स्थित होली चाइल्ड एकेडमी, हाईस्कूल व इण्टर सिद्दीकपुर स्थित मां दुर्गा जी विद्यालय से पूरी करने के पश्चात दिल्ली यूनिवर्सिटी के दयाल सिंह कालेज से ग्रेजुएशन किया ?। तत्पश्चात राजनीति विज्ञान में परास्नातक करने के लिए सीयूईटी की परीक्षा में शामिल हुए , प्राप्त अंकों के आधार पर डीयू के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल कालेज में प्रवेश पाने में सफल रहे। शाश्वत ने अपनी सफलता का श्रेय माता नीतूराय, पिता विद्याधर राय, दादा विजय बहादुर राय,छोटे दादा अमर बहादुर राय सहित गुरुजनों एवं मित्रों को दिया है ।

ऑनलाइन अटेंडेंस स्थगित होने पर खुशी

पीडीडीयू नगर। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ की एक बैठक ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल के आवास पर हुई ।जिसमें शासन द्वारा ऑनलाइन अटेंडेंस को दो महीने के लिए स्थगित किए जाने पर खुशी व्यक्ति की गई। इस दौरान राजकुमार जायसवाल ने कहा कि अभी बहुत ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है। शासन ने ऑनलाइन उपस्थिति को स्थगित किया है। अभी निरस्त नहीं किया है। यह स्थगन आदेश हम सभी शिक्षक साथियों की एकजुट होकर संघर्ष और प्रचंड विरोध का परिणाम है। सरकार ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। जो हमारे प्रतिनिधियों से मिलकर इस अव्यवाहारिक आदेश का परीक्षण करेगी । संतोषजनक निष्कर्ष नहीं प्राप्त हुआ तो हम सभी शिक्षक साथियों को लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहना होगा ।जब तक यह अब व्यावहारिक आदेश निरस्त नहीं हो जाता है ।इस आदेश का प्रचंड विरोध जारी रहेगा और हम अंतिम समय तक इस लड़ाई को लड़ने के लिए तैयार रहेंगे। वहीं इसी परिपेक्ष में संयुक्त मोर्चा की भी एक बैठक स्थानीय सुभाष पार्क में हुई।

खबरें फटाफट

ताजिये में करतब दिखा रहा किशोर गंडासा लगने से घायल

चंदौली। अलीनगर थानाक्षेत्र अंतर्गत क्षेत्राधिकारी पीडीडीयू नगर कार्यालय के सामने स्थित जामा मस्जिद के समीप मंगलवार की रात मोहर्रम के जुलूस में पुलिस फोर्स के सामने पेट पर हांडी रखकर उसपर गँड़ासा से वार कर हांडी फोड़ने के प्रदर्शन के दौरान बैलेंस बिगड़ने से पेट पर गंडासा लगने से अलीनगर निवासी 15 वर्षीय अरमान फारुखी पुत्र यासीन फारुखी की आंत कट गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में लोगों ने उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी पहुंचाया जहाँ उसका इलाज चल रहा है। विदित हो कि दो दिन पूर्व भी ताजिया के लिए मिट्टी लेने के दौरान दो पक्षों में हुई मारपीट के बाद एक पक्ष द्वारा चाकूबाजी कर दो लोगों को चोटिल कर दिया गया था। जबकि शासन प्रशासन की तरफ से यह निर्देशित किया गया था कि मुहर्रम के जुलूस में अस्त्र शस्त्र पूरी तरह प्रतिबंधित है। ऐसे में जुलूस में साथ साथ चल रही पुलिस फोर्स के बावजूद तलवार,गंडासा, फरसा, चाकू, खुखरी लेकर उसका प्रदर्शन कहीं नहीं पुलिसिया कर्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। जिसका परिणाम है रात्रि की घटना।

प्रयाग संगीत समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रिद्धि पाण्डेय ने लहराया परचम

मऊ। जनपद की चर्चित युवा गायिका रिद्धि पाण्डेय को अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता प्रयाग राज संगीत समिति द्वारा द्वितीय पुरस्कार से नावाजा गाया। 6 से 14 जुलाई तक चले इस संगीत प्रतियोगिता में मऊ जनपद की होनहार बिटिया ने भजन गायन में तमाम लोगों को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान प्राप्त करके मऊ जनपद का नाम रोशन किया है। इतना ही नहीं रिद्धि पाण्डेय को अब तक दर्जनों पुरस्कार प्राप्त हो चुका हैं। इस बार 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुकी रिद्धि पाण्डेय पढ़ाई में भी अव्वल हैं। रिद्धि पाण्डेय संस्कार भारती मऊ के जिलाध्यक्ष चन्द्रमणि पाण्डेय की सबसे बड़ी संतान हैं। चंद्रमणि पाण्डेय खुद एक अच्छे गायक रह चुके हैं। रिद्धि को गायन की बारीकिया अपने पिता से मिली हुई हैं।

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र को मिल रही मदद, पूर्वांचल की ही भूमिका होगी अग्रणी

बिहार ही नहीं बाजार में होगी यूपी की लीची की बहार, सरकारी दे रही प्रोत्साहन

- स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

केटी न्यूज/ लखनऊ

आने वाले कुछ वर्षों में बाजार में सिर्फ बिहार ही नहीं उत्तर प्रदेश के लीची की भी बहार होगी। बिहार के जिन जिलों (मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और चंपारन आदि) में लीची की खेती होती है उनकी कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) कमोबेश यूपी के पूर्वांचल के ही समान हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में पूर्वांचल की ही भूमिका अग्रणी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी गृह जनपद पूर्वांचल का गोरखपुर ही है। ऐसे में सरकार और इसकी कृषि संस्थाओं का भी लीची की खेती पर खास फोकस है। लीची के पौधों के रोपण में विशेष सावधानी रखें। जिस गड्ढे में लीची के पौधे का रोपण किया जाए उसमें लीची के पुराने पेड़ के नीचे की मिट्टी अवश्य डालें। इसमें माइक्रोराइजा पाया जाता है जो लीची के नए पौधों की बढ़वार के लिए अति आवश्यक है। इससे लीची के पौधों के मरने की आशंका कम रहती है।

लीची अनुसंधान केंद्र और टाटा ट्रस्ट भी दे रहा प्रोत्साहन

सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट एसोसिएशन नामक संस्था टाटा ट्रस्ट, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर और कृषि विज्ञान केंद्र कुशीनगर की मदद से यह काम पिछले कुछ वर्षों से कर रही है। संस्था के प्रमुख वीएम त्रिपाठी के अनुसार जरूरत के अनुसार वे संबंधित संस्थाओं से प्लांटिंग मैटेरियल, तकनीकी और अन्य सहयोग लेते हैं। अब तक उनकी संस्था की मदद से शाही और चाइना लीची के करीब 40 से 50 एकड़ बाग लगाए जा चुके हैं। किसान इनमें सीजन के अनुसार सहफसल भी लेते हैं। डॉ. एसपी सिंह के अनुसार लीची के नवरोपित बाग में लाइन से लाइन और पौध से पौध के बीच की खाली जगह में किसान सीजन के अनुसार सहफसल भी ले सकते हैं। मसलन शुरूआत के कुछ वर्षों में फूलगोभी, पत्तागोभी, मूली, गाजर, मेंथी, पालक, लतावर्गीय सब्जियां उगाई जा सकती हैं। जब पौधों की छांव अधिक होने लगे तो छायादार जगह में हल्दी, अदरक और सूरन की खेती भी कर सकते हैं। ऐसा करने से बागवानों की आय तो बढ़ेगी ही, सहफसल के लिए लगातार देखरेख से बाग का भी बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। कलांतर में इसका लाभ बेहतर फलत और फलों की गुणवत्ता के रूप में मिलेगा।



पूर्वांचल के लिए उपयुक्त प्रजातियां

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार गोरखपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसपी सिंह के अनुसार पूर्वांचल के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुसार किसानों को कुछ खास प्रजातियों के रोपण की सलाह दी जाती है।ये सात प्रजातियां हैं रोज सेंटेड, शाही, चाइना, अर्ली वेदाना, लेट बेदाना, गांडकी संपदा और गांडकी लालिमा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत चयनित इस केंद्र का प्रयास है कि किसानों को बेहतर फलत वाले गुणवत्ता के पौध मिलें। इसके लिए हर प्रजाति के कुछ पौधे भी लगाए गए हैं। इनमें से श्रेष्ठतम गुणवत्ता के पेड़ से नर्सरी तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

लीची हैं फलों की रानी

सुर्ख लाल रंग। रस इतना कि छिलका उतारने के साथ ही टपकने लगे। मिठास से भरी लीची को इन्हीं खूबियों के कारण फलों की रानी कहा जाता है। बाजार में आने पर भी लीची का जलवा रानी जैसा ही होता है। मात्र दो तीन हफ्ते के लिए लीची बाजार में आती है और छा जाती है। यह एकमात्र फल है जिसका थोक कारोबार तड़के शुरू होता है और दिन चढ़ने के साथ ही सारा माल खत्म। मसलन लीची को लेकर बाजार कभी समस्या नहीं रहा।

मैजिक वाहन ने पीछे से ट्रक में मारी टक्कर, दो की मौत

केटी न्यूज / चंदौली



सैयदराजा थाना क्षेत्र के जेठमलपुर गांव के समीप हाइवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में मैजिक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। इस दौरान दो लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक को थाने ले आई और शवों को पोस्टमार्टम लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। बताया जा रहा है कि एक मैजिक बुधवार की सुबह सासाराम से वाराणसी की ओर जा रही थी। इस दौरान जैसे ही मैजिक सैयदराजा थाना क्षेत्र के जेठमलपुर गांव समीप पहुंची कि वह अनियंत्रित हो गई और हाइवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी मैजिक के लिए परखच्चे उड़ गए। इस दौरान मैजिक चालक अरशद (27) निवासी जलालीपुरा थाना आदमपुर वाराणसी और खालसी बाबू (25) निवासी कोयला बाजार थाना आदमपुर जनपद वाराणसी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां दोनों ने दम तोड़ दिया। इस बाबत थाना प्रभारी सैयदराजा ने बताया कि ट्रक और मैजिक की टक्कर हो गई. इसमें मैजिक ड्राइवर समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार की ओर से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस आगे की कारवाई में जुट गई है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जौनपुर(केराकत)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम सेनापुर दाऊदपुर दलित बस्ती में बुधवार को पूर्वान्ह लगभग साढ़े 11 बजे तालाब में शौच के लिये गये दो सौतेले भाइयों में एक की तालाब में डूबने से मौत हो गयी। जिसके बाद पूरे गांव में गम का मातम फैल गया। गौरतलब है कि पप्पू मिस्त्री ने दो विवाह किया है। पहली पत्नी से धर्मा देवी से 4 पुत्र आशीष, रामावतार, अभिषेक, विवेक कुमार तथा दूसरी पत्नी रीता देवी से आदित्य कुमार, दो बहन खुशी, मुस्कान है। आदित्य के मुताबिक शौच के लिये जब विवेक तालाब किनारे गया तो पैर फिसलकर गहरे पानी में चला गया। गहरे पानी में विवेक डूबते देख सौतेला भाई आदित्य तालाब में छलांग लगाकर गहरे पानी से भाई को बचाने का काफी प्रयास किया परन्तु वह बचाने में असफल रहा।

वृक्ष यात्रा निकाल ग्रीन हाउस क्लब ने किया पेड़ों का प्रत्यारोपण

पीडीडीयू नगर। पड़ाव से पचपेड़वा के बीच बन रहे सिक्स लेन के कारण कटने वाले पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरण के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान ग्रीनहाउस क्लब द्वारा बुधवार को वृक्ष यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में नीम नीम का 13 फीट और पाकड़ के छह फीट ऊंचे पेड़ों को जड़ सहित निकालकर दूसरी जगह पर प्रत्यारोपित किया गया। इस क्षेत्र के लिए अभिनव पहल के तहत संस्था के सदस्यों ने सुबह नौ बजे नई बस्ती स्थित वी मार्ट के सामने से जेसीबी की सहायता से लगभग 13 फीट ऊंचा नीम का पेड़ जड़ सहित निकालकर ट्रैक्टर पर लाद कर वृक्ष यात्रा शुरू किया। नगर नगरपालिका अध्यक्ष सोनू किन्नर ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा गुरुद्वारा के समीप पहुंची जहां से छह फीट का पाकड़ का पेड़ निकाला गया।

पहले ही प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा में हुआ चयन, खुशी की लहर

जौनपुर। जिले के पिलकिछा हरिकापुर गांव निवासी आशीष कुमार यादव जी का चयन सहायक भविष्य निधि आयुक्त(एपीएफसी) पद पर हुआ है। प्रथम प्रयास में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा को उत्तीर्ण कर इन्होंने घरवालों व क्षेत्र का नाम रोशन किया है । परीक्षा में 81वी रैंक आई है इन्होंने अपनी दशवी तथा 12वीं की परीक्षा जौनपुर में ही रहकर यूपी बोर्ड से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त किया। वर्तमान में आशीष यादव इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ही अर्थशास्त्र विषय में शोधार्थी(जेआरएफ) हैं।



अलग-अलग हिस्सों में बुधवार को ताजिया का जुलूस निकाला गया

मुहर्रम सिर्फ एक पर्व नहीं बलिदान का है प्रतीक

- फोर्स की रही निगरानी, शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में ठंडा हुई ताजिया

केटी न्यूज / चंदौली



मातम का त्यौहार मुहर्रम की 10वीं को जनपद के अलग-अलग हिस्सों में बुधवार को ताजिया का जुलूस निकाला गया। इस दौरान स्थानीय थाना पुलिस-फोर्स की निगरानी में शांति एवं सद्भावपूर्ण माहौल में ताजिया निर्धारित रास्तों से कर्बला तक पहुंचा, जहां देर शाम ताजिए को दफन किया गया। इसके पूर्व ताजिया के जुलूस के साथ चल रहे मुस्लिम युवकों ने तरह-तरह के करतब दिखाए, जिसे देखने के लिए आसपास के मकानों व रास्तों पर लोगों की भारी भीड़ मौजूद दिखी। इस कारण वहां मेले जैसा दृश्य रहा। सुरक्षा के मद्देनजर थानों की फोर्स पूरे दिन चक्रमण करती रही, ताकि नियमों का पालन हो सके। वहीं मुस्लिम बंधुओं ने भी मातम के इस त्यौहार को सादगी के साथ घरों में मनाया। विदित हो कि मुहर्रम पर्व पर आशूरा का दिन मुहर्रम का सबसे खास दिन होता है। इसी दिन पैगंबर साहब के नवासे इमाम हुसैन कर्बला में शहीद हुए थे। नौहाख्वानी और सीनाजनी के बीच मुस्लिम बंधुओं ने देश की तरक्की और अमन-चैन के लिए दुआएं की। इस मौके पर अबू इफ्तिखार ने सभी मुस्लिम बंधुओं को इमाम हुसैन की शिक्षाओं पर चलने का संदेश दिया। कहा कि मुहर्रम सिर्फ एक पर्व नहीं है, बल्कि मुहर्रम बुराई पर अच्छाई की जीत और बलिदान का प्रतीक है। हमें हमेशा इमाम हुसैन की बातों पर अमल करने की कोशिश करनी चाहिए। कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन और उनके बहत्तर साथियों ने जालिम बादशाह यजीद के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान की कुर्बान कर दी थी। इसी कुबार्नी के पर्व को मुहर्रम के नाम से जाना जाता है। वही मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र जसौली, नेगुरा, बसिला, मुस्तफापुर सहित सदर विकास खंड के कई ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्रों में ताजिया का पर्व मुहर्रम मुस्लिम बंधुओं ने सादगी के साथ मनाया। वही लौंदा गांव में मुहर्रम पर मातम करते आजादार के करतब को देखकर लोगों दंग रह गए। जहां सभी ने अपने करतब दिखाये और वही शाम को कर्बला पहुंचकर ताजिया को ठंडा किया। जैसे ही ताजिया ठंड होगी वैसे ही पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

सुभाषितम्

सफलता की खुशी मानना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना। - बिल गेट्स

गुजारा भत्ते पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में उतरा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोड

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई है। मुस्लिम पर्सनल बोर्ड का कहना है, कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला शरिया कानून के खिलाफ है। संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह भी कहा है, कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर वह सभी कानूनी उपायों पर विचार कर रहा है। गौरतलब है, कि 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसला दिया है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि गुजारा भत्ता, दान अथवा धर्म से जुड़ा मामला नहीं है। गुजारा भत्ता पाना विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा है, कि हमारे संविधान ने हर धर्म की महिला को समान हक देने का कानून बनाया है। मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का उतना ही अधिकार है, जितना अन्य धर्म की महिलाओं और बच्चों को है। शादी या निकाह होने के बाद जब पति-पत्नी के बीच में तलाक होता है। ऐसी स्थिति में तलाकशुदा पत्नी और उसके बच्चों के भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी पिता और पति की ही होती है। भारत में अधिकांश महिलाएं घरेलू कामकाज करते हुए अपने जीवन का निर्वाह करती हैं। उनका स्वयं का कोई आर्थिक आधार नहीं होता है। जब शादी और निकाह के बाद पति-पत्नी के संबंध बनते हैं, उनसे बच्चे पैदा होते हैं। ऐसी स्थिति में पत्नी और बच्चों के जीवन निर्वाह की जिम्मेदारी आर्थिक रूप से पति की होती है। जब पत्नी की कोई कमाई नहीं है। ऐसी स्थिति में न्यायालय द्वारा गुजारा भत्ता के रूप में आमतौर पर पति के वेतन या कमाई का 20 से 25 फीसदी हिस्सा भरण पोषण के रूप में देने के आदेश दिए जाते हैं। तलाक के पहले जिन परिस्थितियों में पत्नी और बच्चे रह रहे थे। उसके मुताबिक उनके आगे का भी जीवन-यापन और शिक्षा इत्यादि के लिए आर्थिक आधार मिले। इसके लिए गुजारा भत्ते का नियम, सभी जाति और सभी धर्म की महिलाओं के ऊपर समान रूप से लागू होता है। पति की आर्थिक स्थिति के आधार पर न्यायालय द्वारा गुजारा भत्ता तय किया जाता है। मुस्लिम पर्सनल लॉ की आड़ में मुस्लिम महिलाओं का शोषण वर्तमान समय में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मुस्लिम महिलाओं को निकाह के समय मेहर के रूप में एक राशि तय कर दी जाती है। जब तलाक होता है, मेहर की रकम को ही तलाक का मुआवजा मान लिया जाता है। मेहर की रकम देकर पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण और शिक्षा इत्यादि की जिम्मेदारी से मुस्लिम पति अपनी जिम्मेदारी से छुटकारा पा लेते हैं। जिसके कारण मुस्लिम समुदाय में तलाकशुदा महिलाओं और उनके बच्चों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति बहुत खराब है। सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है। वह तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते के लिए दिया गया फैसला है। संविधान ने धार्मिक आधार पर मुसलमानों और अल्पसंख्यक समुदाय को जो विशेष अधिकार दिए हैं। वह धार्मिक क्रियाकलापों के लिए हैं। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला परिवार की जिम्मेदारियों से जुड़ा हुआ फैसला है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा इस फैसले का विरोध करना कहीं से भी जायज नहीं माना जा सकता है। नाहीं इसे मुस्लिम धर्म और धार्मिक रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का 10 जुलाई को दिया गया फैसला सीआरपीसी की धारा 120 के तहत तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण से जुड़ा संवैधानिक अधिकार है। मुस्लिम महिलाएं न्यायालय जाकर गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। यह अधिकार मुस्लिम महिलाओं को भी पहले से ही मिला हुआ था। एक पत्नी के रूप में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने उसे स्पष्ट किया है। मुस्लिम महिला का व्यक्तिगत और पारिवारिक विवाद है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

आज का राशिफल

मेष जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। काम की अधिकता के चलते पारिवारिक उपेक्षा न करें।

वृषभ बृहस्पति का अशुभ योग होने से थोड़ा तनाव रहेगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

मिथुन पराक्रम की वृद्धि होगी। धन ऐश्वर्य वृद्धि से शत्रु ईर्ष्या करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कर्क स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह वस्तुओं में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है।

कन्या प्रथम केतु सप्तम राहु योग बना हुआ है। अतः आप कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में रहेंगे।

तुला पराक्रम की वृद्धि करेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है।

वृश्चिक आज पुराने रोग ऋण से छुटकारा दिलाएगा। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी।

धनु आज गुप्त शत्रु, ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी।

मकर विवेकपूर्ण कार्य संपादन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नई नौकरी मिल सकती है।

कुंभ आज आपके द्वारा प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन आज पुराने झगड़े झंझटों से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

विशेष

शरद पवार और छगन भुजबल की मुलाकात चचाओं में

महाराष्ट्र की राजनीति इन दिनों चरम पर है। महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य शरद पवार से पिछड़े वर्ग के नेता छगन भुजबल की मुलाकात को लेकर, महाराष्ट्र की राजनीति मे अटकलों का दौर चल पड़ा है। छगन भुजबल अभी अजीत पवार के खेमे में थे। वह अजीत पवार से नाराज हो गए हैं। चाचा शरद पवार के पास जाने से एनसीपी के दोनों धड़ों में हलचल मच गई है। कुछ माह पश्चात महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। उसको देखते हुए अब सभी ने अपनी अपनी नई पोजीशन लेना शुरू कर दी है। कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र में बड़े-बड़े धमाके होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

महंगाई और बेरोजगारी से पल्ला झाड़ती सरकार

भारत में खुदरा महंगाई 16 माह के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। थोक महंगाई ने भी ऊंचाई का स्तर छू लिया है। लोकसभा 2024 के चुनाव में बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा केंद्र सरकार ने नहीं माना था। सात राज्यों में 13 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव हुए हैं। इसमें भी केंद्र सरकार के लिए महंगाई बेरोजगारी कोई मुद्दा नहीं था। 13 में से 11 सीटें भारतीय जनता पार्टी उपचुनाव में हार गई। इसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार के लिये महंगाई और बेरोजगारी कोई मुद्दा नहीं है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में चर्चा हुई।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1290: इंग्लैंड के शासक एडवर्ड प्रथम ने यहूदियों के निष्कासन का आदेश दिया. 1792: अमरीकी स्वतंत्रता की लड़ाई के नायक जॉन पाल जेम्स का निधन हुआ. 1847: अंग्रेजी भाषा के उपन्यासकार जॉन आस्टिन का निधन हुआ. 1872: मैक्सिको के राष्ट्रीय नायक और तीन बार राष्ट्रपति रहे बेनिटो जुआरेज की मौत हुई. 1948: नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ. 1948: विमान वाहन पोत फ्यूरियस से ब्रिटिश विमान ने पहली बार जर्मनी पर हमला किया. 1947: भारतीय स्वाधीनता अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली. 1957: जर्सी जो वाल्काट में एजार्ड चार्ल्स को हराकर 32 वर्ष की उम्र में हैवीवेट मुक्केबाजी के चैंपियन बने. 1980: भारत में निर्मित उपग्रह प्रक्षेपण वाहन एस.एल.वी. 3 से रोहिणी उपग्रह को कक्षा में भेजा गया. 1980: टेलीविजन से पहला रंगीन प्रसारण मद्रास से किया गया.

बजट का हलुवा और हलुए का बजट

- राकेश अचल



` भारत अनोखा देश है। यहां सब कुछ अनोखा होता है ,जो दुनिया के शायद तमाम देशों में न होता हो। भारत में सरकार बजट पेश करने से पहले एक समारोह करती है जिसे अंग्रेजी में हलुवा सेरेमनी कहते हैं। इस हलुवा समारोह का लिखित इतिहास मुहे तो खोजने पर नहीं मिला, लेकिन जाहिर है कि इसके पीछे भी कांग्रेस ही रही होगी, क्योंकि आज का भारत तो 2014 के बाद का भारत है। आज के भारत में स्टेशनों, शहरों और कानूनों के नाम बदले गए लेकिन गनीमत है कि इस हलुवा सेरेमनी को अभी तक हाथ नहीं लगाया गया है। भारत में हलुवा और बजट आम आदमी के लिए ही बनाया जाता है। हलुवा सबसे सस्ता और सुलभ मिष्ठान भी है। गांवों से लेकर शहरों तक लोकप्रिय है। अमीर-गरीब सभी इस हलुए को पसंद करते हैं। शायद अंग्रेज भी करते हों। हलुवे की लोकप्रियता कालांतर में इतनी बढ़ी कि इसे मुहावरे का सम्मान मिल गया। किसी भी काम में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार या गोलमाल करने को भी हलुवा करना ही कहा जाता है। हलुवा बनाना और हलुवा करना एक खास कला है, इसके कलाकार ज्यादातर सियासत में या नौकरशाही में मिलते हैं। जहाँ ईमानदारी से हलुवा बनता है वो जगह केवल गुरुद्वारा है, लेकिन गुरुद्वारों में बनने वाले हलुवे को हलुवा नहीं कड़ा-प्रसाद कहा जाता है। हलुवा जब प्रसाद बन जाता है तो आत्मा को सुकून देता है, लेकिन जब हलुवा बजट बनता है तो हमेशा मीठा नहीं लगता। वैसे आपको बता दूँ कि हलुआ एक प्रकार का मिष्टान्न है जिसकी उत्पत्ति फारस से हुई है और व्यापक रूप से पूरे मध्य पूर्व में फैली हुई है। हलुवा साधारणतः आटे, सूजी, गहि और शर्करा से बनता है। बाद में आप इसमें बारीक पिसे हुए बीज या बादाम भी मिला सकते हैं आजकल तो हर चीज का हलुवा बननी लगा है जो बजट हलुवे से सर्वथा भिन्न होता है। हलुवा अब हैसियत से बाबस्ता हो गया है। जिसकी जैसी हैसियत उसका वैसा हलुवा। मठ का अलग, मंदिर का अलग और कर्तव्यपथ का लग किस्म का हलुवा होता है। मुंबई वालों का हलुवा तो सबसे अलग होता ही है। भाई अनंत की शादी में किस तरह का हलुवा बना हमें पता नहीं। इस साल के बजट का हलुवा समारोह नार्थ ब्लाक में सम्पन्न हो गया। आम बजट के हलुवे को किसने बनाया मुझे नहीं पता, किन्तु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सबसे पहले ये बजट हलुवा अपने मंत्रालय के अधिकारीयों और कर्मचारियों में तकसीम किया। इसी नार्थ ब्लाक में बजट छपने वाली छपाई मशीन लगी है । ताकि बजट लीक न हो। बजट लीक हो या न हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता । फर्क इस बात से पड़ता है कि बजट में हलुवे की जो मिठास है वो आम आदमी तक भी पहुँच पायेगी या नहीं? देश में कांग्रेस ने दशकों तक बजट का हलुवा किया। अब एक दशक से भाजपा ये काम कर रही है। इस साल के बजट में तो भाजपा के साथ टीडीपी और जेडीयू को भी हलुवा करने का सौभाग्य मिला है। कोई भी सरकार हो बजट में हलुवा करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की बजट में हलुवा करती ही है। ये बात और है कि अनेक राज्यों में हलुवा सेरेमनी नहीं होती। निर्मला जी मुझसे चार महीने छोटी हैं लेकिन मुझसे ज्यादा पढ़ी लिखी है। निर्मला जी के पास हलुवा बनाने की कोई उपाधि नहीं है किन्तु उन्होंने भाजपा सरकार के लिए सबसे ज्यादा बार बजट हलुवा तैयार किया। वे राजनीति में पिछले दरवाजे से [राज्य सभा] आयीं थीं लेकिन वे पिछले छह -सात मर्तबा बजट हलुवा बनाने का सौभाग्य हासिल कर चुकी हैं। वे भाजपा की सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली वित्त मंत्री हैं। उनके हलुवा बनाने पर किसी को संदेह नहीं है सिवाय उनके अपने पति के । भाजपा सरकार ने बीच में उन्हें हलुवा बनाने की जिम्मेदारी से मुक्त कर देश कोई रक्षा का और बाद में कारपोरेट का काम भी सौंपा लेकिन जब दूसरे वित्त मंत्री ढंग से बजट हलुवा नहीं बना पाए तो उन्हें वापस वित्त मंत्री बनाकर बजट हलुवा बनाने की जिम्मेदारी दे दी गयी। देश में किसी भी दल की सरकार हो लेकिन आम जनता को उसके बजट हलुवे से तमाम उम्मीदें बनी रहतीं है। इस बार के बजट से देश के सभी वर्गों के लोगों को काफी उम्मीदें हैं। आगामी बजट को लेकर आम लोगों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें सरकार की तरफ से थोड़ी राहत दी जाएगी। चूंकि यह बजट आम चुनावों के बाद का पहला बजट है ऐसे में सरकार के लिए भी यह बजट काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। आम चुनाव में सरकार ले-देकर बनी है। इसलिए सरकार पर बजट को मीठा बनाने का दबाब है। सरकार के सामने कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव भी है। इस कारण सरकार द्वारा अपने वोट बैंक को भुनाने के लिए आम बजट में लोगों को खुश को लेकर ऐलान किए जाने की उम्मीद की जा रही है. नौकरीपेशा यानी सैलरी क्लास से लेकर, महिलाएं, किसान, टैक्सपेयर्स और युवावर्ग तक के लोग इस बार के बजट में सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे है। उन्हें उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब बजट 2024 -25 पेश करेंगी तो उनके लिए कोई खास ऐलान किया जा सकता है। बजट 23 जुलाई 2024 को पेश किया जाएगा । तब तक सभी को बजट हलुवे की महक से ही काम चलना पडेगा। बजट हलुवे का स्वाद कैसा होगा ये 23 जुलाई को ही पता चलेगा । भाजपा सरकार का नया बजट स्वाद में चाहे जैसा हो किन्तु उसका रंग तो भगवा ही रहने वाला है। देश का भगवाकरण हो रहा है तो बजट और उसका हलुवा इस रंग से कैसे बच सकता है। इस समय देश को ऐसे हलुवे की जरूरत है जो किसानोन्मुखी हो। किसान हलुवा पेश होने की फिक्र किये बिना अपनी पुरानी मांगों को लेकर छह महीने का राशन -पानी लेकर दिल्ली आने वाले है। इस बार सरकार उन्हें दिल्ली आने से रोक भी नहीं सकती, क्योंकि माननीय अदालत ने किसानों के दिल्ली जाने के अधिकार को संवैधानिक बता दिया है। अब देखना ये है की आने वाले दिनों में केंद्र द्वारा बनाया गया हलुवा फैल तो नहीं जाएगा? भगवान करे कि ऐसा न हो।

प्रतिवर्ष सृजित हो रहे हैं रोजगार के नए अवसर

- प्रहलाद सबनानी

आजकल विदेशी वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान भारत के आर्थिक मामलों में अक्सर अपनी राय देने से चूकते नहीं हैं। अभी हाल ही में सिटीग्रुप इंडिया ने भारत की अपने बढ़ते कार्यबल के लिए पर्याप्त मात्रा में नौकरियां सृजित करने की क्षमता के मामले में चिंता जताई थी और एक प्रतिवेदन में कहा था कि भारत को आगामी दशक में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ नौकरियां सृजित करने की आवश्यकता है, जबकि वह प्रतिवर्ष केवल 80-90 लाख नौकरियां ही सृजित करने की राह पर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह विदेशी वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान अपनी आधी अधूरी जानकारी के आधार पर भारतीय अर्थतंत्र के बारे अपनी राय जारी करते दिखाई देते हैं क्योंकि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी एक प्रतिवेदन जारी किया गया है जिसके के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में रोजगार के नए अवसर सृजित होने के मामले में 6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है और इस दौरान लगभग 4.7 करोड़ रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और देश में कार्य करने वाले नागरिकों की संख्या अब 64.33 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है, जबकि पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत की रही थी। अब कहां सिटीग्रुप इंडिया की भारत में केवल 80-90 लाख नौकरियों के अवसर सृजित होने की राह पर की बात की है और कहां भारतीय रिजर्व बैंक की भारत में 4.7 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होने की बात है, दोनों संस्थानों के आंकलन में भारी अंतर दिखाई देता है। सिटीग्रुप इंडिया के भारत में रोजगार सृजित होने के संदर्भ में जारी उक्त प्रतिवेदन के जवाब में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा भी पिरीआडिक लेबर फोर्स सर्वे (ढछऋह) एवं भारतीय रिजर्व बैंक के ड्डछएटर डाटाबेस के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए बताया गया है कि भारत में वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच 8 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, जो कि वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण होने वाले वैश्विक आर्थिक व्यवधानों के बावजूद प्रतिवर्ष औसतन 2 करोड़ से अधिक नौकरियां बनती है। इस जानकारी के उपयुक्त होने को ढछऋह डाटा से भी बल मिलता है जिसके अनुसार भारत में पिछले पांच वर्षों में रोजगार के अवसरों की संख्या, श्रमबल में नए प्रवेशकों की संख्या से अधिक रही है, जिससे देश में बेरोजगारी दर में लगातार कमी आ रही है। इन आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 में 6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.2 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में 466,59,221 रोजगार के अवसर निर्मित हुए एवं वित्त वर्ष 2023-24 में देश में कुल रोजगार बढ़कर 64.33 करोड़ के स्तर को पार कर गया जो वर्ष 2022-23 में 59.66 करोड़ के स्तर पर था एवं वर्ष 2019-20 में 53.44 करोड़ के स्तर पर था। उक्त आंकड़ों की सत्यता एवं विश्वसनीयता को और भी अधिक बल मिलता है जब इस संदर्भ में विभिन्न अनुपातों पर नजर डालते हैं। इससे ध्यान में आता है कि भारत में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (हङ्ख१ी१ ढङ्खस्त्र४ ३ङ्खल्ल फंही) वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 56 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार भारत में श्रमिक सहभागिता दर (छुंङ्ख४१ ऋ्रूी ढं१ ३ूस्त्रं३ङ्खल्ल फंही) भी वर्ष 2017-18 के 49.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 57.9 प्रतिशत हो गई है। जिसके चलते देश में बेरोजगारी की दर (वल्ली-स्र'ङ्खटोल्ल३ फंही) भी वर्ष 2017-18 में 6 प्रतिशत से गिरकर वर्ष 2022-23 में 3.2 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। कृषि, आखेट, वानिकी, मछली पालन के क्षेत्र में वर्ष 2022-23 में 25.3 करोड़ व्यक्ति रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2021-22 में 24.82 करोड़ व्यक्ति इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर रहे थे। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 में निर्माण, व्यापार, यातायात एवं भंडारण के क्षेत्र मुख्य रोजगार प्रदाता क्षेत्रों में गिने जा रहे थे।

अरवरए के सर्वे में भी भारत में 56.8 करोड़ नागरिकों को रोजगार प्राप्तकर्ता बताया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के दशक के बीच में केवल 2.9 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए जा सके थे जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के दशक के बीच 12.5 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्रों में वर्ष 2004-2014 के दशक में 6.6 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए गए थे जो वर्ष 2014 से 2023 के दशक में बढ़कर 8.9 करोड़ हो गए हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र में भी कुल 20 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो रहे हैं और यह संख्या 60 से 70 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक पहुंच रही है, क्योंकि पुरुष वर्ग अब रोजगार के लिए शहरी क्षेत्रों की ओर आकर्षित हो रहा है जहां उन्हें विनिर्माण एवं सेवा जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। दूसरे, कृषि के क्षेत्र में हो रही लगभग 4 प्रतिशत प्रतिवर्ष की औसत विकास दर के कारण भी कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो रहे हैं।

भारत के लिए एक अच्छी खबर यह भी है कि केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्रों में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों के चलते अब देश में धीरे धीरे अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था का आकार कम होकर, औपचारिक अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ रहा है जिसके चलते अब भारत में औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं। एढऋह द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1.3 करोड़ कामगारों ने एढऋह की सदस्यता ग्रहण की है जबकि वित्तीय वर्ष 2018-19 में केवल 61.12 लाख कामगारों ने ही एढऋह की सदस्यता ग्रहण की थी। पिछले लगभग साढ़े छह वर्षों में, सितंबर 2017 से मार्च 2024 के बीच, 6.2 करोड़ कामगारों ने एढऋह की सदस्यता ग्रहण की है। एढऋह के आंकड़ों में लगातार होने वाली वृद्धि से आश्य यह है कि देश में कम आय वाले रोजगार की तुलना में अधिक आय वाले रोजगार अब तेजी से बढ़ रहे हैं और यह अब अधिकतम औपचारिक क्षेत्र में ही सृजित हो रहे हैं। अनऔपचारिक क्षेत्र के कम आय के रोजगार ही अधिक संख्या में सृजित होते हैं। अरवरए सर्वे के अनुसार अब देश की अर्थव्यवस्था में औपचारिक श्रमिकों की संख्या 55 प्रतिशत तक पहुंच गई है जबकि PLFS सर्वे के अनुसार यह 61 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

संविधान की हत्या दिवस मनाने का प्रसंग प्रासंगिक नहीं

- डॉ. भरत मिश्र प्राची

आपातकाल की घोषणा देश में विकट परिस्थियों में देश हित में करने का लोकतांत्रिक संवैधानिक अधिकार सरकार के पास सुरक्षित होता है जो उचित माना जा सकता है। स्वहितए सत्ता परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में आपातकाल की घोषणा कभी भी उचित प्रक्रिया नहीं मानी जा सकती जिसका परिणाम अंततः प्रतिकूल हीं होता है। देश पर आपात स्थिति न होते हुये भी 25 जून 1975 को तत्कालीन केन्द्र की कांग्रेस सरकार द्वारा सत्ता के परिप्रेक्ष्य में की गई आपात काल की घोषणा अनुचित लोकतांत्रिक पहल थी जिसका आम चुनाव में प्रतिकूल असर देखने को मिला। इतिहास साक्षी है जब . जब भी जहां . जहां सत्ता का दुरूप्योग स्वहित में किया गया है ए जनाक्रोश उभरा हैए परिणाम प्रतिकूल रहा है। आज भी सत्ता के पावर का स्वहित में उपयोग ऐनकेन प्रकारेण प्रत्यक्ष अपत्यक्ष रुप से जारी है। कानून का नाम लेकर की जा रही सर्वाधिक विपक्ष पर एकतरफा कार्यवाही आज अघोषित आपातकाल का स्वरुप धारण कर चुका है। जिसे विपक्ष द्वारा संविधान की रक्षा किये जाने जैसे सवाल उभर कर सामने आने लगे है। देश के सर्वौच्य न्यायालय की भी उंगुलियां जांच ऐजेंसियों की कार्यवाही पर उठती नजर आने लगी है। सन्1975 में केन्द्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा आपातकाल की घोषणा को उचित नहीं ठहराया जा सकता। पर इस प्रसंग को लेकर आज सत्ता पक्ष द्वारा संविधान की हत्या दिवस मनाये जाने का विचार भी उचित नहीं माना जा सकता जब कि आपातकाल के बाद देश में कई बार सत्ता परिवर्तित हो चुकी हैए जिसमें कांग्रेस से हटकर सरकार सत्ता असीन रहीए और आज भी लगातार दो दशक से कांग्रेस से हटकर सरकार सत्ता पर आसीन रही है पर इस तरह के सवाल कभी उभर कर सामने नहीं आये । आज दो दशक बिताकर तीसरी बार कांग्रेस से अलग हटकर सरकार जो सत्ता आयी है जिसपर विपक्ष द्वारा संविधान बदले जाने के लगातार आरोप लगाये जा रहे है। जिसे संसद में पूर्व जैसा स्वयं के बलबूते का स्पष्ट जनादेश नहीं मिला है। जिसकी साख धीरे . धीरे देश में हो रही चुनावी प्रक्रिया में गिरती जा रही हैए जिसके सामने विपक्ष भारी पड़ता जा रहा है। जहां विपक्ष में कांग्रेस के साथ तमाम आपात काल से ग्रसित राजनीतिक दल खड़े नजर आ रहे है कही इस का परिवेश उपरोक्त प्रसंग का जनक तो नहीं जिसके माध्यम से सत्ता पक्ष विपक्ष की एकता को तोड़ने का प्रयास कररहा हो। यदि इस तरह की प्रक्रिया पूर्व घटित आपात काल की घटना को लेकर संविधान की हत्या दिवस मनाने का है तो इसे राजनीतिक प्रेरक प्रसंग माना जा सकता जो लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं । सत्ता पक्ष के इस तरह के प्रसंग पर देश भर से प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है । इस संदर्भ में 25 जून 1975 को देश भर में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित आपातकाल जिसे लेकर संविधान की हत्या दिवस मनाये जाने की बात सत्ता पक्ष द्वारा की जा रही हैए संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत उचित ठहराये जाने की भी बात अब उभर कर सामने आने लगी है। आपातकाल की घोषणा के स्वरूप पर चर्चा होनी चाहिए पर इस प्रसंग का राजनीतिकरण किया जाना देश हित में कदापि नही हो सकता। पूर्व घोषित 1975 का आपातकाल उचित नहीं है पर इसे संविधान की हत्या दिवस मनाये जाने का प्रसंग भी प्रांसगिक नहीं ।

दैनिक पंचांग

18 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.17 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	सिंह	07.37 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.49 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.00 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.14 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	16.30 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	18.35 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.22 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	21.55 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	23.25 बजे से
		वृष	01.05 बजे से
		मिथुन	03.03 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 200 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल
तिथि द्वादशी 20.45 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 03.25 बजे रात्र को समाप्त। योग शुक्ल(शुक्र) 06.13 बजे तदनन्तर ब्रह्म 04.44 बजे प्रात: को समाप्त। करण बव 09.00 बजे तदनन्तर बालव 20.45 बजे को समाप्त। चन्द्रायु 12.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 58'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872044
जूलियन दिन 2460509.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत, वासुदेव द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.



बिना डिग्री के इन फील्ड में बना सकते हैं अपना करियर

कई बार पैसों की तंगी के कारण कई लोग अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप बिना किसी डिग्री या कोर्स के इन नौकरियों को कर सकते हैं। इन फील्ड में नौकरी कर आप हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं।

हर इंसान की यही चाहत होती है कि कॉलेज खत्म होने के बाद उनको एक अच्छी सी जॉब मिल जाए। ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। लेकिन कई बार ऐसा नहीं हो पाता है। वहीं कुछ परिस्थितियों के कारण हम आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण अच्छी नौकरी मिलने में दिक्कत होती है। अगर आप भी ऐसी ही किसी समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप बिना किसी डिग्री के भी पा सकते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट

आज के दौर में हर कोई अच्छा दिखना चाहता है। ऐसे में लोग मेकअप का सहारा लेते हैं। वहीं मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। बता दें कि मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए किसी तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। हालांकि आप कुछ ऑनलाइन कोर्सेज जरूर कर सकती हैं। इन ऑनलाइन कोर्स की मदद से आप मेकअप की हर बारीकी को अच्छे से समझ सकती हैं। मेकअप के बारे में अच्छी जानकारी होने के बाद आप बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना करियर शुरू कर सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो खुद का सैलून भी खोल सकती हैं। इसमें आपको कमाई के अच्छे अवसर मिलेंगे।

स्टाइलिस्ट

अगर आपको भी डिजाइन में रुचि है तो आप स्टाइलिस्ट को बतौर करियर शुरू कर सकती हैं। बता दें कि यह फील्ड ऐसा है, जहां आपको डिग्री से ज्यादा काम करना आना चाहिए। इस तरह आप वॉरड्रोब स्टाइलिस्ट और फैशन स्टाइलिस्ट बन अपने करियर को नई उड़ान दे सकती हैं। भले ही यह प्रोफेशन थोड़ा अलग है, लेकिन इस फील्ड में आपको शानदार सैलरी दी जाती है।

सेलिब्रिटी मैनेजर

हर एक सेलेब्स अपने काम को मैनेज करने के लिए मैनेजर रखते हैं। क्योंकि अक्सर सेलेब्स को एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना होता है। इस नौकरी के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं होती है। इस तरह बिना डिग्री के आप आसानी से सेलिब्रिटी मैनेजर बन सकती हैं। इस फील्ड में सैलरी सुन आप दंग हो जाएंगी।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी

अगर आपको भी फोटोग्राफी का शौक है तो वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को बतौर करियर चुन सकते हैं। इसके लिए किसी डिग्री या कोर्स की आवश्यकता नहीं होती है। बेहतरीन फोटोग्राफी कर आप सोशल मीडिया पर इस फोटोज को सेल कर सकती हैं।

प्रोफेशनल ब्लॉगर

आपने भी कई ब्लॉगर को देखा होगा। जो अलग-अलग विषयों के बारे में जानकारी देते हैं और लोग उनके काम को खूब पसंद भी करते हैं। बता दें कि ब्लॉगिंग आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप बिना किसी डिग्री व कोर्स के लाखों रुपए कमा सकते हैं।



लॉ से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्रों के पास कई सारे करियर विकल्प होते हैं। उनमें से सबसे अच्छे ऑप्शंस के बारे में हमनें इस आर्टिकल में बताया है। अगर आपने भी लॉ की है और इनके बारे में जानने में इंटरेस्ट रखते हैं, तो यह आर्टिकल जरूर पढ़ें। आप अपने इंटरेस्ट के अनुसार इनमें से एक ऑप्शन चुन सकते हैं।

ये हैं लॉ ग्रेजुएट्स के लिए सबसे ज्यादा सैलरी वाली नौकरियां

लॉ के छात्रों के पास वैसे तो कई सारे करियर ऑप्शन हैं, पर अपने इंटरेस्ट के अनुसार एक ऑप्शन चूज करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। परंपरागत रूप से कानून के छात्रों से ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुकदमेबाजी की प्रैक्टिस करने की अपेक्षा की जाती थी। हालाँकि, समय के साथ लॉ में करियर के अवसर बढ़े हैं, जिसने युवाओं को भारत में लॉ को करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

जज

वकील के अलावा छात्रों के पास जज बनने का भी एक बेहतरीन अवसर होता है। जज बनने के लिए आपको उस राज्य में होने वाली जुडिशरी की परीक्षा को पास करना होता है। यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। न्यायाधीश के रूप में आपके ऊपर क़ानूनी व्यवस्था को सँभालने और उसे लागू करने, महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है।

कॉर्पोरेट वकील

अगर आपको बड़े कॉरपोरेट हाउस में काम करने का मन है, तो आप कॉरपोरेट लॉयर बनकर अपना सपना पूरा कर सकते हैं। कॉर्पोरेट वकील व्यवसायों को उनके कानूनी अधिकारों, दायित्वों और लेनदेन पर सलाह देते हैं। वे सीधे निगमों के लिए या कॉर्पोरेट कानून में विशेषज्ञता वाली कानून फर्मों के लिए काम कर सकते हैं। आपके अनुभव के अनुसार इसमें आपको सैलरी भी काफी अच्छी मिलती है।

लिटिगेशन/ट्रायल वकील

अगर आप कोर्ट में जाकर अपनी वकालत प्रेक्टिस करना चाहते हैं तो आप ट्रायल वकील बन सकते हैं। ट्रायल वकील सिविल और क्रिमिनल मुकदमों में क्लाइंट का प्रतिनिधित्व करते हैं और अदालत में उनकी ओर से वकालत करते हैं। हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने से आपको पैसे और शोहरत दोनों मिलती हैं। कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू करने से पहले आपको अपनी रूरुक्ष खत्म करने के बाद ऑल इंडिया बार काउंसिल की परीक्षा पास करनी होती है और फिर उसके बाद अपने संबंधित राज्य में उसके बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

सरकारी वकील

सरकारी वकील सरकार की तरफ से केस लड़ते हैं। वे स्थानीय, राज्य या संघीय स्तर पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के लिए काम करते हैं। वे कानूनी मामलों पर सलाह देते हैं और मुकदमेबाजी में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन एक तरीका है जिसमें विवादों को सुलझाने के लिए कोर्ट के बाहर के विकल्पों का उपयोग किया जाता है। इसमें कोर्ट की लंबी प्रक्रिया और लागत से बचा जा सकता है। इसके तहत कई प्रकार के तरीके शामिल होते हैं, जैसे मीडिएशन और आरबिट्रेशन। इसका उद्देश्य विवाद को जल्दी से सुलझाना होता है। इसमें आप एक मिडिएटर के रूप में काम कर सकते है।

कंटेंट राइटर

अनुभव और एक मजबूत पोर्टफोलियो वाले कानून के छात्रों के लिए लीगल कंटेंट राइटिंग एक प्रोमिसिंग और डायनामिक करियर ऑप्शन है। इसमें आपको काफी हाई पेइंग जॉब्स मिल जाते हैं जो आपके एक्सपीरियंस के अनुसार बढ़ती रहती है। आप सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट बन सकते हैं। इसके साथ-साथ आप लीगल कंसलटिंग और जर्नलिज्म में भी काम कर सकते हैं।

लीगल एडवाइजर

लीगल एडवाइजर के रूप में आप व्यवसायों और संगठनों को कानूनी मामलों पर एक्सपर्ट एडवाइस प्रदान करते हैं। आप इंडिपेंडेंट या कंसल्टेंसी फर्म के जरिए काम कर सकते हैं। लीगल एडवाइजर्स की आज के टाइम में बहुत ज्यादा डिमांड है। सभी बिजनेस को विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विशेष ज्ञान और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

लॉ प्रोफेसर

लॉ प्रोफेसर लॉ स्कूलों में पढ़ाते हैं और लीगल रिसर्च करते हैं। टीचिंग हमेशा से एक नोबल प्रोफेशन रहा है और आप एक लॉ टीचर बन के छात्रों के साथ हमेशा जुड़े रह सकते हैं और उन्हें सही मार्गदर्शन दे सकते हैं। सरकारी कॉलेज में टीचर की सैलरी पैकेज भी बहुत अच्छे होते हैं।



जज एडवोकेट जनरल अधिकारी

यदि आपका सपना इंडियन आर्म्ड फोर्सज ज्वाइन करने का है तो आप लॉ की पढ़ाई के बाद भी इसे ज्वाइन कर सकते हैं। आप जज एडवोकेट जनरल बनकर सेना में शामिल हो सकते हैं। भारतीय सेना का JAG अधिकारी मेजर होता है जो सेना के कानूनी और न्यायिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। एक JAG अधिकारी सैन्य कानून या नीतियों की व्याख्या और उन्हें लागू करने में कोर्ट-मार्शल के पीठासीन अधिकारियों की मदद करता है।





बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस कौन-सा कोर्स बेहतर है

अगर आप भी करना चाहते हैं इंजीनियरिंग तो यह खबर आपके लिए है। बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

12वीं पास छात्र इंजीनियरिंग में करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन समझ नहीं आ रहा किस ब्रांच का चुनाव करना सही है। चिंता छोड़िए और हम आपको बताएंगे कि बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। बीटेक कंप्यूटर साइंस के साथ अब बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स भी मार्केट में काफी डिमांड में है। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

बीटेक कंप्यूटर साइस

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं तो आप कंप्यूटर एप्लीकेशन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डेटा बेस एनालिसिस के लिए बीटेक कंप्यूटर साइस कोर्स कर सकते हैं।

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

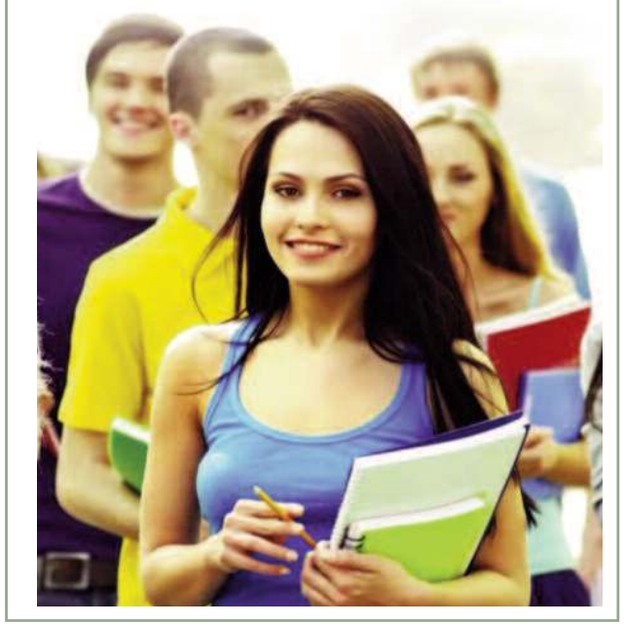
जब से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तब से इसकी काफी डिमांड हो गई है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के जरिए लोग फोटो, लिखना और वॉइस आवाज निकाल रहे हैं। इसकी मांग काफी बढ़ रही है। कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे कोर्स शुरु किए गए हैं।

किस कोर्स में सबसे ज्यादा कमाई

आज के समय को देखा जाए तो बीटेक कंप्यूटर साइंस डिग्री वालों को हाई सैलरी पर नौकरी मिलती है। वहीं, आने वाले समय में बीटके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डिमांड बढ़ने वाली है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस की जानकारी रखने वाले को लाखों का पैकेज मिल सकता है।

कौन कोर्स बेस्ट?

12वीं के बाद छात्रों को टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटके कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस का कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के कई शॉर्ट टर्म कोर्स भी शुरु किए हैं। जिसे आप कर सकते हैं और आपको नौकरी मिल जाएगी।





दुनिया में हर प्रकार का प्राणी हैं। कई लोग मेहनती होते हैं तो कुछ महा-आसली होते हैं। वहीं, कई तो लोग नौकरी के लिए ऑफिस का हर काम करने के लिए तैयार रहते हैं तो कुछ ऑफिस जाने के नाम से ही जी चुराने लगते हैं। अगर आप भी भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो आप घर बैठे इन नौकरियों से कमा सकते हैं लाखों रुपये।

भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो घर बैठे कमा सकते हैं लाखों रुपये

कोरोना काल के बाद से वर्क फ्रॉम होम का कल्चर काफी चल गया है। तब से वर्क कल्चर काफी बदल गया। आज भी कुछ जगह हाइब्रिड मोड में काम चल रहा है। आज भी कंपनियों ने एंप्लॉइज को परमानेंट घर से काम करने की सुविधा दे रखी है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो फिर से ऑफिस में जाकर काम नहीं करना चाहते हैं। इन लोगों को आप चाहे आलसी कहो या फिर घर से काम करने की आदत हो गई है। आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसी नौकरियां जिन्हें आप कर सकते हैं। जहां आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है।

शॉपिंग कंसल्टेंट

आमतौर पर शॉपिंग कंसल्टेंट काफी डिमांड में हैं। बता दें कि, इन्हें आप पर्सनल शॉपर भी कहा जाता है। अगर आपको शॉपिंग का शौक है और स्टाइलिंग तो यह जॉब आपके लिए ही है। नामी इंफ्लुएंसर्स, एक्टर्स, एक्ट्रेसेस और बिजनेसमेन मार्केट में पहचाने जाने की वजह से और बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद शॉपिंग करने नहीं जाते हैं। वह शॉपिंग कंसल्टेंट या पर्सनल शॉपर हायर कर लेते हैं। आप भी कर सकते हैं यह मजेदार जॉब।

बुक रिव्यू जॉब

अगर आप बुक पढ़ने के शौकीन हैं तो आप अपने शौक को अच्छी कमाई में बदल सकते हैं। इस कार्य को आप प्रोफेशनली भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आप जहां से चाहें, वहां से बुक्स रिव्यू कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है। आप खुद भी लेखकों से टाई अप कर सकते हैं या किसी पब्लिशिंग हाउस से बात कर सकते हैं। आप बुक रिव्यू के ब्लॉग्स भी बना सकते हैं।

फूड क्रिटिक

आप खाना-पीने के शौकीन हैं तो यह जॉब आपके लिए है। शुरुआत में आपको अपना नाम बनाने के लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी, फिर आपको रेस्त्रां और कैफे वाले खुद ही इनविटेशन भेजने लगेंगे। फूड क्रिटका काम होता है, खाने-पीने की चीजों का रिव्यू देना। इस कार्य में ईमानदारी होनी चाहिए तभी लोग आपको आपके काम से पहचानेंगे। इस नौकरी में कोई वर्किंग आवर्स निश्चत नहीं होते हैं। आप अपनी मर्जी और शेड्यूल के हिसाब से यह काम कर सकते हैं।

मैट्रेस टेस्टर जॉब

सोना तो सभी को पसंद है, अगर आप भी कुंभकरण की तरह सोते हैं, तो यह जॉब आपके लिए है। आपको सोने के पैसे भी मिलेंगे। दरअसल, गद्दे, तकिए बनाने वाली कई कंपनियां मैट्रेस टेस्टर हायर करने लगी हैं। इनका काम होता है गद्दे पर सोकर इसकी क्वालिटी टेस्ट करना और आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी। वहीं स्लीपिंग पैटर्न पर रिसर्च करने वाले एक्सपर्ट भी लोगों को सोने के बदले लाखों रुपये देते हैं।

वाइन टेस्टिंग जॉब

अगर आप वाइन पीते हैं तो यह नौकरी आपके लिए है। इसे टेस्ट करने से आप अपना घर चला सकते है। विदेशों की तरह अब भारत में भी टेस्टिंग जॉब्स खूब है। बता दें कि वाइन बनाने वाली कंपानियां और बार आदि में वाइन टेस्टर बुलाए जाते हैं। इन्हें नई वाइन पर अपना फीडबैक देना होता है। फ्रेशर के तौर पर आप 10-20 हजार रुपये कमा सकते हैं। कुछ सालों बाद जब अनुभव हो जाएगा तब आप 50 हजार रुपये कमा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बजाज ऑटो का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 1,942 करोड़ रुपए पर



नईदिल्ली, एजेंसी। वाहन विनिर्माता कंपनी बजाज ऑटो ने मंगलवार को कहा कि अप्रैल-जून, 2024 की तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 1,942 करोड़ रुपए हो गया है। बजाज ऑटो ने शेयर बाजार को जून तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,644 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। दोपहिया और तिपहिया विनिर्माता ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका परिचालन राजस्व बढ़कर 11,932 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले की इसी अवधि में यह 10,312 करोड़ रुपए था। इस बीच, कंपनी के निदेशक मंडल ने पांच साल की अवधि के लिए संगीता रेड्डी को कंपनी का अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक) नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

पेटीएम को सेबी से मिला वार्निंग लेटर, लेनदेन को लेकर लगाए गंभीर आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड को शेयर बाजार नियामक सेबी (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की ओर से चेतावनी मिली है। यह चेतावनी वित्तीय वर्ष 2021-2022 में पेटीएम पेमेंट्स बैंक के साथ किए गए संबंधित लेनदेन के मामले में जारी की गई है। सेबी ने 15 जुलाई को लिखे अपने पत्र में कहा कि पेटीएम और पेटीएम पेमेंट्स बैंक के साथ जो अतिरिक्त संबंधित लेन-देन किए हैं, वे ऑडिट कमेटी या शेयरधारकों की मंजूरी के बिना किए गए हैं। सेबी ने जिस मामले को लेकर चेतावनी जारी की है, वे 324 करोड़ रुपए और 36 करोड़ रुपए के लेन-देन से संबंधित हैं। सेबी द्वारा जारी लेटर में कहा गया है कि इन उल्लंघनों को बहुत गंभीरता से देखा गया है। साथ ही सेबी ने पेटीएम को निर्देश दिया कि वह पत्र को अपने बोर्ड के सामने रखे ताकि सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें और उसके बाद 10 दिनों के भीतर कार्रवाई की रिपोर्ट जमा करें।

ईपीओ को मिला 200 गुना से अधिक सब्सक्रिप्शन, जीएमपी में तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट आईपीओ आज बंद हो रहा है। कंपनी के आईपीओ के साइज 17.36 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 13.35 लाख शेयर जारी करेगी। यह एसएमई आईपीओ 12 जुलाई को खुला था। बता दें, कंपनी की लिस्टिंग 22 जुलाई 2024 को संभव है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये से 130 रुपये प्रति शेयर है। आईपीओ का साइज 1000 शेयरों का है। जिस वजह से किसी भी निवेशक को कम से कम 1,30,000 रुपये का दांव लगाना होगा। वहीं, एचएनआई का लॉट साइज 2000 शेयरों का है। ग्रे मार्केट में सति पॉली प्लास्ट आईपीओ की स्थिति शानदार है। ग्रे मार्केट में कंपनी 110 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही स्थिति रहेगी तो कंपनी की लिस्टिंग शानदार हो सकती है।

जब देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है तो बड़े बदलाव की ज़रूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जब सबकुछ सही चल रहा है तो उठा-पटक क्यों की जाए 23 जुलाई को पेश होने वाले बजट की तैयारी कर रहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने यही सवाल है। इस समय देश की जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत है। यह रफ्तार इसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना देती है। ऐसे में क्या किसी बड़े बदलाव की जरूरत है क्यों न थोड़े-बहुत बदलावों के साथ पुराने रास्ते पर चलना ही जारी रखा जाए

बदलाव का समय

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि बड़े बदलाव आम चुनाव के बाद ही किए जाने चाहिए। माना जाता है कि किसी भी चुनावी कार्यकाल के अंतिम दो वर्ष आमतौर पर संभलकर कदम उठाने वाले होते हैं। ऐसे सुधारवादी परिवर्तनों से बचा जाता है, जो लोगों के बीच अलोकप्रिय साबित हो सकते हैं। चुनाव के तुरंत बाद का वक्त बड़े कदम के लिए बिल्कुल सही है। तब अगले चुनाव में पूरे पांच साल बचे होते हैं।

पॉलिसी चेंज

पीएम नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक उच्च आय वाला देश बनाने के लिए बड़े बदलावों के अपने संकल्प के बारे में बात की है। लेकिन उन्होंने साफ नहीं किया कि वे बदलाव क्या होंगे। एक कारण यह हो सकता



है कि वह पॉलिसी चेंज के बारे में बताने से हिचक रहे। ऐसी घोषणा के लिए बजट भाषण अच्छा होता है। एक कारण यह भी हो सकता है कि सरकार के पास अभी बड़े परिवर्तन की योजना नहीं है।

पार्टी का मूड

सचाई यह है कि इस समय भाजपा का मूड कट्टरपंथी बदलाव के बजाय निरंतरता पर है। पार्टी के घोषणापत्र में पिछले पांच वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन का जिक्र किया गया था। लेकिन यह नहीं बताया गया कि किन समस्याग्रस्त क्षेत्रों में तत्काल सुधार करने की जरूरत है। घोषणापत्र का सामान्य संदेश था, हमने पिछले पांच बरसों में बहुत अच्छा काम किया है, जिसकी वैश्विक स्तर पर सराहना हुई है। हम वादा करते हैं कि उस अच्छे काम को जारी रखेंगे, इसलिए प्लीज 'मोदी की गारंटी' के लिए वोट दें।'

परिणाम में संकेत

भाजपा को उम्मीद थी कि वह आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी। '400 से अधिक सीटें जीतने की बात भविष्यवाणी के रूप में नहीं बल्कि प्रेरित करने के लिए कही गई थी। इस पर पार्टी के कुछ ही लोगों को भरोसा था, लेकिन आरामदायक जीत की उम्मीद अधिकांश को थी। चुनाव परिणाम इस उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। पार्टी पूर्ण बहुमत से बहुत पीछे, 240 सीटों तक सिमट गई। लेकिन इसे एक बड़ी असफलता मानने के बजाय पार्टी ने तीसरे टर्म के लिए चुने जाने का जश्न जोर-शोर से मनाया। इससे संकेत मिलता है कि बजट में वही पुरानी बातें होंगी।

क्षेत्रीय समाधान

भाजपा की आर्थिक नीतियों ने पिछले दो वर्षों में वैश्विक उथलपुथल का शानदार तरीके से सामना किया है। इस पर उसे दुनिया भर में काफी प्रशंसा मिली है। आम चुनाव में सीटों में गिरावट की वजह यूपी और राजस्थान थे। ऐसे में बजट में समाधान भी क्षेत्रीय होंगे, राष्ट्रीय नहीं।

सहयोगियों की मांग

नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्यों की वित्तीय समस्याओं को हल करने के लिए विशेष दर्जे की मांग की है। मौजूदा ह्यष्ठ सरकार में उनकी ताकत ज्यादा है, लेकिन शायद मांग पूरी कराने के लिए पर्याप्त नहीं। पहाड़ी सीमावर्ती राज्य विशेष श्रेणी में आते हैं, जिनकी समस्याएं विशेष होती हैं। बिहार और आंध्र प्रदेश इस कैटिगरी में नहीं आते। उनकी समस्याएं खुद की बनाई हुई हैं। नीतीश कुमार ने शराबबंदी लागू की, जिससे राजस्व का बड़ा जरिया खत्म हो गया। इसी तरह आंध्र की वित्तीय समस्याओं के प्रमुख कारणों में से एक है मुफ्त बिजली की योजना। इन दोनों राज्यों को बजट में कुछ अतिरिक्त मिल सकता है, लेकिन विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं मिलेगा।

वित्तीय घाटे में कमी

पिछले वित्तीय वर्ष में राजस्व में उछाल आया, जो चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में भी जारी रहा। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने 2.21 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड घोषित किया है। यह एक ऑलटाइम रेकॉर्ड है। राजस्व में उछाल का मतलब है कि पिछले साल के लिए वित्तीय घाटा जीडीपी का 5.6 प्रतिशत हो सकता है, जबकि अंतरिम बजट में 5.8 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। इन सब बातों का मतलब है कि हालिया बजट के हाई को बनाए रखते हुए भी 2024-25 में वित्तीय घाटे को 5.1 प्रतिशत तक कम करना संभव होगा।

ब्याज का बोझ

राज्यों का वित्तीय घाटा जीडीपी का 2.7 प्रतिशत है। केंद्र और राज्य का संयुक्त घाटा जीडीपी का 7.7 प्रतिशत होगा। इतना बड़ा घाटा कई विकासशील देशों को संकट में डाल सकता है। ढ्ढस्स्र की प्राची मिश्रा ने गणना की है कि भारत अपने पुराने कर्ज पर ब्याज भुगतान में अपने रेवेन्यू का 40 प्रतिशत खर्च करता है। वहीं, उभरते बाजारों में यह औसतन केवल 10 प्रतिशत है। यह संरचनात्मक रूप से ताजा पूंजीगत व्यय (केपेक्स) को सीमित करता है।

किसानों पर फोकस

ग्रामीण संकट की बहुत चर्चा थी। इसके बावजूद आम तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों ने भाजपा के खिलाफ मतदान नहीं किया। 5 साल पहले घोषित पीएम-किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये मिले। इसे इन्फ्लेशन के हिसाब से अडजस्ट नहीं किया गया है, ऐसे में रकम को आठ-नौ हजार रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, भूमिहीन मजदूरों और किरायेदारों को भी जोड़ सकते हैं इसमें। आयकर में छूट की सीमा भी हाल में नहीं बदली गई है। इस सीमा को बस इतना बढ़ाया जा सकता है, जिससे इन्फ्लेशन अडजस्ट हो जाए। कुल मिलाकर, निर्मला सीतारमण को बहुत बड़े बदलाव करने की जरूरत नहीं है।

आम बजट में गांवों को मिलेगी बड़ी सौगात ! आमदनी बढ़ाने पर होगा फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025 के आम बजट में ग्रामीण इलाकों पर बड़ा फोकस दिख सकता है। लोकसभा चुनाव में ग्रामीण इलाकों में लगे झटके और हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए मोदी सरकार पहले से चली आ रही योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाने के अलावा कुछ नई योजनाओं का ऐलान कर सकती है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना, मनरेगा, सड़क निर्माण योजना और पीएम आवास योजना के लिए ज्यादा पैसा दिया जा सकता है। वित्त वर्ष 24 में जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत रही लेकिन एग्रीकल्चर ग्रोथ 1.4 प्रतिशत पर आ गई थी और प्राइवेट फाइनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर केवल 4 प्रतिशत पर रहा। इसमें भी ग्रामीण इलाकों में उपभोग की रफ्तार कम है।



विशेषज्ञों का कहना है कि इसे देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी बजट में ग्रामीण इलाकों पर खास ध्यान दे सकती है। केयरएज की चीफ इकनॉमिस्ट रजनी सिन्हा ने कहा, कंजम्पशन बढ़ाने के लिए ग्रामीण इलाकों में कल्याणकारी योजनाओं पर जोर रहेगा। पीएम आवास योजना ग्रामीण, पीएम ग्राम सड़क योजना, पीएम किसान सम्मान निधि और खेती-बाड़ी के लिए ज्यादा आवंटन किया जा सकता है रोजगार के मौके बढ़ाने के लिए मनरेगा का आवंटन बढ़ाया जा सकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री सोनल बधान ने कहा, अंतरिम बजट में नए कदमों का ऐलान नहीं किया गया था, लेकिन इस बार कुछ घोषणाएं हो सकती है। पीएम किसान सम्मान निधि बढ़ाई जा सकती है सरकार शहरी और ग्रामीण, दोनों को मिलाकर पीएम आवास योजना के लिए आवंटन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है। पीएम कृषि सिंचाई योजना के लिए आवंटन बढ़ सकता है क्रिसिल की प्रिंसिपल इकनॉमिस्ट दीप देशपांडे ने कहा, वित्त वर्ष 2024 में रूरल इनकम और डिमांड घटी थी। इसे बढ़ाने के लिए बजट में असेट बनाने और रोजगार पैदा करने वाली योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाया जा सकता है।

मनरेगा, पीएमएवाय और पीएम ग्रामीण सड़क योजना जैसी योजनाओं के लिए ज्यादा पैसा देने से बड़ी तादाद में ऐसे परिवारों को मदद मिल सकती है, जो खेती-बाड़ी से जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर नहीं है। हालांकि रूरल डिमांड मजबूत करने के लिए ऐसे कदम उठाने होंगे, जिनसे खेती-बाड़ी को मौसम की मार से बचाया जा सके और उन सेक्टरों को सपोर्ट देना होगा, जिनसे आने वाले समय में ज्यादा रोजगार पैदा हो सके।

10 में से 9 ग्राहक फोन कॉल ड्रॉप से परेशान, इंटरनेट कॉल का सहारा, तीनों प्रमुख कंपनियों ने टैरिफ बढ़ाए



नईदिल्ली, एजेंसी। हाल में दूरसंचार कंपनियों की ओर से टैरिफ में 25 फीसदी तक का इजाफा करने के बाद भी इनकी सेवाओं में कोई सुधार नहीं हुआ है। हर 10 ग्राहकों में से 9 ग्राहकों को कॉल ड्रॉप यानी बात करते-करते कॉल कटने का सामना करना पड़ रहा है। इससे निपटने के लिए लोग इंटरनेट कॉल करते हैं। लोकलसर्किल्स के सर्वे के मुताबिक, मार्च से जून के बीच कॉल ड्रॉप के मामले बढ़े हैं।

362 जिलों में 32,000 लोगों के साथ किए गए सर्वे में कहा गया है कि 89 प्रतिशत लोगों में से 38 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिन्हें 20 फीसदी फोन कॉल कटने का सामना करना पड़ा है। 17 प्रतिशत ने कहा, उनको करीब 50 फीसदी कॉल के दौरान फोन कट जाने की समस्या का सामना करना पड़ता है। 21 प्रतिशत ने कहा, उनके 20-50 प्रतिशत कॉल कट जाते हैं या अचानक कनेक्शन टूट जाता है।

90 दिन में पैसा किया डबल, अप्रैल में आया था कंपनी का आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारती हेक्साकॉम ने आईपीओ से अबतक निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। अब कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर भी एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आज कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर इंट्रा-डे हाई तक 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल कर चुके थे। बीएसई में भारती हेक्साकॉम के शेयर 1123 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 1165 रुपये है। जोकि कल की क्लोजिंग की तुलना में 9 प्रतिशत से अधिक है। बता दें, कंपनी के शेयर 12 बजे के करीब 5.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 1125 रुपये के लेवल पर बीएसई में ट्रेड कर रहे थे। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार एक्सपर्ट इस स्टॉक को लेकर बुलिश हैं। जेपी मॉर्गन ने 1280 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस ने 1280 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। वहीं, जेफरिज ने 'बाय' से रेटिंग घटाकर 'होल्ड' कर दिया है। वहीं, टारगेट प्राइस 1290 रुपये से घटाकर 1200 रुपये कर दिया है। भारती हेक्साकॉम का 52 वीक हाई 1368.85 रुपये और 52 वीक लो लेवल 755.20 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 56,232.50 करोड़ रुपये का है।

कमाई का बेहतरीन मौका, खरीद लें 8 लार्ज कैप शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट से पहले एनॉलिसिस में घरेलू ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने को उम्मीद है कि एनडीए के सत्ता में वापसी के बाद समग्र आर्थिक गति को आगे बढ़ाने के लिए सरकार नीतिगत निरंतरता जारी रखेगी। ब्रोक्रेज के मुताबिक सरकार बुनियादी ढांचे, पूंजीगत व्यय और विनिर्माण पर निरंतर ध्यान केंद्रित करेगी। ऐसे में आगामी बजट के लिए लार्ज-कैप सेगमेंट से 8 चुने हैं। आइए एक नज़र डालते हैं...

आईसीआईसीआई बैंक: मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल ने आईसीआईसीआई बैंक का टार्गेट प्राइस 1,350 का रखा है, जो 8.5 प्रतिशतकी बढ़त दर्शाता है। अभी यह 1260 रुपये करीब ट्रेड कर रहा है। ब्रोक्रेज फर्म का यह अनुमान है कि निकट भविष्य में मार्जिन सीमित दायरे में रहेगा, लेकिन परिचालन लाभ आय वृद्धि का समर्थन करने के लिए एक लीवर के रूप में उभर रहा है।

एचसीएल टेक : ब्रोकरेज ने एचसीएल टेक का टार्गेट प्राइस 1,710 रुपये को ध्यान में रखते हुए खरीदारी की सलाह दी है। मोतीलाल ओसवाल स्ख्सस्र ने कहा कि श्चक्रष्ठ क्षेत्र में इसकी मजबूत क्षमताएं , मजबूत आउटसोर्सिंग अवसरों के साथ डिजिटल इंजीनियरिंग राजस्व को बढ़ाने के लिए निरंतर निवेश से भविष्य में टिकाऊ और अनुमानित ग्रोथ मिलनी चाहिए।

कोल इंडिया: ब्रोकरेज ने कोल इंडिया के लिए 550



का टार्गेट प्राइस रखा है। आज यह 512 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा है। कोल इंडिया मेटल और माइनिंग सेक्टर में मोतीलाल ओसवाल की टॉप पसंद बनी हुई है। मजबूत वॉल्यूम आउटलुक, ई-नीलामी प्रीमियम और कम लागत के साथ इसके लिए आउटलुक सकारात्मक बना हुआ है।

एसबीआई : ब्रोकरेज ने 1,015 का टार्गेट प्राइस रखा है, जो 19.5 प्रतिशतकी उछाल दर्शाता है। आज यह 880 के करीब कारोबार कर रहा है। ब्रोकरेज ने कहा कि मजबूत देयता प्रोफाइल, एक बेहतरीन सीडी अनुपात और मजबूत तकनीकी क्षमताएं एसबीआई को विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में रखती हैं।

एलएंडटी: इस घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने 4,150 का टार्गेट रखा है, जो लगभग 14 प्रतिशतकी बढ़त दिखा रहा है। आज यह 3627 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। एमओएसएल का मानना है कि चुनावों के बाद डोमेस्टिक फ्लो में तेजी, अगली कुछ तिमाहियों में कम मार्जिन वाली विरासत परियोजनाओं का पूरा होना और कार्यशील पूंजी में निरंतर कमी और परिणामस्वरूप आरओसीई में सुधार की उम्मीद है। इसे वित्त वर्ष 24-26ई में 20 प्रतिशतपीएटी सीएजीआर की उम्मीद है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा: ब्रोकरेज ने 3,300 का टार्गेट रखा है, जो लगभग 21 प्रतिशतकी वृद्धि दर्शाता है। ब्रोकरेज ने कहा कि रिटर्न पर स्पष्ट ध्यान देने के साथ विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन जारी रखने से स्टॉक री-रेटिंग होगी।

मैनकाइंड फार्मा : ब्रोकरेज फर्म ने 2,650 का टार्गेट रखा है, जो 23 प्रतिशतसे अधिक की तेजी दिखाता है। अपनी मजबूत ब्रांड आउटलुक स्थायी आय वृद्धि और बेहतर रिटर्न अनुपात को देखते हुए मोतीलाल ओसवाल को वित्त वर्ष 24-27 में 16 प्रतिशतआय ष्टत्रक्रकी उम्मीद है।

चोला इन्वेस्ट: ब्रोकरेज ने 1,660 का टार्गेट रखा है, जो लगभग 17 प्रतिशतकी उछाल दर्शाता है। एमओएसएल ने कहा, चोला वर्तमान में आठ फिनटेक भागीदारों के साथ सहयोग करता है, जिनके पास अपने संबंधित प्लेटफार्मों पर अच्छा पैमाना है।

कभी 5 दिहाड़ी पर करते थे नौकरी, आज हर घंटे 2,500 की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के एक छोटे से गांव से आने वाले रविंद्र मेटकर ने सिर्फ 16 साल की उम्र में मुर्गी पालन शुरू किया था। आज 55 साल की उम्र में वो रोजाना 60,000 रुपये तक कमाते हैं। उनके पिता चपरासी थे। परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। रविंद्र ने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने पोल्ट्री व्यवसाय में सफलता हासिल की। उनके सफर में कई उतार-चढ़ाव आए। लेकिन, उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

रविंद्र ने 16 साल की उम्र में एक केमिस्ट की दुकान में काम करना शुरू किया, जहां उन्हें सिर्फ 5 रुपये रोज मिलते थे। अपनी आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और पैसों की कमी के कारण अक्सर कॉलेज पैदल ही जाते थे। उनके एक पड़ोसी ने मुर्गी पालन में सफलता हासिल की थी। इससे प्रेरित होकर रविंद्र ने भी इसे आजमाने का फैसला किया।

साल 1984 में रविंद्र ने अपने पिता के प्रोविडेंट फंड से 3,000 रुपये लेकर 100 मुर्गियों के साथ अपना पोल्ट्री व्यवसाय शुरू किया था। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी और 1994 तक उनके पास 400 मर्गियां



हो गईं। इस दौरान उन्होंने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी और 1992 में कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की।

आगे चलकर रविंद्र मेटकर ने शादी कर ली और अमरावती में एक एकड़ जमीन खरीदकर अपना व्यवसाय बढ़ाया। उन्होंने बैंक से 5 लाख रुपये का कर्ज लिया और 4,000 मुर्गियों के लिए अपना फार्म स्थापित किया। उनका व्यवसाय फलता-फूलता रहा और उन्होंने अपने घर का पुनर्निर्माण भी कराया। धीरे-धीरे उन्होंने अपने फार्म का विस्तार 12,000 मुर्गियों तक कर लिया। साल 2006 में भारत में बर्ड फ्लू फैलने से पोल्ट्री उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ। रविंद्र को अपने 16,000 ब्रॉयलर भारी नुकसान पर बेचने पड़े। इस झटके के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2008 में 25 लाख रुपये का कर्ज लेकर 20,000 मुर्गियों के साथ अपना व्यवसाय फिर से शुरू किया। आज रविंद्र का फार्म 50 एकड़ में फैला हुआ है। उनके पास 1.8 लाख मुर्गियां हैं। उनका पोल्ट्री व्यवसाय फल-फूल रहा है। इससे उन्हें रोजाना 60,000 रुपये तक की कमाई होती है।

55 के एनर्जी शेयर पर टूट पड़े निवेशक, 92 लाख शेयरों की हुई डील, अब 22 जुलाई है अहम दिन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को ब्लॉक डील के चलते फोकस में हैं। कंपनी के शेयर इंट्रा डे में 1.4 प्रतिशतचढ़कर 55.40 रुपये पर पहुंच गए थे। ब्लॉक डील में स्टॉक लगभग 92 लाख शेयर या कंपनी की कुल इक्विटी का 0.08 प्रतिशतकई बड़े ट्रेडों में बदले गए। कुल ट्रांजेक्शन 50 करोड़ का बताया जा रहा है। इधर, सुजलॉन एनर्जी ने सोमवार को बाजार बंद होने के बाद तिमाही नतीजों की तारीख की घोषणा की। कंपनी ने कहा है कि रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 22 जुलाई, सोमवार को अपने नतीजों की घोषणा करेगी।

घरेलू ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने सुजलॉन एनर्जी पर 54 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ बाय की रेटिंग दी है, जो पहले ही पूरा हो चुका है। जेएम फाइनेंशियल का मानना है कि डब्ल्यूटीजी की कम कमीशनिंग के बावजूद अधिक डिस्पैच के कारण सुजलॉन एनर्जी का नेट रेवेन्यू सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर 1,832.1 करोड़ हो जाएगा। तिमाही के लिए एबिटा 38 फीसदी बढ़कर 239.2 करोड़ रुपये हो सकता है और एबिटा मार्जिन 13.1 फीसदी तक गिर सकता है। ब्भ्भ सालाना



आधार पर 61 फीसदी बढ़कर 162.2 करोड़ रुपये हो सकता है। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को ब्लॉक डील के चलते फोकस में हैं। कंपनी के शेयर इंट्रा डे में 1.4 प्रतिशतचढ़कर 55.40 रुपये पर पहुंच गए थे। ब्लॉक डील में स्टॉक लगभग 92 लाख शेयर या कंपनी की कुल इक्विटी का 0.08 प्रतिशतकई बड़े ट्रेडों में बदले गए। कुल ट्रांजेक्शन 50 करोड़ का बताया जा रहा है। इधर, सुजलॉन एनर्जी ने सोमवार को बाजार बंद होने के बाद तिमाही नतीजों की तारीख की घोषणा की। कंपनी ने कहा है कि रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 22 जुलाई, सोमवार को अपने नतीजों की घोषणा करेगी। घरेलू ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने सुजलॉन एनर्जी पर 54 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ बाय की रेटिंग दी है, जो पहले ही पूरा हो चुका है। जेएम फाइनेंशियल का मानना है कि डब्ल्यूटीजी की कम कमीशनिंग के बावजूद अधिक डिस्पैच के कारण सुजलॉन एनर्जी का नेट रेवेन्यू सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर 1,832.1 करोड़ हो जाएगा। तिमाही के लिए एबिटा 38 फीसदी बढ़कर 239.2 करोड़ रुपये हो सकता है और एबिटा मार्जिन 13.1 फीसदी तक गिर सकता है। PAT सालाना आधार पर 61 फीसदी बढ़कर 162.2 करोड़ रुपये हो सकता है। मंगलवार के कारोबारी सेशंस में सुजलॉन के शेयरों में बढ़त और गिरावट के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पिछले एक महीने में स्टॉक 10 प्रतिशतबढ़ा है। 2023 के बाद स्टॉक प्राइस लगभग तीन गुना हो गया। 2024 में अब तक शेयरों में 44 प्रतिशतकी बढ़ोतरी है। मार्च में 10 प्रतिशतऔर फरवरी में 1.5 प्रतिशतकी गिरावट के बाद अब स्टॉक लगातार चार महीनों में बढ़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल का 15 दिन में तीसरा बड़ा हमला : गाजा स्कूल पर एयरस्ट्राइक में 57 शर्णार्थियों की मौत



गाजा, एजेंसी। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच कुछ देर के लिए थम चुकी जंग एक बार फिर उग्र रूप ले रही है। इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की जिसमें 57 की मौत हो गई और 73 से ज्यादा लोग घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र के इस स्कूल में शरणार्थियों को रखा गया था। गाजा के खान यूनुस में नासिर अस्पताल घायलों से भर चुका है। पिछले हफ्ते ही इजराइली सेना ने फिलिस्तीन लोगों को खान यूनिस को खाली करने का आदेश दिया था। इसके बाद वहां 3 बड़े अस्पतालों को बंद करना पड़ा था। ये 15 दिन में इस तरह का तीसरा हमला है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे खतरनाक कदम बताया है। साथ ही कहा है कि खान यूनिस से लोगों को निकालने के लिए और ज्यादा समय देने चाहिए। इस दौरान इजराइल शरणार्थियों पर हमला नहीं करे। इजराइली सेना ने 6 जून को बताया था कि उसने गाजा के स्कूलों पर तीन हमले किए गए थे।इजराइली सेना ने बताया कि 6 जुलाई को भी उसने गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की थी जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 75 से ज्यादा घायल हो गए थे। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र का था, जहां शरणार्थियों को रखा गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजराइली सेना ने पहले स्कूल को चारों ओर से घेरा और फिर उस पर हमला कर दिया। इजराइल के हमले से स्कूल की इमारत नीचे गिर गई, जिसमें रह रहे बच्चे दब गए। स्थानीय लोग ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। जिसमें दो बच्चों को बचा लिया था, उसमें से एक बच्ची की हाथ में गंभीर चोट आई थी। वहीं दूसरे बच्चे के चेहरा और सिर पर कई चोट के निशान थे। बता दें कि इजराइल-हमास जंग के बीच पिछले 9 महीने से जंग जारी है। इसमें अब तक 38 हजार फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है, इनमें 14,500 बच्चे शामिल हैं। वहीं गाजा के करीब 80ल लोग बेघर हो गए। यह जंग अब मिस्र बॉर्डर के करीब गाजा के राफा शहर पहुंच गई है।

पाकिस्तान में खदान ढहने से 3 कोयला खनिकों की मौत, 4 घायल

पेशावर , एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक कोयला खदान ढह जाने से तीन कोयला खनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना पेशावर से 35 किमी दक्षिणपश्चिम में दर्रा एडम खेल शहर में हुई। अधिकारियों ने बताया कि खनिक खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के शांगला जिले के रहने वाले थे। घटना के तुरंत बाद ही आपातकालीन बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। तीनों श्रमिकों के शवों को बाहर निकाल लिया गया है। जबकि चारों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए केपीके के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायल खनिकों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की।

ओमान तट पर तेल टैंकर डूबा, 13 भारतीयों समेत चालक दल के 16 सदस्य लापता

दुबई, एजेंसी। अफ्रीकी देश कोमोरोस के झंडे वाला एक तेल टैंकर ओमान के तट पर डूबने के बाद लापता हो गया, जिससे उसमें सवार चालक दल के 16 सदस्य लापता हो गए, जिनमें 13 भारतीय भी शामिल हैं। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने सोमवार को 'एक्स% पर एक पोस्ट में बताया कि टैंकर दुक्म शहर में रस मदराकाह से 25 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में डूबा और संबंधित प्राधिकारियों के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। समुद्री सुरक्षा केंद्र ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि 'प्रेस्टीज फाल्कन% जहाज के चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं। इसमें कहा गया है, ''जहाज के चालक दल के सदस्य अब भी लापता हैं। उनका पता लगाने के लिए तलाश अभियान जारी है। जहाजरानी वेबसाइट 'मरीन ट्रैफिक डॉट कॉम के अनुसार, यह जहाज दुबई के हमरिया बंदरगाहर से रवाना हुआ था और यमन के बंदरगाह शहर अदन की ओर जा रहा था।

दक्षिणी पेरू में दर्दनाक सड़क हादसा, 200 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 21 लोगों की मौत

लीमा, एजेंसी। दक्षिणी पेरू के अयाकुचो क्षेत्र में मंगलवार को एक यात्री बस दुर्घटना में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और लगभग 20 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य समाचार एजेंसी एंडिना की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय पुलिस सड़क सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख जॉनी रोलैंडो वाल्डेरामा ने कहा कि अंतरप्रांतीय बस पारस जिले, कैंगलो प्रांत, अयाकुचो क्षेत्र में सड़क से उतर गई और लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। वाल्डेरामा ने कहा कि अनौपचारिक रूप से, मरने वालों की संख्या 21 है। उन्होंने कहा कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार आज सुबह 05:00 बजे के आसपास हुई, जो लॉस लिबटरडोरेस राष्ट्रीय राजमार्ग पर रूमीचाका शहर के बहुत करीब है, जो हुआनकेवेलिका और अयाकुचो क्षेत्रों की सीमा को पार करता है।

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा, पृथ्वी पर तेजी से गहरा रहा तिहरा संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर मौजूदा दौर में ऐसे आठ महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिनसे पृथ्वी पर मंडराते तिहरे संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कचरा) के गहराने की गति तेज हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) की एक नई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष साझा किया गया है।

कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता : संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ़्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।

मानव गतिविधियों की वजह से नुकसान : मानव गतिविधियों की वजह से प्राकृतिक जगत का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी टैक्नॉलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है। वैश्विक अग्रदृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं, जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है।



18 संकेतकों की पहचान : इन आठ बड़े बदलावों के साथ-साथ इस रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है, जिन्हें वैश्विक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय व हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। ये संकेतक भविष्य में संभावित व्यवधानों के प्रति सचेत करते हैं, ताकि दुनिया इनसे निपटने के लिए पहले से तैयार कर सके।

इनमें अति-महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, खनिजों व धातुओं के लिए बढ़ती मांग, गहरे समुद्र और स्ट्रैटोस्फ़ेयर से परे अंतरिक्ष में खनन की योजनाएं हैं। मगर, इन सभी गतिविधियों से प्रकृति व जैवविविधता के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदूषण व कचरा बढ़ सकता है।

पर्माफ्रोस्ट पिघल रही : गर्माती जलवायु के कारण 'पर्माफ्रोस्ट', कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह, पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं व मनुष्यों पर असर हुआ है। इस प्रक्रिया से पुरातन काल से जमे हुए ऐसे जीव बाहर आ रहे हैं, जोकि रोगजनक हो सकते हैं। एक बार पहले ही यह रूस के विशाल साइबेरिया क्षेत्र में एंथ्रैक्स के प्रकोप की वजह बन चुका है। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है।सशस्त्र टकरावों व हिंसा के उभरने, मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर असर के अलावा जबरन विस्थापन मामलों को बदलाव के अहम संकेतम के रूप में चिह्नित किया गया है। इन उभरते हुए संकटों के बावजूद, रिपोर्ट बताती है कि बेहतर समाधानों व उपकरणों को साथ लेकर चलना, भावी व्यवधानों को समझने और उनसे निपटने की तैयारी करने का सर्वोत्तम तरीक़ा है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद के प्रमुख पीटर ग्लुकमैन ने कहा, अग्रदृष्टि औजारों के एक उपयोगी पुलिन्दे को प्रदान करती है, ताकि अल्पकालिक समझ से बाहर निकल, भावी अवसरों व जोखिमों को चिह्नित किया जा सके और इसे वास्तव में बहुलतापूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए।

उपायों पर फिर से सोचना जरूरी इन बहुलवादी तौर-तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए अनेक सिफरिशों को पेश किया गया है, जिनमें एक नए सामाजिक अनुबंध को अपनाया जाना भी है, ताकि विविध हितधारकों के साथ संपर्क व बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके। इनमें आदिवासी जन को शामिल करना, युवजन को अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान करना और सकल घरेलू उत्पाद से आगे बढ़ करके प्रगति के लिए उपायों को फिर से सोचना भी हैं। यूनेप प्रमुख ऐंडरसन ने कहा कि बदलाव के इन संकेतकों की निगरानी और अग्रदृष्टि तौर-तरीकों के इस्तेमाल के जरिये, दुनिया अतीत की गलतियों को दोहराने से बच सकती है।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार, विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार दिया गया है। मेनेंडेज पर अपने पद के गलत इस्तेमाल और उद्योगपतियों को गलत फायदा पहुंचाने के एवज में रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है। न्यूयॉर्क सिटी की एक संघीय अदालत ने बॉब मेनेंडेज को दोषी करार दिया।

विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप नौ हफ्ते तक चली सुनवाई के बाद अभियोजकों ने बॉब मेनेंडेज के खिलाफ सबूत पेश किए। जिनमें दावा किया गया कि न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सांसद बॉब मेनेंडेज ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही अपने सहयोगियों को आपराधिक जांच से बचाया और अपने सहयोगियों और अपनी पत्नी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया। बॉब मेनेंडेज पर मिस्त्र के खुफिया विभाग के अधिकारियों से मिलने के भी आरोप लगे थे। आरोप था कि बॉब मेनेंडेज ने मिस्त्र को अमेरिका से करोड़ों डॉलर की सैन्य मदद दिलाने में मदद की। इसके चलते मेनेंडेज पर विदेशी एजेंट होने के भी आरोप लगे थे। इस्तीफे की उठी मांग बॉब मेनेंडेज पर विदेशी सरकारों और व्यापारिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के एवज में सोने की छड़ें, एक मर्सिडीज कार और लाखों डॉलर नकद स्वीकार करने का आरोप था। बॉब मेनेंडेज कभी अमेरिकी संसद की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष थे और अमेरिकी संसद के वरिष्ठ सांसदों में उनका शुमार होता है। न्यूयॉर्क की ज्यूरी ने 70 वर्षीय बॉब मेनेंडेज को मंगलवार को सभी 16 मामलों में दोषी ठहराया। साथ ही मेनेंडेज के सहयोगी वेल हाना और फ्रेड डेब्स को भी दोषी ठहराया गया। बॉब मेनेंडेज को रिश्वत मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद डेमोक्रेट नेता चक शूमर ने उनके इस्तीफे की मांग की है। सीनेट में दूसरे नंबर के नेता डेमोक्रेट सीनेटर डिक डर्बिन ने भी मेनेंडेज से इस्तीफा मांगा है।

मिस्त्र को फायदा पहुंचाने के आरोप अभियोजकों ने कहा कि सीनेटर मेनेंडेज ने मिस्त्र सरकार की ओर से एक विदेशी एजेंट के रूप में काम करने की साज़िश रची थी, जो अमेरिकी सैन्य सहायता के सबसे बड़े प्राप्तकर्ताओं में से एक है। मेनेंडेज़ पर आरोप है कि उन्होंने 2018 में व्यक्तिगत रूप से एक पत्र का मसौदा तैयार किया था, जिसे बाद में मिस्त्र के एक लॉबिस्ट ने सीनेटरों को भेजा था।

पाकिस्तान झेल रहा कंगालीयौम-ए-इस्तेहसाल कार्यक्रम से सरकारी खजाने पर बढ़ता है बोझ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बहुत खराब स्थिति में है और इसकी अधिकांश आबादी खाद्य मुद्रास्फीति के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। फिर भी, इस्लामाबाद की प्राथमिकता पड़ोसी भारत के साथ दुश्मनी भड़काना है। पाकिस्तान सरकार 'यौम-ए-इस्तेहसाल' मनाने पर भारी रकम खर्च कर रही है। यह जम्मू और कश्मीर राज्य के विशेष दर्जे को खत्म करने के भारत के फैसले की निंदा करने का कार्यक्रम है। यह हर साल 5 अगस्त को मनाया जाता है। इस्लामाबाद ने 'यौम-ए-इस्तेहसाल' कार्यक्रम को सिर्फ पाकिस्तानी शहरों तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि विभिन्न देशों के दूतावासों को इस वर्षगांठ को मनाने का निर्देश दिया है। दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, नेपाल, ऑस्ट्रिया, किर्गिस्तान, मालदीव, म्यांमार, कजाकिस्तान, कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, जापान और घाना उन देशों में शामिल हैं, जहां इस्लामाबाद ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न देशों में पाकिस्तानी दूतावास नियमित रूप से यौम-ए-इस्तेहसाल कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय पर हमेशा से ही अत्यधिक खर्च करने का आरोप लगता रहा है।

जहां डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी का चल रहा कन्वेंशन, वहां एक हमलावर ढेर, एके-47 राइफल के साथ एक अन्य गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास पुलिस ने एक व्यक्ति को ढेर कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस व्यक्ति को पुलिसकर्मियों ने गोलियों का निशाना बनाया, वह चाकू लेकर झगड़ा कर रहा था। जिस पर पांच पुलिसकर्मियों ने उसे गोली मार दी। गौरतलब है कि मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद हैं। ट्रंप पर हाल ही में जानलेवा हमला हुआ था, जिसके बाद रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस कन्वेंशन में ही पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर आधिकारिक मुहर लगी। साथ ही इस कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति पद के लिए पार्टी की तरफ से जेडी वैंस के नाम पर भी सहमति बनी।

अश्वेत था मारा गया व्यक्ति : मारा गया व्यक्ति एक बेसहारा अश्वेत व्यक्ति था। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 43 वर्षीय सैमुअल शार्पे के रूप में हुई है। वह दोनों हाथों में चाकू पकड़े हुए था और विंस्कोसिन में हो रहे रिपब्लिकन कन्वेंशन स्थल के नजदीक एक निहत्थे व्यक्ति पर हमला करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान पुलिस ने शार्पे पर गोली चला दी। घटनास्थल से दो चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने दूसरे व्यक्ति की जान बचाने के लिए शार्पे पर गोली



चलाई। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की।

एके-47 राइफल के साथ व्यक्ति गिरफ्तार : रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के पास ही पुलिस ने एक हथियारबंद व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। आरोपी एके-47 राइफल के साथ मास्क पहने हुए पकड़ा गया। आरोपी के पास से एक बैग भी बरामद किया गया है, जिसमें से कारतूस की एक पूरी मैगजीन भी मिली है। मिल्वौकी में चल रहा रिपब्लिकन पार्टी का कन्वेंशन चार दिवसीय है, जो सोमवार को शुरू हुआ था। आज कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस संबोधित करेंगे, वहीं आखिरी दिन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप संबोधन देंगे।

पेंसिल्वेनिया की रैली के दौरान ट्रंप पर हुआ था जानलेवा हमला यह कन्वेंशन ऐसे समय हो रहा है, जब बीते रविवार को ही पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे, लेकिन इसने अमेरिकी राजनीति में भूचाल ला दिया। पूरे देश में ट्रंप को लेकर सहानुभूति की लहर चल पड़ी है। अब जब पूरी दुनिया की नजरें इस कन्वेंशन पर लगी हैं तो बुधवार को यहां एक और अप्रिय घटना घटी, जब एक हमलावर को पुलिस ने ढेर कर दिया। अभी इसे लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ पाई है और पुलिस जांच में जुटी है।

वहीं पेंसिल्वेनिया की रैली में ट्रंप पर हमला करने वाले आरोपी को सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने मौके पर ही ढेर कर दिया था। हमलावर की पहचान थॉमस क्रुक्स (20 वर्षीय) के रूप में हुई थी। हमलावर रिपब्लिकन पार्टी का ही समर्थक था।

रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया ऐसा जोशीला भाषण, एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन कन्वेंशन में बुधवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं। विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है। विवेक रामास्वामी ने दिया जबरदस्त भाषण रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं



बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है। रामास्वामी ने कहा कि अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है। मस्क ने की तारीफ विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की। विवेक रामास्वामी के भाषण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि बहुत अच्छी बात कही। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत सोमवार से हुई थी। मंगलवार को रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन अप्रवासन का मुद्दा उठा। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे में अवैध अप्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम है। इस मुद्दे की वजह से रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता में भी उछाल आया है। मंगलवार को उन परिवारों के बारे में जिक्र किया गया, जो अवैध अप्रवासियों द्वारा किए गए अपराध के पीड़ित हैं। इन्हीं में से एक मैरीलैंड की एक महिला राहेल मोरिन का परिवार भी शामिल हैं। मोरिन को अल सल्वाडोर के एक अवैध अप्रवासी ने दुष्कर्म के बाद मार डाला था। ट्रंप अक्सर अपनी रैलियों में भी ऐसी घटनाओं को उठाते रहे हैं।

कमला हैरिस हो सकती हैं अमेरिका की राष्ट्रपति! बाइडन ने सियासी गलियारों में चल रही चर्चाओं को दी हवा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। एक तरफ रिपब्लिकन ने अपने उम्मीदवार के रूप में डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा है। वहीं डेमोक्रेट्स ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया है। ऐसे में फिलहाल जो बाइडन और कमला हैरिस के नाम को लेकर संदेह बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट में सामने आया है कि पार्टी के भीतर बाइडन को हटाने की मांग चल रही है। इस बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद कुछ ऐसा कह दिया कि सियासी गलियारों में हलचल पैदा हो गई है।

चुनाव की दौड़ से हटाने की मांग : बाइडन ने एनएएसीपी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन सकती हैं। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्हें चुनाव की दौड़ से हटाने को लेकर लगातार मांग चल रही है। 81 साल के डेमोक्रेट्स नेता ने मजे लेते हुए कहा, वह न केवल एक अच्छी उपराष्ट्रपति ही हैं, बल्कि अमेरिका की राष्ट्रपति भी हो सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार : राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, अगर बाइडन हट जाते हैं, तो हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे स्पष्ट उम्मीदवार होंगी।



हालांकि, बाइडन प्रशासन में अपनी भूमिका नहीं बना पाने के लिए अक्सर उनकी आलोचना की जाती रही है। माना जाता है कि अगर बाइडन इस्तीफा देने का फैसला करते हैं, तो हैरिस ही उनकी जगह लेने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में होंगी। हालांकि, बाइडन ने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि वह चुनाव से बाहर होने की योजना बना रहे हैं। पहले से ही बना ली 100 दिनों की कार्य योजना यहां तक कि राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से कहा कि उन्होंने पहले से ही दूसरे कार्यकाल के शुरुआती 100 दिनों की योजना बना ली है। उनमें से एक यह है कि वे मतदान-अधिकार कानून पर हस्ताक्षर करेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। डोनाल्ड ट्रंप पर जो बाइडन का हमला इस बीच, जो बाइडन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जमकर हमला किया। नेवादा में एक सभा के दौरान डेमोक्रेट नेता ने कहा, हमारी राजनीति हिंसा से जुड़ी है।

अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं, ट्रंप पर हुए हमले के बाद बंदूक संस्कृति के खिलाफ बाइडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुख्य उम्मीदवार माने जा रहे हैं। पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने अमेरिका में बंदूक संस्कृति को लेकर एक बड़ा बयान दिया। बाइडन ने कहा कि अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। उन्होंने यह बयान लास वेगस में एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में बुधवार को दिया।

एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से अमेरिका की सड़कों से हथियार हटाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी आलोचना की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है। अगर हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं तो यह कायरता है। अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहते हैं तो युद्ध के इन हथियारों को अमेरिका की सड़कों से हटाने के लिए मेरे साथ शामिल हों।

बाइडन ने की ट्रंप की नीतियों की आलोचना : पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की



टैक्स कटौती की। ऐसा करने से अमीर और बड़े निगम को बहुत लाख हुआ। यह किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल में संघीय टैक्स में भारी वृद्धि है। उन्होंने ट्रंप को महामारी के कुप्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, हमें जो करना चाहिए, इसके लिए उन्होंने (ट्रंप) कोई जगह नहीं छोड़ी। उन्होंने उन चीजों में निवेश किया, जो लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। महामारी का यह कुप्रबंधन काले लोगों के लिए विनाशकारी था। बाइडन ने आगे कहा, जैसा कि हैरी ट्रूमैन ने कहा था, मैंने कभी किसी को नरक नहीं भेजा। मैंने केवल सच कहा, और सभी को लगा कि यह नरक है। खैर, बात ये है कि क्यों डौनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल काले लोगों के लिए नरक बन गया था?

राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए जेडी वेंस को अपने साथी के रूप में चुना। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करके वेंस की उम्मीदवारी की पुष्टि की। राष्ट्रपति बाइडन ने पिछले साल अपना चुनाव अभियान शुरू किया था, जबकि ट्रंप ने नवंबर 2022 में चुनाव अभियान शुरू किया।

रोहित श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में करेंगे वापसी!

आईपीएल खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर की भी टीम में हो है सकती वापसी



नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंकाई दौरे को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. रोहित शर्मा वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं. वहीं इस सीरीज में केकेआर को अपनी कप्तानी में आईपीएल खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर की भी टीम में वापसी हो सकती है. श्रेयस अय्यर के साथ गंभीर का केकेआर कनेक्शन भी है. वहीं विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की श्रीलंका के खिलाड़ी खेलने की संभावना नहीं है. दूसरी ओर रोहित शर्मा इस सीरीज में नहीं खेलते हैं, तो केएल राहुल कप्तानी के लिए संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं.

एक रिपोर्ट में श्रीलंकाई दौरे के लिए वनडे को लेकर इस बात की संभावना व्यक्त की गई है. रिपोर्ट में बताया गया है कि गौतम गंभीर ने नेशनल सेलेक्शन कमेटी के साथ बैठक की. इस बैठक को प्रोडक्टिव मीटिंग कहा गया है. यह मीटिंग एक घंटे से अधिक समय तक चली. मंगलवार दोपहर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित इस बैठक में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और सेलेक्शन कमेटी के सदस्य, खुद गौतम गंभीर और सचिव जय शाह शामिल थे. जय शाह ने ही यह बैठक बुलाई थी. बैठक ऑनलाइन हुई, इसमें गंभीर ने नई दिल्ली में अपने घर से इसमें हिस्सा लिया. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मीटिंग परिचय के लिए थी. लेकिन सेलेक्शन कमेटी के मेंबर्स और नए कोच ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य और श्रीलंका में आगामी व्हाइट बॉल सीरीज के लिए टीम के कम्पोजिशन को लेकर बात की. एक कोच के रूप में गंभीर ने सेलेक्शन कमेटी को अपने इनपुट दिए कि उन्हें किस तरह के खिलाड़ी चाहिए.

रोहित अमेरिका में मना रहे हैं छुट्टियां

गंभीर ने हाल में कहा था कि उन्हें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहें, लेकिन उन्होंने बैठक के दौरान इस बात पर जोर नहीं दिया. वहीं इस मीटिंग से ऐसे कुछ संकेत हैं कि रोहित शर्मा अगस्त में होने वाले तीन वनडे मैचों के लिए खुद को उपलब्ध करा सकते हैं. यह देखते हुए कि अगले फरवरी-मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले बहुत अधिक वनडे मैच नहीं हैं, रोहित इन मैचों में खेलने का फैसला कर सकते हैं. वर्तमान में रोहित अमेरिका में छुट्टियां मना रहे हैं. अगर रोहित खेलने का फैसला करते हैं तो निस्संदेह वह टीम की कप्तानी करेंगे. हालांकि, जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी, जिन्हें श्रीलंका सीरीज के लिए आराम दिया गया है, उनके खेलने संभावना नहीं है.

भारत-श्रीलंका का शेड्यूल

27 जुलाई	पहला टी20, पल्लेकेल
28 जुलाई	दूसरा टी20, पल्लेकेल
30 जुलाई	तीसरा टी20, पल्लेकेल
2 अगस्त	पहला वनडे, कोलंबो
4 अगस्त	दूसरा वनडे, कोलंबो
7 अगस्त	तीसरा वनडे, कोलंबो

न्यूजीलैंड ने घरेलू सीजन के शेड्यूल का किया ऐलान



क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2024-25 के घरेलू अंतरराष्ट्रीय समर शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। कीवी टीम इस दौरान इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे बड़ी टीमों की मेजबानी करेगी। न्यूजीलैंड की ओर से जारी 2024-25 घरेलू सीजन के दौरान कुल मिलाकर न्यूजीलैंड की पुरुष टीम 6 वनडे और 8 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत इस साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ पहले से घोषित आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला से होगी, जिसके बाद श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला होगी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। न्यूजीलैंड की पुरुष टीम 28 दिसंबर से 11 जनवरी तक तीन टी20 और इतने ही वनडे श्रीलंका के साथ खेलेगी।ब्लैककैप्स फरवरी में मेजबान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए पाकिस्तान जाएगी, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 16 मार्च से 5 अप्रैल तक पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे के लिए स्वदेश लौटेगी। न्यूजीलैंड की महिला टीम 19 से 23 दिसंबर तक सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी।

चोट के कारण मेसी अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर



नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी कोपा अमेरिका के फाइनल में चोटिल होकर बाहर चले गए थे। लेकिन अर्जेंटीना ने उनके बिना भी एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। खास बात ये है कि मेसी सही से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन इसके बावजूद वो बेंच से उठकर गए और टीम के साथ जीत का जश्न मनाया। हालांकि, मेसी की चोट को लेकर उनके फैंस काफी परेशान हैं। उनके दाहिने टखने में बहुत अधिक सूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है। इस बीच मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि उनके कप्तान को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं होगी। लेकिन आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चीजें साफ होंगी। इंटर मियामी के बयान में कहा गया, मेडिकल जांच के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि लियोनेल मेसी को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। कप्तान की उपलब्धता समय-समय पर किए जाने वाले आकलन और उनकी रिकवरी की प्रगति के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

मियामी के कोच मार्टिनो ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, मेसी की काफी चोट लगी है, उनका टखना मुड़ गया था।

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द होगी भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के साथ शुरू हो जाएगा। कोच की कमान संभालते ही गंभीर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा बुधवार को हो सकती है। सपोर्टिंग स्टाफ सहित टीम के कप्तान को लेकर गंभीर ने बीसीसीआई को कई सुझाव दिए हैं। टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया। अब टीम का अगला मिशन श्रीलंका दौरा है, जहां तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के साथ बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के लिए टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को सौंपी जा सकती है।

टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद भारतीय टीम को नए कप्तान की तलाश है। हालांकि नए कप्तान की दावेदारी की रेस में हार्दिक ही सबसे आगे चल रहे हैं।

सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी दिए जाने के पीछे हार्दिक की इंजरी की समस्या बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि, सूर्यकुमार पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में भी सूर्यकुमार के हाथ में ही भारतीय टीम का नेतृत्व था। वहीं घरेलू सर्किट में भी सूर्यकुमार मुंबई की कप्तानी कर चुके हैं।

बुधवार को चयन समिति आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर सकती है। 26 जुलाई से शुरू होने वाले इस दौरे की शुरुआत तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के साथ ही होनी है। तीन टी20 मैच पल्लेकेले और जबकि तीन वनडे मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। यह दौरा गौतम गंभीर के लिए भी बतौर भारतीय कोच पहला दौरा होगा। गंभीर को राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद हाल ही में टीम इंडिया का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।



मैदान पर लौटे शमी

नेट्स पर शुरू की गेंदबाजी

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी नेट्स पर गेंदबाजी करने के लिए वापस आ गए हैं, जो प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शमी 2023 वनडे विश्व कप के बाद से चोट के कारण बाहर हैं। उन्हें दाएं एड़ी की चोट के कारण बाहर रखा गया था जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी और तब से वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सावधानीपूर्वक निगरानी में हैं। 33 वर्षीय तेज गेंदबाज ने इस साल की शुरुआत में अपने अकिलीज टेंडन का ऑपरेशन करवाया था जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज, इंडियन प्रीमियर लीग 2024 और टी20 विश्व कप से चूक गए थे। इन असफलताओं के बावजूद शमी अब अपनी वापसी की तैयारी कर रहे हैं और उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह ट्रेनिंग नेट्स में सावधानी से गेंदबाजी कर रहे हैं। हालांकि वह टखने की चोट से उबर चुके हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक पूरी तीव्रता से गेंदबाजी शुरू नहीं की है। शमी अपनी फॉर्म को फिर से हासिल करने और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मेडिकल क्लीयरेंस लेने के लिए काम कर रहे हैं क्योंकि उनका लक्ष्य प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करना है। शमी ने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, नवीनतम के साथ तालमेल बिठाना, महानतम के लिए मेहनत करना। शमी 2023 वनडे विश्व कप में भारत के स्टैंडआउट गेंदबाज थे जिन्होंने 7 मैचों में 10.70 की औसत से 24 विकेट लिए।

मैं पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहता हूं: किशोर जेना



नई दिल्ली, एजेंसी। जेवलिन थ्रोअर किशोर जेना, जो किसी भारतीय द्वारा दूसरे सबसे लंबे थ्रो के धारक हैं, का लक्ष्य पेरिस 2024 में अपने ओलंपिक डेब्यू में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ हासिल करना है। जेना की कहानी अनोखी है। सीआईएसएफ में अपनी नौकरी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तीन साल तक खेल से दूर रहने के बाद, यह नीरज चोपड़ा की ओलंपिक सफलता थी जिसने उन्हें वापसी के लिए प्रेरित किया। जेना ने जियोसिनेमा के द ड्रीमर्स पर कहा, भाला फेंक में मेरी यात्रा 2014-15 में शुरू हुई। 20 वर्षों से अधिक समय तक, भाला फेंक में हमारा राज्य रिकॉर्ड 65 मीटर था। फिर सितंबर 2017 में, मैंने 72.77 मीटर थ्रो के साथ 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला। 2018 में, मुझे खेल कोटा के माध्यम से सीआईएसएफ में नौकरी मिली। 2018-2020 के बीच, मैंने अपनी नौकरी को प्राथमिकता दी और खेल खेलने के बजाय अपने परिवार की मदद करने पर ध्यान केंद्रित किया।

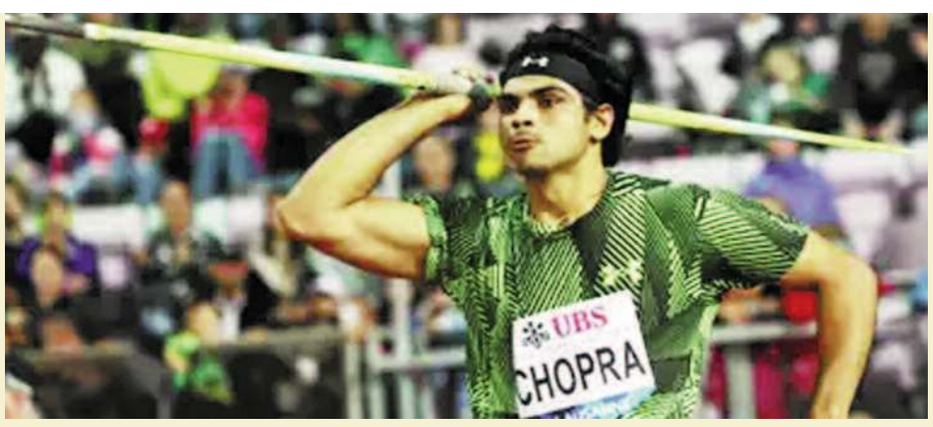
टोक्यो 2020 में चोपड़ा की स्वर्ण पदक जीत के बाद महत्वपूर्ण मोड़ आया। जब नीरज ने ओलंपिक में जीत हासिल की, तो हमने जश्न मनाया और उनकी जीत का आनंद लिया। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो, जीत ने मुझे निराश भी किया क्योंकि मैं भी वही खेल खेल रहा था। मुझे लगा कि मेरे लिए खेलों में कुछ हासिल करने का समय आ गया है। सीआईएसएफ में मेरे कोच ने सुझाव दिया कि अगर मैं 75 मीटर थ्रो में सफल हो जाऊं, तो वह मुझे राष्ट्रीय शिविर में पहुंचने में मदद करेंगे। मेरी कड़ी मेहनत और भावना ने मुझे 76.4 मीटर हासिल करने में मदद की, जिससे मुझे प्रवेश मिला।

उनके भाला फेंक करियर को फिर से शुरू करना चुनौतियों से रहित नहीं था। विश्व चैंपियनशिप में मेरी रैंकिंग में गिरावट के बाद मैंने लेबनान राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया और 78 मीटर का थ्रो किया। अपना सब कुछ देने के बावजूद, मैं कुछ खास हासिल नहीं कर सका। मुझे संदेह होने लगा कि क्या सारी मेहनत सार्थक है। मैंने अपने पिता को फोन किया, जिन्होंने मुझे श्रीलंका में अगली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्रीलंका एक निर्णायक क्षण साबित हुआ। जेना के उल्लेखनीय 84.38 मीटर थ्रो ने न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया बल्कि 2022 एशियाई खेलों और 2023 विश्व चैंपियनशिप में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए मंच तैयार किया, जिससे उन्हें पेरिस 2024 में स्थान मिला। उन्होंने कहा,मैंने तय किया कि श्रीलंका में होने वाला कार्यक्रम मेरा आखिरी प्रयास होगा जिसके बाद मैं नौकरी छोड़ दूंगा और काम तथा परिवार को प्राथमिकता देने के लिए वापस चला जाऊंगा, भगवान की कृपा से, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, 84.38 मीटर का थ्रो किया जिसके कारण मुझे विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफिकेशन मिला, मैंने विश्व चैंपियनशिप में भी अच्छा प्रदर्शन किया और 84.77 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल की। मैंने एशियाई खेलों में 87.54 मीटर के एक और व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पेरिस 2024 के लिए अपना टिकट हासिल किया। मैं अब पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं। मैं काफी आश्वस्त हूं।

एथलेटिक्स में सबसे बड़ा दल भेजेगा भारत, दिग्गज एथलीट लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था और एक बार फिर उनसे इस प्रदर्शन को दोहराने की आस रहेगी। टोक्यो ओलंपिक में अब कुछ ही दिन शेष हैं और नीरज चोपड़ा की अगुआई में भारतीय एथलेटिक्स दल इन खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। भारत के इस बार कुल 29 एथलीट ओलंपिक में जाएंगे जो भारत का इन खेलों के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था और एक बार फिर उनसे इस प्रदर्शन को दोहराने की आस रहेगी।



टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता का नतीजा सामने है। पेरिस ओलंपिक के भारतीय दल में इस बार बड़ी संख्या एथलेटिक्स से है। 29 एथलीट पेरिस में शिरकत करने जा रहे ओलंपिक के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो में 25 एथलीटों ने शिरकत की थी। नीरज पर स्वर्णिम सफलता दोहराने का दबाव होगा। विश्व एथलेटिक्स ने वर्ष 2024 के 10 श्रेष्ठ भाला फेंक एथलीटों की सूची जारी कर पूछा कि क्या नीरज इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेंगे? नीरज इस वर्ष 88.36 मीटर की थ्रो के साथ चौथे स्थान पर हैं।

नीरज के अलावा पुरुषों की चार गुणा चार सौ मीटर रिले टीम से अच्छे प्रदर्शन की आस है। विश्व चैंपियनशिप में रिले टीम पांचवे स्थान पर रही और एशियाई कीर्तिमान भी बनाया। विश्व चैंपियनशिप में दौड़ने वाले राजेश रमेश की टीम में वापसी हुई है। अगर टीम ओलंपिक के फाइनल में पहुंची तो भी बड़ी उपलब्धि होगी।

एशियाड चैंपियन अविनाश साबले ने तीन हजार मीटर स्टीपलचेज में 8.09.91 मिनट के साथ नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। उनकी विश्व रैंकिंग 13 है। साबले के लिए फाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। यूपी की पारुल चौधरी 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर में भाग ले रही हैं। उनके स्टीपलचेज फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है।

बोल्ड सीन देने से जरा भी नहीं हिचकिचातीं ये अभिनेत्रियां, ओटीटी पर मचा रखा है तहलका

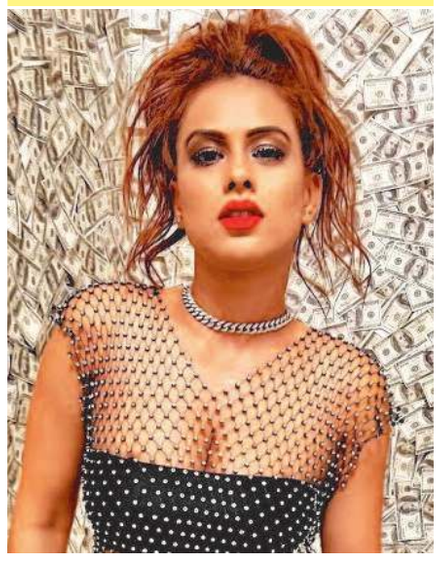
एक समय हुआ करता था कि सिनेमाघरों में लोग फिल्म देखने के लिए ब्लैक में टिकट खरीदा करते थे। खिड़कियों पर टिकट के लिए लड़ाई हो जाती है। अब ओटीटी प्लेटफार्म्स ने सिनेमाघरों में होने वाली आपाधापी को कुछ हद तक कम कर दिया। वहीं, ओटीटी पर हर तरह का कंटेंट भी मौजूद है। बोल्ड कंटेंट की तो ओटीटी पर भरमार है। वेब सीरीज में धड़ल्ले से बोल्ड कंटेंट परोसे जा रहे हैं। आज हम ऐसी अभिनेत्रियों की बात करने जा रहे हैं जो इंटिमेट सीन देने में जरा भी नहीं हिचकिचाती।



त्रिधा चौधरी

बॉबी देओल की वेब सीरीज 'आश्रम' में 'बबीता' का किरदार निभाने वाली 'त्रिधा चौधरी' तो आपको याद ही होंगी। इस सीरीज में उन्होंने इंटीमेट सीन देकर पारा हाई कर दिया। उनके बोल्डनेस के चर्चे चारों तरफ होने लगे। वह इंस्टाग्राम पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं।

निया शर्मा



अपने करियर की शुरुआत टीवी की संस्कारी बहु से करने वाली अभिनेत्री निया शर्मा भी इस लिस्ट में शामिल हैं। वह इंटिमेट सीन देने में जरा भी नहीं हिचकिचाती। उन्होंने 'ट्विस्टेड' से लेकर 'जमाई राजा पार्ट 2' ऐसे सीन दिए हैं कि आपको यकीन नहीं होगा कि यह वही निया शर्मा हैं।

रसिका दुग्गल



रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' में खूब इंटीमेट सीन दिए हैं। इस सीरीज में उन्होंने बोल्डनेस का तड़का लगा के महफिल लूट ली। हालांकि, उन्होंने अपने अभिनय के दम पर दर्शकों की खूब प्रशंसा पाई।

फ्लोरा सैनी और अन्वेषी जैन



ऑल्ट बालाजी की सबसे बोल्ड वेब सीरीज 'गंदी बात' में फ्लोरा सैनी और अन्वेषी जैन ने जमकर इंटीमेट सीन दिए हैं। इस सीरीज में उनके बोल्ड सीन ने खूब बवाल मचाया था।

शर्लिन चोपड़ा

शर्लिन चोपड़ा इस दौड़ में सबसे आगे हैं। शर्लिन चोपड़ा को बोल्डनेस का दूसरा नाम कहा जाता है। सोशल मीडिया पर भी शर्लिन चोपड़ा काफी बोल्ड तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं। शर्लिन ने ओटीटी पर भी अपनी बोल्डनेस से तहलका मचा दिया है। वह 'पौरुषपुर' में बोल्ड सीन दे चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह 'कामासूत्र थ्री डी' में भी नजर आएंगी।





राजनीति में शामिल होने पर पंकज त्रिपाठी ने कहा

मेरी एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है

फेमस कालीन भैया का किरदार निभाने वाले बेहतरीन सितारों में से एक पंकज त्रिपाठी ने राजनीति में आने के बारे में कहा कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि उनकी एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या अभिनेता की राजनीति में शामिल होने में कोई दिलचस्पी है, पंकज ने आईएएनएस को बताया, नहीं, अभी तो फिलहाल एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है। पंकज इस समय मिर्जापुर 3 में दिखाई दे रहे हैं। यह पार्ट इस बार गुड्डू और गोलू पर केंद्रित है, क्योंकि इसमें कालीन भैया के नेतृत्व में त्रिपाठियों का शासन पूर्वांचल में समाप्त होता दिख रहा है। हालांकि सिंहासन को पाने के लिए काफी लड़ाई और खून-खराबा होता है।

पंकज ने इंटेंस सीन्स के बारे में कहा, मैंने सीजन नहीं देखा है। मैंने सिर्फ अपने सीन्स देखे हैं। कालीन भैया ने इस बार कोई हिंसा नहीं की है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी की मनोरंजक उपस्थिति स्पष्ट रूप से गायब थी। सैंतालीस वर्षीय स्टार ने कहा, मेरे कई दोस्तों ने कहा कि वे मुझे और देखना चाहते थे, और अंत में जब उन्होंने मुझे देखा तो वे संतुष्ट थे कि कालीन भैया वापस आ गए हैं। जब एक मजबूत किरदार कमजोर हो जाता है जैसा कि सीजन में दिखाया गया था, यही वह मोड़ है जहां जीवन में आप हमेशा ऊपर नहीं होते बल्कि नीचे भी देखते हैं। अपने आगामी काम के बारे में पंकज ने कहा कि उनकी पहली फिल्म स्त्री 2% 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर अभिनीत यह फिल्म 2018 की फिल्म स्त्री का सीक्वल है।

सीबीएफसी ने विक्की कौशल-तृप्ति डिमरी स्टारर बैड न्यूज के तीन दृश्यों में 27 सेकंड के चुंबन को सेंसर किया

इस शुक्रवार को कॉमेडी फिल्म बैड न्यूज़ रिलीज़ होने वाली है और इसके मनोरंजक ट्रेलर, नए कलाकारों और चार्टबस्टर गानों की वजह से फिल्म देखने वालों और व्यापार जगत में इसके लिए जबरदस्त उत्साह है। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने पास कर दिया है। फिल्म में कोई ऑडियो कट नहीं किया गया है। हालांकि, सीबीएफसी की जांच समिति ने तीन दृश्यों को सेंसर कर दिया है, जिसमें दो किरदारों के चुंबन शामिल हैं। ऐसे तीन दृश्य हैं, एक 9 सेकंड का, दूसरा 10 सेकंड का और तीसरा 8 सेकंड का। कुल मिलाकर, सीबीएफसी ने इन तीन दृश्यों में कुल 27 सेकंड का बदलाव किया है।

दिलचस्प बात यह है कि कट लिस्ट में लिप-लॉक के दृश्य को संशोधित करने का उल्लेख है और यह भी कि एक भी फ्रेम नहीं काटा गया है। अब यह देखना बाकी है कि किसिंग सीन को किस तरह संशोधित किया गया है और दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता



चलेगा। सीबीएफसी द्वारा मांगे गए अन्य बदलाव बहुत मामूली थे जैसे शुरुआत में अस्वीकरण को बदलना, शराब विरोधी स्टैटिक डालना और शराब विरोधी स्टैटिक के फ़ॉन्ट आकार को बढ़ाना। ये बदलाव किए जाने के बाद, बैड न्यूज़ को सीबीएफसी द्वारा यू/ए प्रमाणपत्र दिया गया। सेंसर सर्टिफिकेट पर उल्लिखित फिल्म की लंबाई 142 मिनट है। दूसरे शब्दों में, बैड न्यूज़ 2 घंटे और 22 मिनट लंबी है।

बैड न्यूज़ में विक्की कौशल, त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नेहा धूपिया सहायक भूमिका में हैं। इसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है और इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के करण जौहर, लियो मीडिया कलेक्टिव प्राइवेट लिमिटेड के आनंद तिवारी और अमृतपाल सिंह बिंद्रा और अमेज़न प्राइम के मनीष मेंघानी ने किया है। यह 19 जुलाई को रिलीज़ होने वाली है।

फिल्म ज्वेल थीफ में लंबी चोटी और टोन्ड लुक में नजर आ सकते हैं सैफ

सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आएंगे। निर्माता सिद्धार्थ आनंद के प्रोडक्शन में बनी फिल्म ज्वेल थीफ : द रेड सन चैप्टर की तैयारी कर रहे हैं। एक्टर ने सेक्रेड गेम्स में इंस्पेक्टर सरताज सिंह का किरदार निभाया तो वहीं तान्हाजी द अनसंग वारियर और आदिपुरुष जैसी फिल्मों में खलनायक के किरदार में नजर आए। बता दें, फिल्म की कहानी एक बहुत बड़ी लूट पर आधारित है। अभिनेता जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में हैं। इन दोनों एक्टर्स का आमना-सामना देखने को मिलेगा। जानकारी के अनुसार, सैफ का लुक बिल्कुल अलग होगा। वह लंबी चोटी के साथ टोन्ड लुक में नजर आएंगे। जिसके लिए सिक्स-पैक भी विकसित कर रहे हैं, हालही में टीम बुडापेस्ट का शेड्यूल खत्म कर लौटी है। इस शेड्यूल में सैफ और निकिता के कुछ रोमांटिक गानों के साथ-साथ फिल्म के कुछ और एक्शन सीन भी शूट किए गए। ज्वेल थीफ के अलावा, सैफ देवरा में दिखाई देंगे। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में हैं और यह जान्हवी कपूर की साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पहली फिल्म है।

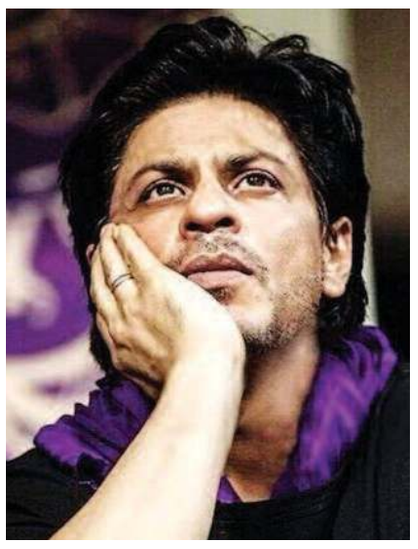


रोमांचक फिल्म का संकेत देता है जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ का ट्रेलर

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'उलझ' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म के निर्माताओं ने आज इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। 2 मिनट 23 सैकंड लम्बा यह ट्रेलर फिल्म की पूरी कहानी बयां करने में सफल हो जाता है। इसमें जान्हवी देश की सबसे युवा हाई डिप्टी कमिश्नर के किरदार में हैं, जिन पर नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद), देशद्रोही व गद्दारी के आरोप हैं। उनके आईएफएस ऑफिसर के तौर पर काम करने को लेकर कुछ साथी ऑफिसर्स को खासी आपत्ति है। जान्हवी की जिंदगी में कई तूफान आते हैं। उनकी जान भी खतरे में पड़ जाती है।



उन्हें वजूद के लिए लड़ना पड़ता है। हालांकि जान्हवी को बलि की बकरी की तरह फंसाया गया है। जान्हवी विक्टिम न बनकर खुद के लिए जंग लड़ती दिखाई देती हैं। जान्हवी इंडियन फॉरेन सर्विस में मौजूद राजनीति को दर्शकों के सामने पेश करेंगी कि किस तरह से कुछ लोग झुंड बनाकर एक सच्चे देशभक्त को अपने मकसद के लिए यूज करते हैं। इस राजनीति की वजह से देशभक्त ऑफिसर्स की जिंदगी तबाही की कगार पर पहुंच जाती है और गुट बनाकर बैठे लोग आंखें मूदकर अपने हितों को साधते रहते हैं। अब इन दुश्मनों से जान्हवी स्पाई थ्रिलर फिल्म में किस तरह से लड़ती हैं और खुद को बेगुनाह साबित करती हैं, ये कहानी 2 अगस्त को सिनेमाघरों में खुलेगी। जाह्नवी कपूर के साथ इस फिल्म में गुलशन देवैया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में इस तरह से उन्हें बताया गया है उसके हिसाब वे फिल्म में खलनायक की भूमिका में हैं। इसके अतिरिक्त फिल्म में रोशन मैथ्यू और मियांग चैंग भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।





सुजॉय घोष निर्देशित सिद्धार्थ आनंद की किंग में शाहरुख खान का मुकाबला अभिषेक बच्चन से

एक रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए! बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और अभिषेक बच्चन किंग नामक एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। अपने ब्लॉकबस्टर प्रोजेक्ट पठान और जवान की सफलता के बाद, शाहरुख खान एक और मेगा प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं।

प्रशंसित निर्देशक सुजॉय घोष (जिन्होंने विद्या बालन के साथ कहानी बनाई थी) द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्मित, किंग एक शानदार दृश्य और एक्शन से भरपूर अनुभव का वादा करती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अभिषेक बच्चन को शाहरुख खान के साथ खलनायक के रूप में लिया गया है। उनके किरदार के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों से पता चला है कि यह एक परिष्कृत और जटिल खलनायक होगा, जो अभिषेक द्वारा आमतौर पर निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग होगा। इस पूरी तरह से नकारात्मक भूमिका से उनकी अभिनय क्षमता को एक नए रूप में प्रदर्शित करने की उम्मीद है। पाठकों को याद होगा कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान किंग में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। हालांकि उनके किरदार के बारे में विस्तृत जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन वह अपने पिता के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

हालांकि यह पहली बार है जब शाहरुख और अभिषेक स्क्रीन पर एक दूसरे के विपरीत होंगे, लेकिन इससे पहले वे कभी अलविदा ना कहना और हैप्पी न्यू ईयर जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अभिषेक के लिए, यह सुजॉय घोष के साथ उनकी दूसरी फिल्म (बॉब बिस्वास के बाद, जिसे उन्होंने प्रोड्यूस किया था) और सिद्धार्थ आनंद के साथ उनकी पहली फिल्म है। फिलहाल प्री-प्रोडक्शन में चल रही किंग की शूटिंग अक्टूबर-नवंबर 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। निर्माताओं का लक्ष्य 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में रिलीज करना है। फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ आनंद के मार्फ्लिक्स बैनर तले शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया जा रहा है।

-साभार एजेंसी

फरहान अख्तर, जो अपनी कई टेलेंट के लिए जाने जाते हैं और हमेशा अपनी फिल्मों में अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर करने की कोशिश करते हैं। 2021 में अपनी स्ट्रीमिंग रिलीज़ तूफ़ान में उन्होंने एक बॉक्सर की भूमिका निभाई थी, जिसके लिए बहुत ज्यादा मेंटल और फिजिकल कमिटमेंट की बहुत ज़रूरत थी। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा डायरेक्ट की गई इस फिल्म के लिए फरहान के पूरे समर्पण की जरूरत थी और उन्होंने इस चुनौती को पूरा किया। ऐसे में अब जब फिल्म अपनी तीसरी एनिवर्सरी मना रही है, चलिए हम फरहान द्वारा निभाए गए किरदार में गहराई से उतरते हैं।फरहान अख्तर ने तूफ़ान में बॉक्सर अज़ीज़ अली का किरदार निभाया था, जो बहुत ही इंस्पायर करने वाला किरदार था। अपनी भूमिका की तैयारी के लिए फरहान ने हर दिन 2 घंटे बॉक्सिंग की ट्रेनिंग की थी।

तूफान के लिए फरहान अख्तर ने की बॉक्सर बनने की कड़ी मेहनत!

